THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 185 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.9 2081 गुरुवार, 26 सितंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

14 साल की विवाहिता ने दिया जुड़वा बच्चों को जन्म जच्चा और दोनों बच्चे स्वस्थ

पिथौरागढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बैतड़ी में 14 वर्षीय विवाहिता ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। स्वास्थ्य कार्यालय के मुताबिक इस उम्र में यह दुर्लभ है। जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। बैतड़ी, डडेलधुरा अस्पताल की वरिष्ठ नर्सिंग निरीक्षक बालकुमारी बस्याल के मुताबिक पाटन नगरपालिका की 14 वर्षीय विवाहिता ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। बताया कि एक नवजात का वजन 1.900 तो दूसरे का वजन 1.700 किलो है। मां और बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस उम्र में विवाहिता के जुड़वा बच्चों को जन्म देने की हर तरफ चर्चा है। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष उसका प्रेम विवाह हुआ था।

एनकाउंटर का मतलब क्या खोपड़ी खोल देना है?

बदलापुर एनकाउंटर पर उच्च न्यायालय ने उठाए सवाल

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बदलापुर एनकाउंटर पर बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सवाल उठाए हैं। उच्च न्यायालय ने बुधवार को बदलापुर मामले के आरोपी अक्षय शिंदे के पिता की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उच्च न्यायालय ने पुलिस कार्रवाई को लेकर कई सवाल उठाए।

उच्च न्यायालय ने पूछा कि पुलिस ने पिस्टल अनलॉक क्यों की थी? हाईकोर्ट ने सरकारी वकील से कहा कि एक शारीरिक रूप से कमजोर आदमी तेजी से रिवॉल्वर को अनलॉक करके फायर नहीं कर सकता। यह आसान नहीं है। इस पर सरकारी वकील ने बताया कि अधिकारी की पिस्टल पहले से अनलॉक थी।

उच्च न्यायालय ने कहा- मौत की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए

याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ के जस्टिस चौहान ने कहा कि बताई जा रही बातों पर यकीन करना बेहद मुश्किल है। प्रथम दृष्टया इसमें गड़बड़ी नजर आ रही है। हाईकोर्ट ने ये भी कहा कि पुलिस ने आरोपी के सिर में गोली क्यों मारी? आरोपी को गोली मारने से बचा जा सकता था। आरोपी को गोली मारने से पहले काबू में करने की कोशिश क्यों नहीं की गई? बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी अक्षय शिंदे की मौत की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जानी चाहिए।

अक्षय शिंदे के पिता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अपने बेटे की मौत की जांच एसआईटी से कराने की मांग की है। पिता का आरोप है कि उनके बेटे को फर्जी एनकाउंटर के तहत मारा गया है। विपक्षी पार्टियां भी इस एनकाउंटर पर सवाल उठा रही हैं। एनकाउंटर पर सवाल उठने और सियासत गरमाने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को घटना की जांच सीआईडी को सौंप दी है। याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच ने की।

बच्चियों के यौन शोषण का आरोपी था अक्षय शिंदे

अक्षय पर बदलापुर के एक स्कूल में बच्चियों का यौन शोषण करने का आरोप था। साथ ही उस पर अपनी पूर्व पत्नी के भी यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज था। पूर्व पत्नी के यौन उत्पीड़न के मामले में ही पुलिस उसे जांच के लिए तलोजा जेल से बदलापुर लेकर गई थी। सरकार का कहना है कि जांच के बाद जेल लौटते समय अक्षय ने एक पुलिस अधिकारी की रिवॉल्वर छीनकर पुलिसकर्मियों पर कथित तौर पर तीन गोलियां चलाईं। जिनमें से एक गोली असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर संजय शिंदे की जांघ में लगी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अक्षय के सिर में गोली लगी और उसकी मौत हो गई।

बोटाद के समीप ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश, ट्रैक पर रखा 4 फीट लंबा लोहे का टुकड़ा

अहमदाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के बोटाद के समीप बुधवार तड़के एक बार फिर ट्रेन को बेपटरी किए जाने की साजिश सामने आई है। रेलवे ट्रैक पर 4 फीट लंबा लोहे का टुकड़ा रखा गया था, जो ओखा-भावनगर ट्रेन (ट्रेन नंबर 19210) के इंजन से टकरा गया। घटना से इंजन में खराबी होने की वजह से ट्रेन करीब 3 घंटे तक बोटाद के कुंडली गांव से दो किलोमीटर की दूरी पर रुकी रही। बाद में दूसरा इंजन आने पर ट्रेन को रवाना किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर बोटाद एसपी, डीवाईएसपी समेत रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार तड़के 3 बजे के करीब ओखा से भावनगर की ओर जा रही ओखा-भावनगर एक्सप्रेस ट्रेन बोटाद के कुंडली गांव से दो किलोमीटर की दूरी पर इंजन की खराबी के कारण रुक गई। रेल पटरी पर रखा करीब 4 फीट लंबा लोहे का टुकड़ा टकराने से ट्रेन के इंजन में खराबी आ गई। करीब 3 घंटे तक ट्रेन इसी स्थान पर खड़ी रही। बाद में दूसरे इंजन को मंगवाकर ट्रेन को रवाना किया गया। घटना के संबंध में बोटाद के पुलिस अधीक्षक किशोर बलोलिया ने बताया कि बोटाद जिले के रामपुर पुलिस स्टेशन की सीमा में कुंडली गांव से 2 किलोमीटर दूर की यह घटना है। बुधवार तड़के जब ओखा भावनगर ट्रेन इधर से गुजर रही थी तो किसी ने रेलवे ट्रैक पर 4 फीट लंबा लोहे का टुकड़ा रख दिया था, जिससे ट्रेन टकराकर रुक गई।

राजधानी में फिर से लागू होगा ऑड-ईवन

कृत्रिम बारिश की भी तैयारी में आतिशी सरकार

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली की आतिशी सरकार ने विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा, 'हमारी सरकार 'मिलकर चलें, प्रदूषण से लड़ें' थीम पर चलकर हमारी सरकार विंटर एक्शन प्लान पर काम करेगी।' दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, 'एनसीआर के राज्यों में बढ़ने वाले प्रदूषण स्तर का प्रभाव दिल्ली पर पड़ता है। प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए केंद्र सरकार की भी जरूरत हमें पड़ती है। जब सभी एजेंसियां और सरकारें मिलकर काम करेंगी, तभी प्रभावी तरीके से प्रदूषण से लड़ा जा सकता है।' उन्होंने कहा कि इसीलिए हमारी सरकार 'मिलकर चलें, प्रदूषण से लड़ें' थीम पर चलकर हमारी सरकार विंटर एक्शन प्लान पर काम करेगी। हमारे सामूहिक प्रयासों का परिणाम है कि दिल्ली में लगातार प्रदूषण का स्तर कम हो रहा है। इतना ही नहीं, उन्होंने बताया कि प्रदूषण से निपटने के लिए 21 सूत्री कार्य योजना लागू की जाएगी। शुरू किए गए अभिनव उपायों में प्रदूषण के हॉटस्पॉट की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग शामिल है, जो दिल्ली में अपनी तरह की पहली पहल है। इसके अतिरिक्त, 7 अक्टूबर से सरकार धूल प्रदूषण को लक्षित करने और कम करने के लिए एक धूल-विरोधी अभियान शुरू करेगी, जो शहर में वायु गुणवत्ता के मुद्दों का एक महत्वपूर्ण कारण है।

बॉम्बे हाईकोर्ट की एनेक्सी बिल्डिंग के पुनर्विकास का मामला, सरकार को मुख्य न्यायाधीश से मिलने का निर्देश

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार के मुख्य सचिव को कहा है कि वे बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के साथ बैठक करके उच्च न्यायालय की एनेक्सी बिल्डिंग के पुनर्विकास पर फैसला करें। बॉम्बे उच्च न्यायालय की ऐतिहासिक इमारत के बराबर में ही एनेक्सी बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें कुछ कोर्ट रूम और अन्य सुविधाएं स्थानांतरित की जाएंगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने 23 सितंबर को ही इस एनेक्सी बिल्डिंग की आधारशिला रखी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि जब तक उच्च न्यायालय की नई इमारत तैयार होती है, तब तक उच्च न्यायालय की कुछ सुविधाओं को हाईकोर्ट परिसर में मौजूद पीडब्ल्यूडी बिल्डिंग में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया।

अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर मुझे गर्व

राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे ने किया खुलकर समर्थन

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बदलापुर स्कूल में बच्चियों से यौन शोषण के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर विपक्षी दलों के नेता लगातार सवाल उठा रहे हैं। आज बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इस तरह के एनकाउंटर पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने एनकाउंटर पर संदेह जताया है। लेकिन दूसरी तरफ कुछ लोग एनकाउंटर को सही ठहरा रहे हैं। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे ने भी इस एनकाउंटर को महिलाओं के हक बताया है।

एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान शर्मिला ठाकरे ने कहा कि वह कोई संत नहीं था, ऐसे अपराधियों का एनकाउंटर होना चाहिए। राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला ठाकरे ने ये भी कहा कि एक महिला होने के नाते मुझे इस एनकाउंटर पर गर्व महसूस हुआ। उन पुलिसकर्मियों की सराहना की जानी चाहिए, जिनकी गोली से अक्षय शिंदे मारा गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए ऐसे एनकाउंटर होने चाहिए।

मुझे भी अपनी बेटी की चिंता

शर्मिला ठाकरे ने कहा कि अक्षय शिंदे एनकाउंटर में जख्मी पुलिस अधिकारी नीलेश मोरे से आज मैंने मुलाकात की। इसके बाद शर्मिला ठाकरे ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैं किसी राजनीतिक दल की ओर से या राज ठाकरे की पत्नी के रूप में नहीं बोल रही हूं। मैं एक आम महिला के तौर पर बोल रही हूं। मेरी खुद एक बेटी है। मुझे भी उसकी सुरक्षा की चिंता है। शर्मिला ठाकरे ने कहा- मैं महिलाओं की एक प्रतिनिधि के रूप में ऐसा बोल रही हूं।

अपराधी से कोई सहानुभूति नहीं

शर्मिला ठाकरे ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा आज चिंता का विषय है। आए दिन हम अखबार में पढ़ते हैं, महिलाओं के खिलाफ हिंसक अपराध होते हैं। बलात्कार के बाद उसकी नृशंस हत्या कर दी जाती है। राजनीति क्या कहती है, विपक्ष क्या बोलता है, अदालत क्या कहती है... मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। एक महिला होने के नाते मुझे इस तरह के अपराध करने वाले के साथ कोई सहानुभूति नहीं। एनकाउंटर करने वाली पुलिस की प्रशंसा की जानी चाहिए।

कानून सख्त बनाने की जरूरत

अक्षय शिंदे के परिवार के सवालों पर शर्मिला ठाकरे ने कहा- उज्जवल निकम जी ने सही कहा कि अदालत में मामला जितना लंबा चलता है, महिलाएं उतनी ही अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं। दिल्ली निर्भया केस में 6 साल बाद आरोपियों को फांसी की सजा दी गई। 6 साल ऐसे अपराधी को जीने का अधिकार दिया गया। शर्मिला ठाकरे ने कहा कि हम महिलाओं के लिए ऐसा मजबूत कानून चाहते हैं जो दोषी को जल्द सजा दे।

पानी के तेज बहाव में बहा युवक, बचाने के लिए कूदे गोताखोर

लातूर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मॉनसून फिर से सक्रिय हो चुका है। कई जिलों में हो रही बारिश से कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। इस बीच, लातूर में एक बाइक सवार युवक के पानी के तेज बहाव में बह जाने का वीडियो सामने आया है। पानी के तेज बहाव में बाइक सवार युवक अचानक बह गया। कड़ी मशक्कत के बाद युवक को स्थानीय लोगों ने बचाया। जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार लातूर जिले के औसा वाड़ी से उटी की तरफ आ रहा था। इस दौरान औसा थाना क्षेत्र के औसा वाड़ी गांव के पास स्थित उटी पुल को पार करते समय युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक पानी से लबालब पुल को बाइक से पार करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन आगे जाकर वो अपने आपको संभाल नहीं पाया और पानी के तेज बहाव के साथ बहने लगे।

बीवी-बच्चों को छोड़ दूसरी औरत के साथ चला गया शख्स

पत्नी को कही ऐसी बात, कोर्ट को भी आ गया गुस्सा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। एक शादीशुदा शख्स अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर दूसरी औरत के साथ रहने लगा। उसकी हरकतों से तंग आकर उसकी पत्नी ने भी घर छोड़ दिया और अपना खर्च चलाने के लिए उससे हर महीने 30,000 रुपये गुजारा भत्ता देने की मांग की। हालांकि यह बात शख्स को बड़ी नागवार गुजरी और वह पत्नी की मांग के खिलाफ अदालत जा पहुंचा। उस शख्स ने अपनी याचिका में पत्नि को लेकर ऐसी बात कह दी, जिस पर कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताते हुए इसे पूरी महिला जाति का अपमान बता दिया।

दरअसल शख्स ने तर्क दिया था कि उसकी पत्नी, एक सक्षम महिला है और इस कारण 'उसे कानून का दुरुपयोग करके पैरासाइट यानी परजीवी बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती'। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी अपना खर्च उठाने में सक्षम है, तब भी पति उसे गुजारा भत्ता की रकम देने से आजाद नहीं हो जाता। कोर्ट ने यह भी कहा कि पत्नी को 'परजीवी' कहना उसके साथ-साथ पूरी महिला जाति का अपमान है।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने पत्नी को गुजारा-भत्ता देने के निचली अदालत के निर्देश के खिलाफ पति की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि भारतीय महिलाएं परिवार की देखभाल करने, अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करने, अपने पति और उसके माता-पिता की देखभाल करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ देती हैं। वहीं इस शख्स के बारे में कहा जा रहा है कि उसने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दिया है और अब दूसरी महिला के साथ रह रहा है।

निचली अदालत ने ऐसी सूरत में उस शख्स को अपनी पत्नी को भरण-पोषण के रूप में हर महीने 30,000 रुपये देने का आदेश दिया था, साथ ही उसे मेंटल टॉर्चर, अवसाद और भावनात्मक पीड़ा आदि के लिए पांच लाख रुपये देने का आदेश दिया था। निचली अदालत ने उसे अपनी पत्नी को मुआवजे के तौर पर तीन लाख रुपये देने का भी निर्देश दिया था, जिसमें मुकदमेबाजी की लागत के रूप में 30,000 रुपये शामिल हैं। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि पत्नी घरेलू हिंसा की शिकार थी। जस्टिस प्रसाद ने कहा, 'पत्नी को अपना वैवाहिक घर छोड़ना पड़ा, क्योंकि वह इस तथ्य को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी कि उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ रह रहा है।' उन्होंने कहा, 'कोई भी महिला यह बर्दाश्त नहीं कर सकती कि उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ रह रहा हो और उस महिला से उसका बच्चा भी हो।' कोर्ट ने कहा, 'ये सभी तथ्य पत्नी को घरेलू हिंसा का शिकार बनाते हैं।'

हाई कोर्ट से सुक्खू सरकार को झटका! एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के जमीन के ट्रांसफर पर लगाई रोक

शिमला, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार को हिमाचल हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। हिमाचल हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति रंजन शर्मा की खंडपीठ ने पालमपुर में बनी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के 112 हेक्टेयर लैंड को ट्रांसफर करने पर रोक लगा दी है। चौधरी सरवन कुमार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पालमपुर की 112 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन विभाग को हस्तांतरित की जानी थी। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने लैंड ट्रांसफर करने पर रोक लगाई है। इस मामले में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की दो जजों वाली खंडपीठ ने मुख्य सचिव के साथ पर्यटन और कृषि विभाग के आला अधिकारियों को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

चक्रवाती तूफान का असर

अगले 6 दिनों तक 20 जिलों में लगातार भारी बारिश के आशंका, बाढ़ जैसे हालात संभव

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान का असर बिहार में भी दिखाई देगा। मौसम विभाग के अनुसार, पटना सहित राज्य के 20 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। इस सीजन में अब तक मानसून ने ज्यादा असर नहीं दिखाया था और सितंबर के अंत तक कई जिलों में औसत से कम बारिश हुई थी। हालांकि, अब चक्रवाती परिसंचरण के कारण जोरदार बारिश का पूर्वानुमान है, जिससे जलभराव और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के मध्य और पश्चिमी क्षेत्र में बने चक्रवाती परिसंचरण और निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण बिहार सहित कई राज्यों में अगले 6 दिनों तक लगातार बारिश होगी। इससे उत्तर बिहार के जिलों में बारिश की गतिविधियों में तेजी आ सकती है। विभाग ने सीतामढ़ी, मधुबनी और पश्चिम चंपारण के कुछ इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। भारी बारिश से जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका पटना समेत बिहार के कई हिस्सों में उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। लेकिन भारी बारिश के कारण गंगा और अन्य प्रमुख नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी हो सकती है। भागलपुर, मुंगेर जैसे जिलों में पहले से ही बाढ़ के हालात हैं, और आगामी बारिश से वहां की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। अगले कुछ दिनों में बढ़ेगी परेशानी मंगलवार रात से ही उत्तर बिहार और पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की शुरुआत हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बिगड़ने की आशंका है, जिससे प्रभावित इलाकों के लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

गुरुग्राम में हिट एंड रन

ओला बाइक राइडर और महिला की मौत, आरोपी ने तोड़ी थी रेड लाइट

सोहना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में एक ट्रक ने महिला और बाइक चालक को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। महिला ने ओला ऐप के जरिये बाइक राइड बुक की थी और तहसील से लौट रहे थे। दरअसल, सोहना कस्बे में एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने बाइक चालक और महिला को कुचल डाला है। बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है, लेकिन आरोपी ट्रक चालक मौके से भाग निकला। हुआ यूं कि अंबेडकर चौक बाईपास पर तावडू की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने लाल बत्ती को तोड़ते हुए सामने से जा रही बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक चालक और बाइक पर बैठी महिला ट्रक के नीचे आ गए और ट्रक के टायर चढ़ गए। दोनों को टक्कर लगने से गंभीर चोटें लगी थीं।

मृतक बाइक सवार की पहचान दिल्ली निवासी विनीत के रूप में हुई है, जबकि महिला की पहचान नजफगढ़ दिल्ली निवासी गीता के रूप में हुई है। महिला के पति अमित ने बताया कि कुछ दिन पूर्व स्थानीय तहसील में जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। गीता रजिस्ट्री को लेने के लिए तहसील में आई थी। घर वापिस जाने के लिए गीता ने ओला बाइक को बुक की थी और उस पर सवार होकर वापिस दिल्ली जा रही थी।

लेकिन दिल्ली पहुँचने से पहले ही उसकी जीवनलीला समाप्त हो गई। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि मृतकों के शवों को स्थानीय नागरिक अस्पताल में शवों का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। ट्रक को कब्जे में ले लिया है और फरार आरोपी ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव पर हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

कहा- 'ऐसा लगता है कि करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं'

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय में हो रहे छात्र संघ चुनाव के दौरान दीवारों और सड़कों पर पोस्टर लगाने के मामले पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने कहा है कि यह लोकतंत्र का उत्सव है न कि मनी लॉन्ड्रिंग का उत्सव है। अदालत ने कहा कि इस तरह से सिस्टम को युवाओं को करप्ट नहीं होने देना चाहिए। कोर्ट ने कहा, 'यह स्थिति देश के आम चुनाव से भी बुरी है। क्या कोई रिकॉर्ड है कि चुनाव में कितना पैसा इस्तेमाल किया जा रहा है? ऐसा लगता है करोड़ों रुपया खर्च किया जा रहा है।'

'तब तक चुनाव को स्थगित किया जाए'

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि पोस्टर दीवार पर लगाए जा रहे हैं, सड़को पर लगाए जा रहे हैं और इस तरह से पैसे को बर्बाद नहीं होने देना चाहिए। अदालत ने दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कहा, 'आपको सख्त एक्शन लेना चाहिए। जब तक पोस्टर हटाए नहीं जाते, जब तक पूरी यूनिवर्सिटी की सफाई नहीं हो जाती, तब तक

चुनाव को स्थगित किया जाए। सार्वजनिक संपत्ति पर जो पोस्टर लगे हुए हैं क्या आपने इसकी फोटो ली है? अगर वह पोस्टर लगाते हैं तो पोस्टर हटाने का खर्चा भी उम्मीदवारों को उठाना होगा।' दिल्ली हाई कोर्ट को बताया गया कि अब तक डीयूएसयू के चुनाव के दौरान 16 हजार बोर्ड, दो हजार होर्डिंग, 2 लाख से ज्यादा पोस्टर हटाए जा चुके हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने कहा कि लिंगदोह कमेटी के अनुसार सिर्फ 5 हजार खर्च करने की इजाजत है और पोस्टर हाथ के बने हुए होने चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रशासन से कहा कि जिनके नाम के पोस्टर लगे हुए हैं उनसे उसको हटाने का पैसे वसूला जाए, आप अपने आप को इतना असहाय महसूस मत करिए। अदालत ने कहा, 'चुनाव में कोई अकेले नहीं लड़ रहा है, चुनाव में संगठन शामिल हैं।' दिल्ली यूनिवर्सिटी ने कहा हमने सभी 21 उम्मीदवारों को सर्कुलर जारी कर दिया है, जिसमें लिंगदोह कमेटी के नियम का पालन करने के लिए कहा गया है। उसने कहा कि पोस्टर और बैनर को हटाने का निर्देश भी दिया गया है, दिल्ली चुनाव समिति इस पर पैनी नजर रखे हुए है। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने कहा, 'अगर उम्मीदवार चुनाव के दौरान लिंगदोह कमेटी के नियम का पालन नहीं करेंगे तो उनकी उम्मीदवारी भी रद्द कर दी जाएगी। लोगों को आ रही दिक्कतों को लेकर कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। उम्मीदवारों के साथ एक बैठक भी बुलाई गई थी, जिसमें सिर्फ 2 उम्मीदवार बैठक में शामिल हुए थे, 4 लिखित जवाब भी मिले हैं। 25 सितंबर शाम 5 बजे तक पोस्टर को हटाने का निर्देश दिया गया है, अगर ऐसा नहीं करेंगे तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

कल से ही पोस्टर हटाए जाने शुरू हो गए हैं।'दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि वाइस चांसलर को इस मुद्दे पर बैठक करनी चाहिए जिसमें दिल्ली पुलिस और आला अधिकारियों को भी शामिल होना चाहिए। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों को ही नहीं पता है कि उनके पास क्या शक्तियां हैं? कोर्ट ने पूछा कि आप चुनाव इस तरह से कैसे होने दे सकते हैं? अदालत ने अधिकारियों से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने को कहा है।

तीन महीने पहले बीजेपी नेता मोनू कल्याणे की हुई थी हत्या

अब पत्नी ने किया सुसाइड, फंदे से लटका मिला शव

इंदौर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर के एमजी रोड इलाके में आज बुधवार की सुबह बीजेपी नेता रहे मोनू कल्याणे की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मोनू कल्याणे की तीन महीने पहले जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका की पहचान दीपिका कल्याणे(28) पति मोनू कल्याणे के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा, आज सुबह करीब 9 बजे दीपिका कल्याणे के परिजन उन्हें मृत अवस्था में एमवाय हॉस्पिटल लेकर पहुँचे थे। वहीं परिजनों ने बताया कि दीपिका का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस का कहना है कि आज ही उनका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

कैलाश विजयवर्गीय के करीबी थे मोनू कल्याणे

फिलहाल पुलिस अभी घर में छानबीन कर रही है, लेकिन अभी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बता दें मोनू कल्याणे को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बेहद करीबी माना जाता था। मोनू विधानसभा इंदौर-3 की राजनीति में अच्छी खासी दखल रखते थे। 23 जून की सुबह मोनू किसी रैली की तैयारी के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान दो हमलावर बाइक से आए और मोनू से बात करने लगे। इसी बीच बाइक पर पीछे बैठे अर्जुन ने मोनू पर गोलियां चला दीं। ऐसी जानकारी भी सामने आई थी कि मोनू के अलावा उसके दोस्तों पर भी गोली चलाई गई थी, लेकिन वे बच निकले थे। इसके बाद घायल मोनू को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 185 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.9 2081 गुरुवार, 26 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

साबरकांठा में ट्रक से टकराई कार, 7 मौतें

अहमदाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के साबरकांठा में हिम्मतनगर हाईवे पर एक इनोवा कार की बुधवार सुबह ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 7 लोगों की मौत हो गई। 1 गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी 8 लोग अहमदाबाद के रहने वाले थे। वे शामलाजी से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान इस कार की ट्रक के पिछले हिस्से से टक्कर हुई। हादसा इतना गंभीर था कि कार का बंपर उड़ गया था और शव कार में फंस गए थे। शवों को निकालने के लिए कार की बॉडी को गैस कटर से काटना पड़ा।

कांग्रेस हरियाणा को बर्बाद कर देगी : पीएम मोदी

❋ कर्नाटक-हिमाचल में ये आपस में लड़ रहे ❋ कश्मीर में आतंक-अलगाववाद को हवा देना चाहते हैं

गोहाना, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में रैली की। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है।

प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले पहले सीएम भूपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। मोदी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य बीजेपी सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं। मोदी बोले कि किसानों के फायदे के लिए विदेश से आयात होने वाले तेल पर टैक्स लगा दिया है।

पीएम की दूसरी रैली जाटलैंड में यह हुड्डा का गढ़

पीएम की यह रैली हरियाणा के जाटलैंड में हुई। जिसे पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ माना जाता है। इस इलाके में हार-जीत का फैसला जाट वोटर करते हैं, इसी वजह से भाजपा ने पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए उनकी रैली रखवाई थी। प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को होने वाली वोटिंग को लेकर यह प्रधानमंत्री की दूसरी रैली थी। इससे पहले वे 14 सितंबर को कुरूक्षेत्र में आ चुके हैं। इसके बाद हिसार और पलवल में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली होनी है।

मुदा मामले में फिर बढ़ी सीएम सिद्धारमैया की मुश्किलें

अब लोकायुक्त के अधिकारी करेंगे घोटाले की जांच

बेंगलूरू, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। पहले सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा और अब बंगलूरू की विशेष अदालत ने भी जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। अदालत ने सीएम के खिलाफ मुदा मामले में कर्नाटक लोकायुक्त के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच करने का आदेश पारित किया है।

'तीन महीने में पेश करनी होगी रिपोर्ट'

बता दें, याचिकाकर्ता कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने एक निजी शिकायत के साथ जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसी पर कोर्ट ने जांच का आदेश दिया। कर्नाटक लोकायुक्त की मैसूर जिला पुलिस मुदा घोटाले की जांच करेगी और तीन महीने में रिपोर्ट पेश करेगी। कृष्णा की ओर से पेश वकील लक्ष्मी आयंगर ने पत्रकारों से कहा, 'फैसले से बहुत खुश हूं। अब हमें लोकायुक्त की जांच शुरू होने का इंतजार करना होगा। उनके एफआईआर दर्ज करने और जांच शुरू होने का इंतजार करना होगा। न्यायालय ने लोकायुक्त को आदेश दिया है, यदि वे अपना कर्तव्य निष्पक्षता से निभाते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि हमें स्थानांतरण की मांग करने की कोई आवश्यकता होगी। लेकिन यदि लोकायुक्त कार्रवाई नहीं करते हैं और यह निष्पक्ष नहीं लगता है, तो हम निश्चित रूप से स्थानांतरण जांच की मांग करते हुए न्यायालय का रुख करेंगे। लेकिन इस समय, नहीं।' याचिकाकर्ता के वकील वसंत कुमार ने कहा, 'आदेश के अनुसार एफआईआर दर्ज करनी होगी। मैसूर लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र में एफआईआर दर्ज की जाएगी और जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए ताकि लोकायुक्त पारदर्शी तरीके से जांच कर सके।' कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'कोर्ट के आदेश की कॉपी अभी तक नहीं मिली है। मैं केरल जा रहा हूं। मुझे शाम को अदालत के आदेश की प्रति मिल जाएगी। मैं लड़ूंगा।

पैरासिटामॉल सहित 53 दवाएं क्वालिटी टेस्ट में फेल

इनमें विटामिन, शुगर और ब्लड प्रेशर के अलावा कुछ एंटीबायोटिक्स भी शामिल

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पैरासिटामॉल सहित 53 दवाएं क्वलिटी टेस्ट में फेल हुई हैं। इनमें विटामिन, शुगर और ब्लड प्रेशर के दवाओं के अलावा एंटीबायोटिक्स भी शामिल हैं। देश की सबसे बड़ी ड्रग रेगुलेटरी बॉडी सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीएसडीएसओ) ने इसकी लिस्ट जारी की है। सीएसडीएसओ की लिस्ट में कैल्सियम और विटामिन डी3 सप्लीमेंट्स, एंटी डायबिटीज की गोलियां और हाई ब्लड प्रेशर के लिए दवाएं शामिल हैं।

बैन की गई दवाओं की लिस्ट में दौरे और एनजाइटी में इस्तेमाल की जाने वाली क्लोनाजेपाम टैबलेट, दर्द निवारक डिक्लोफेनाक, सांस की बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाली एंब्रॉक्सोल, एंटी फंगल फ्लुकोनाजोल और कुछ मल्टीविटामिन और कैल्शियम की गोलियां भी हैं। ये दवाएं हेटेरो ड्रग्स, अल्केम लेबोरेट्रीज, हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड (एचएएल), कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं।

सीएसडीएसओ ने 53 दवाओं की सूची जारी की

पेट के इंफेक्शन के लिए दी जाने वाली दवा मेट्रोनिडाजोल भी इस जांच में फेल हो गई है, जो हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड बनाती है। इसी तरह टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स की शेलकाल टैबलेट्स भी जांच में असफल रही। सीएसडीएसओ ने 53 दवाओं की सूची जारी की है, जो जांच में फेल हो गईं। इनमें से 5 दवाइयां नकली थीं। यानी दवा बनाने वाली कंपनियों ने कहा कि ये उनकी मेडसिन नहीं हैं , बल्कि मार्केट में उनके नाम से नकली दवाइयां बेचीं जा रही हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद-जगन मोहन क्षमायाचना अनुष्ठान करेंगे

❋ लोगों से भी शामिल होने की अपील : बोले-सीएम नायडू ने प्रसादम पर आरोप लगाकर पाप किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति प्रसादम (लड्डू) विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 28 सितंबर को मंदिरों में क्षमायाचना अनुष्ठान करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति प्रसादम को लेकर झूठे दावे करके पाप किया है। जगन मोहन ने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे भी इस क्षमायाचना अनुष्ठान में भाग लें। चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया था कि वायआरएस कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि होने का दावा किया था। इसके बाद आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने 22 सितंबर को प्रायश्चित के लिए 11 दिन का उपवास रखा। पवन ने कहा, 'मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया। मैंने भगवान से क्षमा मांगी, इसके लिए प्रायश्चित करूंगा। तिरुपति प्रसादम (लड्डू) विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में आज सुनवाई होनी थी। वायएसआर कांग्रेस ने कोर्ट से नायडू के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की मांग की है। सोमवार को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। उन्होंने भी कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। हालांकि, जांच के लिए रविवार को विशेष जांच दल का गठन किया गया। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि विशेष जांच दल सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसी के आधार पर कार्रवाई होगी, ताकि ऐसी चीजें दोबारा न हों।

श्री ललिता पीठम में विश्व हिंदू परिषद की बैठक हुई। विहिप ने सुप्रीम कोर्ट से तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोपों पर एक्शन लेने और दोषियों की पहचान के लिए जांच शुरू करने की अपील की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 4 कंपनियों के घी सैंपल मंगवाए। इनमें से एक कंपनी एआर डेयरी फूड्स का घी क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गया। सरकार ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड के लिए सड़क पर उतरेंगे : राहुल

> राज्य का दर्जा छीनकर यूटी बना दिया, भारत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ

जम्मू, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू में कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया तो इंडिया ब्लॉक संसद के अंदर अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा और जरूरत पड़ी तो सड़क पर भी उतरेगा। राहुल यहां एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा गया था, तो यहां के लोगों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमने किसी राज्य का राज्य का दर्जा छीन लिया हो और उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया हो। यह तीन हफ्तों में राहुल गांधी का तीसरा जम्मू-कश्मीर दौरा है। इसके पहले 4 सितंबर को उन्होंने बनिहाल और दूरू का दौरा किया था, वहीं 23 सितंबर को वे सुरनकोट और सेंट्रल-शाल्टेंग आए थे। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। बारामूला में राहुल ने कहा-हम चाहते थे कि चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। जम्मू-कश्मीर के सभी लोग यही चाहते थे कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद चुनाव हों... लेकिन ऐसा नहीं हुआ, पहला कदम चुनाव है।

कृषि कानूनों की वापसी वाले बयान पर कंगना की माफी-शब्द वापस लेती हूं

राहुल बोले-किसानों की शहादत से बीजेपी का मन नहीं भरा

हरियाणा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कृषि कानूनों को लेकर दिए बयान पर बुधवार को माफी मांग ली। कहा, 'यदि मेरे अपने बयान से किसी को निराशा हुई है तो मैं अपने शब्द वापस लेती हूं।' एक्ट्रेस का यह बयान भाजपा के किनारा कर लेने के बाद आया।

सुबह बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने वीडियो जारी कर कहा था कि कंगना को 3 कृषि कानूनों पर बोलने का हक नहीं है। कंगना ने 23 सितंबर को हिमाचल में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था,' किसानों के जो लॉ हैं, जो रोक दिए गए, वे वापस लाने चाहिए। किसानों को खुद इसकी डिमांड करनी चाहिए।'

केजरीवाल का आरएसएस प्रमुख भागवत को लेटर

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को लेटर लिखकर पांच सवाल पूछे हैं। उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिटायरमेंट तक कई मुद्दों पर सवाल पूछे। केजरीवाल ने लिखा कि वे देश के मौजूदा हालात से बहुत चिंतित हैं और भाजपा सरकार की नीतियों को देश के लिए हानिकारक मानते हैं। अगर यह स्थिति जारी रही तो देश के लोकतंत्र को खतरा हो सकता है। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने ये लेटर आम नागरिक की हैसियत से लिखा है, न कि एक राजनीतिक पार्टी के नेता के तौर पर। दूसरी पार्टियों के नेताओं को तोड़ने पर : देशभर में नेताओं को लालच या फिर ईडी-सीबीआई की धमकी देकर दूसरी पार्टियों से तोड़ा जा रहा है और सरकारें गिराई जा रही हैं।

'दुनिया के 90 देशों को सैन्य उत्पाद निर्यात कर रहे हम'

❋ मेक इन इंडिया की सफलता पर बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1.27 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। अब भारत 90 से अधिक मित्र देशों को हथियारों और सैन्य उपकरणों का निर्यात कर रहा है। भारतीय सशस्त्र बल अब भारत में बने हथियारों का उपयोग कर रहे हैं और देश वैश्विक रक्षा औद्योगिक परिदृश्य में तेजी से उभर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एनडीए सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की 10वीं वर्षगांठ पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा एक पोस्ट में ये बात लिखी।

'दुनिया के रक्षा औद्योगिक परिदृश्य में उभर रहा भारत'

राजनाथ सिंह ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'चतुर नेतृत्व' के तहत सरकार ने देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के नजरिए से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा, 'तब से दस साल बाद, रक्षा क्षेत्र सहित हर क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं। भारत दुनिया के रक्षा औद्योगिक परिदृश्य में उभर रहा है।' राजनाथ सिंह ने बताया पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने और विशेष रूप से चीन के साथ सीमा पर सैन्य तैयारियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत का रक्षा निर्यात 2023-24 में पहली बार 21,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया और रक्षा मंत्रालय ने अगले पांच वर्षों में इसे बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। भारत वैश्विक स्तर पर हथियारों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। अनुमान के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 2029 तक पूंजीगत खरीद में लगभग 130 अरब अमरीकी डॉलर खर्च करने का अनुमान है। सरकार आयातित हथियारों पर निर्भरता कम करना चाहती है और इसी वजह से उसने घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने का फैसला किया है।

वक्फ बिल पर 1.25 करोड़ फीडबैक

❋ भाजपा बोली-चौंकाने वाले आंकड़े, ये आईएसआई-चीन की साजिश

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति को करीब 1.25 करोड़ फीडबैक मिलने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चिंता जताई है। भाजपा सांसद ने इन फीडबैक के स्रोत की जांच की मांग की है और आशंका जताई है कि इनके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और चीन की भूमिका हो सकती है। भाजपा सांसद ने वक्फ बिल की जांच कर रही समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को इसे लेकर पत्र लिखा है।

भाजपा सांसद ने इस पत्र में फीडबैक के स्रोतों की जांच में कट्टरपंथी संगठनों, जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों और आईएसआई और चीन जैसी विदेशी ताकतों के साथ-साथ उनके प्रॉक्सी की संभावित भूमिका की भी जांच की मांग की है। निशिकांत दुबे भी संसदीय समिति के सदस्य हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि ये फीडबैक किन जगहों से दाखिल किए गए इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि अकेले भारत से इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक मिलना लगभग असंभव है।

इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक मिलना अभूतपूर्व

चार बार के सांसद निशिकांत दुबे ने इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक मिलने को अभूतपूर्व बताया और दावा किया कि इससे एक वैश्विक रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि यह एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति का संकेत देता है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि वक्फ संशोधन विधेयक का मुस्लिम समूहों द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। उनका कहना है कि वक्फ संशोधन विधेयक के जरिए उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप की कोशिश की जा रही है। विपक्षी पार्टियों ने भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार ने वक्फ विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का फैसला किया था। संयुक्त संसदीय समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक पर आम सहमति बनाने के लिए लोगों के फीडबैक मांगे थे और इसके लिए विज्ञापन जारी किया था। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने हाल ही में कहा था कि किसी ने कभी नहीं सोचा था कि पैनल को करोड़ों की संख्या में सिफारिशें मिलेंगी। उन्होंने कहा था कि अगर 1,000 फीडबैक भी मिलते तो इसे एक बड़ी संख्या माना जाता था।

जम्मू-कश्मीर में दूसरे फेज की वोटिंग में 56.79 मतदान

श्रीनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इसमें 25.78 लाख मतदाताओं ने शाम 6 बजे तक वोट डाला। 6 बजे के पहले पोलिंग बूथ आए लोग अभी भी वोट डाल सकेंगे। दोपहर 3 बजे तक 46.122 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा रियासी में 63.91% वोटिंग हुई, जबकि श्रीनगर में सबसे कम 22.62% वोट पड़े।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा-जहां कभी वोटिंग के बहिष्कार का ऐलान होता था, आज वहां रिकॉर्ड मतदान हो रहा है। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है।

'मंदिरों का पैसा हिंदू समाज के लिए हो खर्च'

तिरुपति लड्डू विवाद से विहिप को मिली ऑक्सीजन

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) लंबे समय से यह मांग करती रही है कि हिंदुओं के मंदिरों पर से सरकार का नियंत्रण समाप्त होना चाहिए। अदालतों ने भी कई अवसरों पर कहा है कि मंदिरों का संचालन सरकार का कार्य नहीं है। इसके बाद भी सरकारों ने अब तक मंदिरों पर से अपना नियंत्रण नहीं छोड़ा है। तिरुपति मन्दिर के लड्डू प्रसाद में कथित पशु की चर्बी और मछली का तेल पाए जाने के विवाद के बाद विहिप ने यह मांग और तेज कर दी है कि मंदिरों का संचालन उसी समाज को सौंप दिया जाना चाहिए जो उस मंदिर के लिए आस्थावान हो।

विहिप की यह भी मांग है कि मंदिरों की कमाई हिंदू समुदाय की भलाई के लिए ही उपयोग की जानी चाहिए। विहिप और कई अन्य हिंदू संगठनों का आरोप है कि मंदिरों की आय सरकारें दूसरे धर्मों के लिए उपयोग कर रही हैं। इसके लिए विहिप राष्ट्रीय स्तर पर 'हिंदुओं की आस्था का धन हिन्दू समाज के लिए' अभियान चलाएगा। विहिप के अंतरराष्ट्रीय सहमहासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन ने अमर उजाला से बातचीत में आरोप लगाया कि राजस्थान की पूर्ववर्ती सरकार ने एक मंदिर की कमाई मुस्लिम समुदाय से जुड़े संगठन को दिया था। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन इसके बाद भी राज्य सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया और हिन्दू मंदिरों से मिली आय को दूसरे धर्मों को आर्थिक सहायता देना जारी रखा। विहिप का कहना है कि मंदिरों में केवल पूजा-पाठ और विवाह जैसे सामाजिक-धार्मिक कार्य ही नहीं होते। मन्दिरों की कमाई का उपयोग स्कूल चलाने, संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार करने, गरीब बेटियों का विवाह कराने, गरीब युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देने जैसे कार्यों के लिए किया जा सकता है। डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि तिरुपति मन्दिर विवाद ने यह बता दिया है कि सरकार मन्दिरों के संचालन में प्रभावी नहीं है, जबकि ठीक इसी समय अयोध्या के राममंदिर और दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर सहित सैकड़ों ऐसे बड़े मन्दिर हैं जिनका संचालन उसी समुदाय के द्वारा किया जा रहा है। इन मंदिरों का संचालन, स्वच्छता और सुरक्षा सरकार नियंत्रित मन्दिरों से बहुत अधिक बेहतर है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि ऐसी व्यवस्था बने जिसमें किसी राज्य के सभी मंदिरों का संचालन उसी राज्य की बनी एक शीर्ष कमेटी के द्वारा किया जाए। सरकार का इस पर नियंत्रण न हो। लेकिन सुरक्षा सुनिश्चित कराने में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी रहे। हालांकि, इसके बाद भी सरकारी अधिकारियों को कमेटी की बैठकों में किसी मुद्दे पर वोटिंग का अधिकार न हो। जैन के अनुसार, अयोध्या के राममंदिर का संचालन इस समय इसी तरीके से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में खानपान से जुड़ी दुकानों पर दुकानदार और मैनेजर का नाम लिखना अनिवार्य कर दिया है? जबकि इसके पूर्व कांवड़ यात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ सरकार का इसी तरह का एक प्रयास अदालत के निर्देश के बाद समाप्त कर दिया गया था।

मुरादाबाद में आईएएस पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश

मुरादाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में रेत माफिया ने एक आईएएस और उनकी टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। इतना ही नहीं टीम पर गन्ने तोड़कर भी हमला किया। मामले में रेत माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने रेत माफिया और उसके गुर्गों की गिरफ्तारी के लिए 10 टीमों का गठन किया है। एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में पुलिस की टीमें रेत माफिया की तलाश में जुटी हैं। घटना मुरादाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र में ढेला नदी के किनारे की है। यहां अवैध खनन की सूचना पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट राम मोहन मीना ने तहसीलदार और पुलिस टीम के साथ छापा मारा था। छापे के दौरान ढेला नदी में एक हेड्रा मशीन की मदद से रेत का खनन हो रहा था। जबकि 2 ट्रैक्टरों की मदद से इस रेत को ढोया जा रहा था। एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि टीम ने छापा मारा तो रेत का खनन कर रहे लोगों ने टीम पर हमला कर दिया। रेत माफिया ने छापा मारने वाली ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। पास में स्थित गन्ने के खेत से गन्ने तोड़कर टीम पर हमला करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंचे अतिरिक्त फोर्स ने रेत माफिया को दौड़ा लिया। इसके बाद मौके से 2 ट्रैक्टर ट्राली और एक हेड्रा मशीन को जब्त कर लिया गया है।

'ऐसा लग रहा कलयुग आ गया'

जब बुजुर्ग दंपति की याचिका पर जज साहब भी खुद को रोक नहीं सके

प्रयागराज, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट में बुजुर्ग दंपति के बीच गुजारा भत्ता का विवाद पहुंचा है। इस विवाद की सुनवाई के दौरान जज भी खुद को यह कहने से रोक नहीं सके कि ऐसा लगता है कि कलयुग आ गया है। दरअसल बुजुर्ग दंपति जिनकी आयु 75-80 वर्ष के बीच है, ऐसे में उम्र के इस पड़ाव में गुजारा भत्ता का विवाद लेकर जिस तरह से यह दंपति कोर्ट पहुंचा है, वह अपने आप में पीड़ादायक है।
मुनेश कुमार गुप्ता जोकि अलीगढ़ के रहने वाले हैं, उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मुनेश कुमार की पत्नी के पक्ष में फैसला सुनाया। जस्टिस सौरभ श्याम ने कहा कि यह कानूनी मसला चिंताजनक है, उन्होंने दंपति को फैसला सुनाते हुए सलाह भी दी। मुनेश कुमार गुप्ता की पत्नी ने उनसे गुजारा-भत्ता मांगा है, जिसपर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन कोर्ट के आदेश को मुनीश गुप्ता ने चुनौती दी और पत्नी को एक नोटिस भेजा। जिसपर हाई कोर्ट ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अगली सुनवाई में दोनों के बीच समझौता हो जाएगा। गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने प्रतिवादी पत्नी को नोटिस जारी किया, न्यायालय ने उम्मीद जताई कि अगली सुनवाई की तारीख तक दोनों पक्ष समझौता कर लेंगे। बता दें कि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत कानूनी प्रावधान, उन पति-पत्नी के लिए वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करता है, जिनके पास खुद का भरण-पोषण करने के साधन नहीं हो सकते है। यह विवाद उच्च न्यायालय में पहुंचा, जहां अदालत ने मुनेश गुप्ता को निर्देश दिया कि वह अपनी पत्नी को भरण-पोषण के लिए 3,000 रुपये प्रति माह दें। लगभग 15,000 रुपये की मासिक पेंशन के बावजूद मुनेश कुमार गुप्ता अपनी पत्नी को गुजारा-भत्ता नहीं देना चाहते हैं। मुनेश अपने बड़े बेटे के साथ किराए के घर में रहते हैं, जबकि पत्नी अपने छोटे बेटे के साथ अपने घर में रहती हैं। यह घर मुनेश गुप्ता की पत्नी के नाम पर है।

विंग-कमांडर के पिता ने ट्रेन के आगे लेटकर दी जान

कानपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के रतनलाल नगर में रहने वाले विंग कमांडर के पिता ने ट्रेन के आगे लेटकर सुसाइड कर लिया। जेब में मिली पर्ची से उनके परिवार के लोगों को पोस्टमॉर्टम हाउस में बुलाया गया। परिजनों ने उनकी शिनाख्त की। इसके बाद गोविंद नगर पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। 80 साल की उम्र के इस पड़ाव में सुसाइड क्यों किया? इस बात को लेकर परिवार के लोगों से पूछताछ और जांच की जा रही है।

मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, अर्धनिर्मित हथियार के साथ कई तस्कर गिरफ्तार

भागलपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में भागलपुर जिले के अमडंडा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शाम को एक मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन कर भारी मात्रा में अर्द्धनिर्मित आग्नेयास्त्र बरामद किया है। 15 अर्द्ध निर्मित पिस्टल सहित अन्य सामान बरामद वरीय पुलिस अधीक्षक आनन्द कुमार ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना पर कोलकाता एवं पटना की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) और जिला पुलिस ने संयुक्त रुप से शाम को चांदपुर गांव स्थित शिवनंदन मंडल के घर पर छापेमारी कर अवैध मिनीगन फैक्ट्री को जब्त किया। इस दौरान 15 अर्द्ध निर्मित पिस्टल, 11 बैरल और भारी मात्रा में आग्नेयास्त्र बनाने का औजार बरामद किया गया है।
मौके पर से गृहस्वामी सहित मुंगेर और खगड़िया जिले के पांच हथियार तस्कर गिरफतार किए गए हैं। पकड़े गए दो तस्कर रंजीत यादव और राजेश मंडल के विरुद्ध मुंगेर जिले के अलग-अलग थानों में अपराधिक मामला दर्ज है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कोलकाता एवं पटना की एसटीएफ टीम सभी तस्करों से कड़ी पूछताछ कर रही है और इसके गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने में जुट गई है। पुलिस टेरर व नक्सली कनेक्शन की पता लगा रही हैं।

बहुचर्चितत आईपीएस अंशिका वर्मा का बरेली ट्रांसफर

बरेली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहने वालीं आईपीएस अफसर अंशिका वर्मा का अब बरेली ट्रांसफर हो गया है। 18 दिसंबर 2023 से गोरखपुर में बतौर एएसपी नियुक्त अंशिका वर्मा को अब बरेली (साऊथ) के एसपी के रूप में नई जिम्मेदारी मिली है। आपको बता दें कि सरकार की ओर से हालिया अंशिका वर्मा को प्रमोशन दिया गया है। इसके बाद ही उन्हें बरेली जिले का एसपी (साउथ) बनाया गया है। जानिए कौन हैं अंशिका वर्मा?

कौन हैं आईपीएस अंशिका वर्मा?

उत्तर प्रदेश पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अफसर हैं। 1996 में जन्मी अंशिका वर्मा मूल रूप से यूपी के प्रयागराज जिले की रहने वाली हैं।
बता दें कि अंशिका वर्मा ने नोएडा के एक कॉलेज से 2018 में बीटेक की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने बीटेक की डिग्री हासिल करने के बाद यूपीएससी की तैयारी शुरू की। बिना किसी कोचिंग में प्रवेश लिए अंशिका ने

सेल्फ स्टडी का रास्ता चुना और कड़ी मेहनत की। मगर पहले प्रयास में उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद अंशिका ने हार नहीं मानी और वह अपनी तैयारी में जुटी रहीं।

फिर मिली अंशिका वर्मा को सफलता

बिना कोचिंग लिए अंशिका वर्मा अपनी तैयारी में जुटी रहीं। उनकी कड़ी मेहनत का उन्हें 2021 में तब इनाम मिला जब वह 136वीं रैंक के साथ आईपीएस बनीं। डर ट्रेनी आईपीएस अंशिका वर्मा को सबसे पहले आगरा के फतेहपुर सीकरी थाने में एसएचओ के रूप में जिम्मेदारी मिली। फिर उन्होंने गोरखपुर में एएसपी पद का कार्यभार संभाला।

अतीक-अशरफ मर्डर केस में जिरह के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए पुलिस इंस्पेक्टर, अब 8 अक्टूबर को होगी सुनवाई

प्रयागराज, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले साल मौत के घाट उतारे गए माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या से जुड़े मामले में मंगलवार को प्रयागराज की जिला कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। जिला अदालत में जज विष्णु चंद्र मिश्रा की फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमे के ट्रायल की सुनवाई होनी थी। सुनवाई में मुकदमे के पहले गवाह धूमनगंज थाने के तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्य का बचा हुआ बयान दर्ज होना था। इंस्पेक्टर राजेश मौर्य आज कोर्ट में पेश नहीं हो सके। जानकारी के मुताबिक सरकारी काम में व्यस्त होने की वजह से वह कोर्ट में पेश नहीं हुए। उनके पेश नहीं होने की वजह से मामले की सुनवाई टल गई है। इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्य इन दिनों प्रयागराज के ही करेली थाने के प्रभारी हैं। जिला अदालत में इस मामले में अब 8 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी।

2025 की तैयारी में जुटे उपेंद्र कुशवाहा

आज से शुरू हो रहा 'मिशन', एनडीए में बढ़ेगी टेंशन?

पटना, 25 सितंबर (एजेंसियां)।
उपेंद्र कुशवाहा ने विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को अपने बिहार यात्रा की शुरुआत की। पहले फेज की उनकी पूरी यात्रा शाहबाद के इलाके में है। पटना से निकलकर वो अरवल जिले के कुर्था पहुंचें। यहां कुशवाहा समाज के बड़े लीडर रहे जगदेव प्रसाद के शहादत स्थल पर माल्यार्पण किया और यहीं से अपनी 5 दिवसीय यात्रा की शुरुआत किए। इस दौरान वो 5 जिलों में घूमेंगे। उपेंद्र कुशवाहा अपनी बिहार यात्रा से शाहाबाद से साफ हो चुकी एनडीए को दोबारा से मुकाबले में वापस लाने की कोशिश करेंगे। शाहाबाद में भोजपुर, रोहतास, कैमूर, बक्सर जिले आते हैं। यहां 22 विधानसभा की सीटें हैं। यही वो इलाका है, जहां लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के दो कुशवाहा कैंडिडेट जीतने में सफल रहे। इसके कारण कुशवाहा को आगे कर बीजेपी अपनी पकड़ फिर से मजबूत करना चाहती है।

26 सितंबर	27-28 सितंबर	29 सितंबर
औरंगाबाद और रोहतास जाएंगे उपेन्द्र कुशवाहा।	रोहतास और भोजपुर में रहेंगे उपेन्द्र कुशवाहा।	सारण में कुशवाहा के बिहार यात्रा का फर्स्ट फेज समाप्त होगा।

शाहाबाद में कुशवाहा का लिटमस टेस्ट

अब उपेंद्र कुशवाहा के सामने सबसे बड़ी चुनौती शाहाबाद को साधना है। 2020 विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में शाहाबाद से एनडीए का लगभग सफाया हो गया है। लोकसभा चुनाव में काराकाट से खुद उपेंद्र कुशवाहा हार गए थे। औरंगाबाद से सुशील सिंह और आरा से आरके सिंह जैसे दिग्गज को भी हार का मुंह देखना पड़ा था। स्थिति ऐसी थी कि बक्सर जैसी सुरक्षित सीट भी बीजेपी नहीं बचा पाई।

शाहाबाद में सफल रहा था लालू-कुशवाहा कार्ड

पॉलिटिकल एक्सपर्ट की माने तो शाहबाद से भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण कुशवाहा का एनडीए के खेमे से निकलकर महागठबंधन के खेमे में आना बताया जा रहा है। यही वो इलाका है जहां लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के दो कुशवाहा कैंडिडेट जीतने में सफल रहे। औरंगाबाद से अभय कुशवाहा और काराकाट से राजाराम सिंह जीत कर संसद पहुंचे हैं। अब लालू इसे किसी भी कीमत में खोना नहीं चाहते हैं। यही कारण है कि तेजस्वी यादव तो यादव-कुशवाहा भाई-भाई का नारा भी देने लगे हैं।

लोकसभा से भी पहले यात्रा पर निकले थे कुशवाहा

उपेंद्र कुशवाहा लोकसभा चुनाव के दौरान विरासत बचाओ यात्रा निकाले थे। इस दौरान उन्होंने लगभग 16 दिनों में 17 से ज्यादा जिलों की यात्रा की थी। इस यात्रा का फायदा उन्हें एनडीए गठबंधन के रूप में मिला था। हालांकि, चुनावी नतीजों में इस यात्रा का ज्यादा असर नहीं दिखा था। वो अपने हिस्से की काराकाट सीट भी बचाने में कामयाब नहीं रहे थे। हालांकि, वो अपने नए संगठन को खड़ा करने में कामयाब रहे थे। इस बार भी यात्रा के दौरान संगठन से सदस्यों को जोड़ना उनका लक्ष्य है।

काशी विद्यापीठ में दीक्षांत समारोह में बिजली गुल राज्यपाल का माइक भी खराब

वाराणसी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 46वें दीक्षांत समारोह की शुरुआत हो गई है। पूरा शिष्ट मंडल चलकदमी करते हुए मंच पर पहुंचा। उसी समय दो बार बिजली कट गई और राज्यपाल ने जो माइक दिया गया वो भी खराब था। लिहाजा, राज्यपाल को बिना माइक के ही दीक्षांत कार्यक्रम के शुरुआत की घोषणा करनी पड़ी। वहीं, दुखी मन से कुलपति माइक लौटाते नजर आए। कुलपति प्रो। आनंद त्यागी ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि बड़ी संख्या में छात्र और छात्राओं को रोजगार दिया गया है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ नियमित समझौता किया जा रहा है।
इसके साथ ही इस साल हमारे छात्रों ने खेलों में 100 से ज्यादा पदक जीते हैं। इस दौरान 97,252 डिग्रियां अपलोड हुईं। सभी 18 छात्र और छात्राओं को गोल्ड मेडल मिले। प्रवेश से लेकर परीक्षा से कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। ऑनलाइन क्लास और वेबिनार में भी आगे रहे हैं। नैक 2 के अंतिम चरण की तैयारी पूरी है। कैंपस को स्वच्छ करने का काम किया जा रहा है। इस बार इस मूल्यांकन में विश्विद्यालय को टॉप ग्रेड मिलने वाला है।

कंगना रनौत के बयान पर राकेश टिकैत का पलटवार ,जानें क्या कहा?

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के नेता और प्रवक्ता राकेश टिकैत ने हिमाचल प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत के किसान कानून वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने बीजेपी सांसद के बयान की निंदा की है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कंगना के निजी विचार बहुत हैं। टिकैत ने कहा कि कंगना में बचपना बहुत है और उनके बयान से भारतीय जनता पार्टी को नुकसान होगा।
उधर कंगना ने कहा कि उनका बयान निजी है। मेरा बयान पार्टी का रुख नहीं है। कंगना ने कथित तौर पर कहा था कि जो कृषि कानून निरस्त किए गए हैं उन्हें वापस लाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह विवादास्पद हो सकता है। किसानों के हित में कानून वापस लाए जाएं। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए, ताकि उनकी समृद्धि में कोई रुकावट नहीं रहे। इस मामले पर राजनीतिक विश्लेषक प्रोफेसर सौरभ मालवीय ने कहा कि यह कंगना का निजी बयान है। जैसी की उन्होंने कहा है। आप उस परिस्थिति की कल्पना करिए जब बहुमत में होने के बाद भी उस बिल को सरकार लागू कर सकती थी लेकिन सरकार ने बड़े मन से बिल को वापस लिया।

रोहतास में अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, एक की मौत

रोहतास, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास में बुधवार को एक अनियंत्रित स्विफ्ट डिजायर कार ने पेड़ में टक्कर मार दी, जिससे कार में सवाल एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। घायलों को तुरंत दिनारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक ये सड़क हादसा दिनारा थाना क्षेत्र के धनसुअई गांव के समीप हुआ है। डॉक्टरों ने बताया कि घायलों में से एक व्यक्ति की स्थिति नाजुक बनी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आईएएस ने किसे बना दिया दो घंटे के लिए डीएम?

कुर्सी संभालने के बाद क्या किया काम?

देवरिया, 25 सितंबर (एजेंसियां)। यह मामला है उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का। यहां की डीएम हैं दिव्या मित्तल यूं तो दिव्या मित्तल कई मामलों में चर्चा में रही हैं। वह अलग अलग जिलों की जिलाधिकारी रहीं, उस समय भी उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब से उनका तबादला देवरिया हुआ है, तब से वह यहां भी काफी सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक अधिकारी से कह रही हैं कि 'अरे यार धूप ही तो है, पिघल थोड़ी न जाएंगे।' इस बयान को लेकर चर्चा में रहने के बाद अब दिव्या मित्तल ने एक अनोखा काम किया है। उन्होंने एक छात्रा को दो घंटे के लिए जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठा दिया।

कौन है डीएम बनने वाली छात्रा

डीएम की कुर्सी पर बैठने वाली छात्रा का नाम खुशी मणि त्रिपाठी है। वह पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज में 12वीं में पढ़ती हैं। वह शहर के रामनाथ देवरिया के शिवपुरम कॉलोनी की रहने वाली हैं। खुशी ने हाईस्कूल में 92 फीसदी मार्क्स पाए थे। अधिकारियों का कहना है कि खुशी का चयन कई अन्य छात्राओं के इंटरव्यू के बाद किया गया था।
खुशी जब दो घंटे के लिए जिलाधिकारी बनीं, तो उन्होंने जनता की फरियाद भी सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिए। खुशी ने बाद में कहा कि उन्हें जिलाधिकारी बनकर काफी अच्छा लगा और वह आगे भी अधिकारी बनकर देश की सेवा करेंगी।

मिथिला यूनिवर्सिटी पर 20 करोड़ रुपये गबन का आरोप, भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची विजिलेंस की टीम

दरभंगा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में प्रश्न पत्र की छपाई और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में करोड़ों की राशि गबन को लेकर दर्ज प्राथमिकी के मामले की जांच निगरानी की टीम डीएसपी सह निगरानी केस के अनुसंधानकर्ता चंद्रभूषण के नेतृत्व में कर रही है। बताया जा रहा है कि 20 करोड़ से अधिक को सरकारी गबन की प्राथमिकी तत्कालीन कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्तीय सलाहकार, वित्त पदाधिकारी सहित कई अन्य अधिकारियों के खिलाफ गबन की प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अखिलेश वाला काम कर रहे जयंत, भाजपा-राजद में आखिर ये कैसा गठबंधन?

लखनऊ, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश में अपराधियों के एनकाउंटर पर सवाल उठाया है। जयंत चौधरी ने कहा है कि एनकाउंटर की जरूरत नहीं है। अपराधियों में पुलिस का खौफ होना चाहिए। इससे पहले इस मुद्दे पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव सीएम योगी आदित्यनाथ को घेरते नजर आए हैं। अखिलेश का कहना है कि जाति देखकर एनकाउंटर किया

जाता है। अखिलेश ने ये बयान मंगेश यादव के एनकाउंटर के बाद दिया था। इसके बाद अखिलेश और सीएम योगी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई थी। जिस मुद्दे पर अखिलेश योगी को घेरते रहे उसी पर अब जयंत ने बयान देकर आखिर क्या मैसेज देने की कोशिश की है। जयंत चौधरी ने कहा, मैं चाहता हूं कि यूपी पुलिस इतनी मजबूत हो जाए कि उसे गोली चलाने की जरूरत न पड़े। वर्दी का खौफ इतना होना चाहिए कि अपराधियों पर लगाम कसी जा सके, ताकि एनकाउंटर की जरूरत ही न पड़े। जयंत ने आगे कहा कि मुठभेड़ में एक प्रक्रिया शामिल होती है और जांच की जाती है। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक नेताओं को इस पर बोलने से पहले सोचना चाहिए।

नेमप्लेट वाले फैसले पर भी उठा चुके हैं सवाल

जयंत इससे पहले योगी सरकार के नेमप्लेट वाले फैसले पर भी सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कांवड़ यात्री जाति और धर्म देखकर दुकान पर सेवा नहीं लेते। मुझे लगता है फैसले सोच समझकर नहीं लिया गया है। जयंत चौधरी ने कहा कि कहां-कहां लगाओगे नाम, क्या अब कुर्ते पर भी लिखवाना शुरू कर दें कि किससे हाथ मिलाना है और किसे गले लगाना है। सावन में योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के मार्गों पर दुकानों के सामने ने नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया था। सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। अदालत ने योगी सरकार से जवाब मांगा था।

चुनाव से पहले एनडीए में शामिल हुए जयंत

लोकसभा चुनाव-2024 से पहले जयंत एनडीए में शामिल हुए थे। उनकी पार्टी योगी सरकार का हिस्सा है। वहीं, जयंत खुद केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री हैं। लोकसभा चुनाव में जयंत की पार्टी ने यूपी की दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। बागपत और बिजनौर सीट पर उसने लड़ा था और जीत हासिल की थी। उसके बाद मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में जयंत चौधरी को कैबिनेट में शामिल किया गया। विधानसभा में आरएलडी के 9 विधायक हैं। इसके अलावा विधान परिषद में उसका एक सदस्य है। पार्टी के नेता अनिल कुमार योगी सरकार में मंत्री हैं।

बहराइच में बड़ा ऐक्शन, 23 अवैध मकानों पर चला बुलडोजर, जमींदोज हुए घर

बहराइच, 25 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच जिले में आज बड़ा ऐक्शन हुआ है। बहराइच के कैसरगंज तहसील क्षेत्र के फखरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत सराय जगना में सरकारी भूमि पर बने 23 अवैध मकान पर आज बुलडोजर चला है। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में पुलिसव पीएससी के साथ एसडीएम व अन्य तहसीलों के अधिकारी मुस्तैद रहे। हालांकि ग्रामीणों की ओर से कोई विरोध नहीं किया गया। तहसील प्रशासन यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर किया जा रहा है। इसके लिए गांव में पहले ही मुनादी करा दी गई है। कैसरगंज तहसील के फखरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सराय जगना में गाटा संख्या 92, 211 और 212 की जमीन खलिहान और रास्ते के लिए अंकित है। लेकिन इसी जमीन पर गांव के लोगों ने कब्जा जमाया है। किसी ने पक्का तो किसी ने फूस की झोपड़ी रख ली है।
129 से अधिक लोग अपना निवास स्थान बनाकर रह रहे हैं। इनमें बड़े से लेकर बच्चे भी शामिल हैं। तहसील प्रशासन यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर करने जा रहा है। इसके लिए गांव में पहले ही मुनादी करा दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि सभी 50 वर्षों से मकान बनाकर रह रहे हैं। लेकिन अब इस जमीन को राजस्वकर्मियों ने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। नोटिस वर्ष 2023 में ही मिल चुका था। इसके बाद भी जमीन पर कब्जा नहीं हटाया

गया। कोर्ट ने जमीन से कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। प्रशासन का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद ये कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय और प्रभावित लोगों का कहना है कि प्रशासन और सरकार द्वारा 23 नहीं बल्कि 119 घरों पर बुलडोजर चलवाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि यहां पूरी बस्ती आबाद है।यहां तक कि यहां कई प्रधानमंत्री आवास भी बने हुए हैं।

यूपी में एक और एनकाउंटर, कुशीनगर में मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली, जाली नोटों का करता था धंधा

कुशीनगर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पुलिस से नकली नोटों का कारोबार करने वाले गिरोह के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी घायल हो गया। घायल आरोपी का नाम मुस्तकीम है। जानकारी के मुताबिक आरोपी मुस्तकीम के सिर पर 25 हजार का इनाम था। पुलिस ने आरोपी के पास से हथियार भी बरामद किया है। वहीं पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है। कुशीनगर के बिनटोलिया गांव में पुलिस की दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। वहीं पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। पुलिस की गोलीबारी की घटना में एक आरोपी बदमाश घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने आरोपी के पास से 30 हजार रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ से पहले 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये लोग एक गिरोह के रूप में काम कर रहे थे। यह गिरोह जाली नोटों को असली नोटों के साथ मिलाकर बाजार में खपत करता था। इस गिरोह का सरगना समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव रफी खान उर्फ बबलू है। पुलिस के मुताबिक जिन 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया था उनमें दो समाजवादी पार्टी के हैं।

सुविचार: जो अपने कर्मों को ईश्वर का कर्म समझकर करता है, वही ईश्वर का अवतार है।

दशहरा तक इंदिराम्मा समितियों का गठन करें : रेवंत रेड्डी

पीएमएवाई के तहत अधिकतम संख्या में घर प्राप्त करें

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को इस दशहरा उत्सव तक इंदिराम्मा समितियों का गठन करने का आदेश दिया। अधिकारियों को एक या दो दिन के भीतर गांव/वार्ड, मंडल/शहर, निर्वाचन क्षेत्र और जिला स्तरीय समितियों के गठन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इंदिराम्मा के घर सभी को दिए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज (बुधवार) राज्य सचिवालय में इंदिराम्मा घरों के निर्माण पर समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना राज्य प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों की मंजूरी पाने में पिछड़ रहा है, जबकि अन्य राज्य केंद्र से लाखों घर प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस वर्ष बड़ी संख्या में घरों की मंजूरी प्राप्त करने के लिए सभी कदम उठाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र से सभी लंबित बकाया राशि मांगने का निर्देश दिया।

अधिकारियों को केंद्र को सभी जानकारी तुरंत उपलब्ध कराने तथा इंदिराम्मा घरों के बारे में समय-समय पर डेटा अपडेट करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि यदि बड़ी संख्या में घरों का निर्माण शुरू होने के बाद आवास शाखा को जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ता है, तो आउटसोर्सिंग पर इंजीनियरों की नियुक्ति की जाए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राजीव स्वगृह योजना के तहत बिना बिके अपार्टमेंट और घरों की नीलामी करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि घरों की बिक्री वर्षों तक लंबित रहना ठीक नहीं है, इसलिए नीलामी की तैयारी तुरंत की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मंजूरी के बाद भी डबल बेड रूम वाले घरों को लाभार्थियों को सौंपने में देरी के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हैदराबाद में बेकार पड़े निर्मित ब्लॉकों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने तथा उन्हें लाभार्थियों को सौंपने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य के आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, मुख्यमंत्री के सचिव चंद्रशेखर रेड्डी, आवास विभाग के सचिव ज्योति बुद्ध प्रकाश उपस्थित हैं, तेलंगाना आवास विकास निगम के एमडी वी.पी गौतम और अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

हैदराबाद के दो प्रोफेसरों को विश्व के शीर्ष 27 वैज्ञानिकों में मिला स्थान

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जेएनटीयू, हैदराबाद के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान गोकाराजू रंगाराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीआरआईईटी) के दो संकाय सदस्यों को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए और प्रकाशन व्यवसाय एल्सेवियर द्वारा दुनिया भर के शीर्ष 27 वैज्ञानिकों में नामित किया गया है।

प्रतिष्ठित सूची, जिसे दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है: करियर-लंबे शोध और 2023 में शोध, में डॉ. स्वदेश कुमार सिंह, प्रोफेसर और डीन (शोध और विकास), और डॉ. राम सुब्बैया, जीआरआईईटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर शामिल हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जब इन प्रोफेसरों को उनके असाधारण शोध योगदान के लिए मान्यता दी गई है।

मुसी नदी तल पर 1600 निजी निर्माणों की पहचान की गई : दाना किशोर

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक दाना किशोर ने बताया है कि नदी के सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत सर्वेक्षण के माध्यम से मुसी नदी तल के भीतर स्थित लगभग 1,600 निजी निर्माणों की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि इन संरचनाओं को हटाने के लिए मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा एक विस्तृत कार्य योजना विकसित की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप, पुनर्वास कार्यक्रम के तहत प्रत्येक विस्थापित परिवार को डबल बेडरूम आवास प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार ने मुसी नदी तल और उसके बफर जोन में रहने वाले परिवारों के पुनर्वास के लिए लगभग 15,000 डबल बेडरूम घर आवंटित किए हैं। इसके अलावा, दाना किशोर ने जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किए, जिसमें उनसे नदी के किनारे निर्माण से प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास योजना के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने को कहा गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन निर्माणों को हटाने का काम तभी शुरू होगा, जब विस्थापित परिवारों को आवंटित डबल बेडरूम वाले घरों में बसाया जाएगा। इसके अलावा, भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास अधिनियम के अनुसार बफर जोन में भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास के संबंध में सरकार को प्रस्ताव भेजे गए हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तभी शुरू होगी, जब सरकार की मंजूरी मिल जाएगी और प्रभावित व्यक्तियों को कानूनी दिशा-निर्देशों के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। दाना किशोर ने मूसी नदी के आसपास के विस्थापित निवासियों से भी अनावश्यक चिंता न करने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी पात्र व्यक्तियों का उचित तरीके से पुनर्वास किया जाएगा और इस प्रक्रिया से कोई भी बाहर नहीं रहेगा।

कांग्रेस ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मंत्रियों के संवाद सत्र का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक प्रशासन को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत, बुधवार को गांधी भवन में मंत्रियों के साथ संवाद सत्र का भव्य उद्घाटन किया गया। सुबह 11 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक लगातार साढ़े चार घंटे तक चले इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं और सरकार को आवेदन देने आए लोगों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली। पहले दिन, स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवा मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और व्यक्तिगत रूप से लोगों से आवेदन प्राप्त किए। छात्र, बेरोजगार व्यक्ति, महिलाएं, चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले लोग और डबल बेडरूम वाले घर और राशन कार्ड चाहने वाले अन्य लोग उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने कई तरह के मुद्दों को संबोधित करते हुए आवेदन प्रस्तुत किए। महिलाओं, विकलांग लोगों, गर्भवती महिलाओं, माताओं और बुजुर्गों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने जनता द्वारा उठाई गई चिंताओं में गहरी दिलचस्पी ली और धैर्यपूर्वक उनके मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र की। सक्रिय दृष्टिकोण अपनाते हुए मंत्री ने तुरंत संबंधित अधिकारियों, कलेक्टरों और उच्च अधिकारियों से संपर्क किया और उन्हें मौके पर ही शिकायतों का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से अपने विभाग के मामलों के संबंध में त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए।

कोर्ट ने जानी मास्टर को पुलिस हिरासत में भेजा

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय कोरियोग्राफर जानी मास्टर के मामले में एक बड़ा घटनाक्रम हुआ है, जिन्होंने कथित तौर पर उनके साथ सहायक कोरियोग्राफर के रूप में काम करने वाली 21 वर्षीय महिला का यौन उत्पीड़न किया था। कोर्ट ने उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में रहने की अनुमति दी है। कोर्ट का फैसला जानी मास्टर की हिरासत की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद आया। उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। रंगारेड्डी कोर्ट ने बुधवार से शनिवार तक हिरासत की अनुमति दी। नरसिंगी पुलिस जानी मास्टर के खिलाफ दर्ज मामले की जांच करेगी। पुलिस जानी मास्टर को हिरासत में लेने के लिए चंचलगुडा जेल गई थी। पुलिस ने पीड़ितों से कई सबूत पहले ही एकत्र कर लिए हैं। इन्हें जानी मास्टर के सामने रखा जाएगा और पुलिस उनसे सबूतों के बारे में पूछताछ करेगी। इस बीच, जानी मास्टर की जमानत याचिका पर सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी गई है।

चाकली ऐलम्मा तेलंगाना के अस्तित्व और स्वाभिमान का प्रतीक : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि चाकली (चित्याला) ऐलम्मा तेलंगाना के अस्तित्व और स्वाभिमान का प्रतीक है। चित्याला ऐलम्मा की 129वीं (26 सितंबर) जयंती के अवसर पर, मंत्री सुरेखा ने वीरनारी ऐलम्मा के संघर्ष और बलिदान को याद किया। मंत्री ने कहा कि चकली अइलम्मा एक बहादुर धोबी महिला थीं, जो अमीरों की अराजकता और निज़ाम के अत्याचार के खिलाफ खड़ी थीं। मंत्री ने कहा कि ऐलम्मा का इतिहास, जिन्होंने अपने घर को एक कार्यालय में बदल दिया और भूमि, भुक्ति और वेट्टिचकिरी की मुक्ति के लिए तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के लिए उपकरण प्रदान किए, सशस्त्र संघर्ष में एक विशेष अध्याय है। उन्होंने कहा कि ऐलम्मा का तेलंगाना के लोगों के दिलों में एक महान महिला के रूप में विशेष स्थान है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि तेलंगाना की पहली सशस्त्र सेनानी के रूप में चकली ऐलम्मा की वीरता की कहानी ने कई सार्वजनिक संघर्षों को प्रेरित किया है।

यह स्पष्ट है कि उनके भूमि संघर्ष ने बाद के काल में भूमि सुधार का मार्ग प्रशस्त किया। मंत्री सुरेखा ने याद किया कि कोटी महिला विश्वविद्यालय का नाम ऐलम्मा के नाम पर रखा गया था, और ऐलम्मा की सेवाओं की मान्यता में, सरकार ने उनकी पोती श्वेता को महिला आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया ताकि चाकली ऐलम्मा की लड़ाई की भावना को आने वाली पीढ़ियां याद रखें।

मंत्री ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में लोगों की सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और बड़ुगु के कमजोर वर्गों की आत्मनिर्भरता के लिए मोक्काओनी दीक्षा के साथ आगे बढ़ रही है। मंत्री सुरेखा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार कल्याण और विकास के साधन के रूप में तेलंगाना की प्रगति के पहिये को चलाने के लिए दृढ़ गतिविधियों के साथ आगे बढ़ रही है।

दो समुदायों के बीच टकराव को रोकने वाले रिजवान सम्मानित

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने मिलाद जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच टकराव को रोकने में त्वरित प्रतिक्रिया और समय पर हस्तक्षेप करने वाले चारमीनार निवासी एक नेक इंसान रिजवान को सम्मानित किया। जुलूस में शामिल लोगों और दूसरे समुदाय के स्थानीय लोगों के बीच हाथापाई के बावजूद, रिजवान ने अपनी सक्रिय कार्रवाई से इसे जल्दी से शांत किया और तनाव को बढ़ने से रोक दिया।

शहर में दो दिन होगा ब्रेस्ट मिल्क बैंकिंग सम्मेलन

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर 28 और 29 सितंबर को होटल मैरीगोल्ड में सबसे बड़े स्तनपान प्रबंधन और ब्रेस्ट मिल्क बैंकिंग सम्मेलन की मेजबानी करेगा। मैरीगोल्ड के अलावा, सम्मेलन शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में बुलाए गए दक्षिण एशियाई लैम्बकॉन 2024 में 500 लोग शामिल होंगे, जिनमें श्रीलंका, नेपाल, पूर्वी तिमोर और फिलीपींस के 20 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। डॉ. बी.एन. गंगाधर, अध्यक्ष, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग; आर.वी. कर्णन, आयुक्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एमडी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन; डॉ. श्रीधर प्रहलाद रयावंकी, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए यूनिसेफ फील्ड ऑफिस; डॉ. ज़ेलालेम बिरहानू ताफ़ेसे, मुख्य क्षेत्र अधिकारी, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना 28 सितंबर को उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। सम्मेलन में 30 से अधिक सत्र होंगे, जिनमें बेसिक लैक्टेशन मैनेजमेंट, एडवांस्ड लैक्टेशन मैनेजमेंट से लेकर ह्यूमन मिल्क बैंकिंग तक के विषय शामिल होंगे। चार प्रतिष्ठित पेशेवरों को उनकी समर्पित सेवा के सम्मान में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उत्तम ने पलामुरु में सभी लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का वादा किया

महबूबनगर, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने इस विधानसभा कार्यकाल के भीतर संयुक्त पलामुरु जिले में सभी लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का वादा किया है, जिससे 12 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई सुनिश्चित होगी। मंत्री ने कहा कि पिछड़ेपन और उच्च प्रवास दर के लिए जाना जाने वाला यह जिला आने वाले दिनों में परियोजनाओं के पूरा होने के बाद काफी लाभान्वित होगा। उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और वित्त एवं सिंचाई विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिले में सिंचाई परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा के हिस्से के रूप में, उन्होंने जदचेरला निर्वाचन क्षेत्र में उद्दंडपुर जलाशय का निरीक्षण किया, जो पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के अंतर्गत आता है। उदंडपुर जलाशय की प्रगति का निरीक्षण करने के बाद एक बैठक को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने दोहराया कि जिले में सभी सिंचाई परियोजनाओं में तेजी लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उदंडपुर परियोजना से जुड़े पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) प्रयासों के लिए 45 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। उन्होंने

आश्वासन दिया कि पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना, कलवाकुर्ती, भीमा, नेट्टेमपाडु और कोइलसागर जैसी अन्य प्रमुख परियोजनाओं के साथ, 100 प्रतिशत पूरी हो जाएगी। इस अवसर पर, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव ने एक भी एकड़ को पानी उपलब्ध कराए बिना पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना पर 27,500 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछला प्रशासन पलामुरु-रंगारेड्डी के लिए उचित पानी का हिस्सा सुरक्षित करने में विफल रहा। पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना के पूरा होने से 12 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। सरकार मौजूदा विधायी कार्यकाल के भीतर इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी तरह, राज्य सरकार कलवाकुर्ती, नेट्टेमपाडु और भीमा लिफ्ट सिंचाई योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, और उनके पूरा होने की स्पष्ट समयसीमा तय की गई है, जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा। मंत्रियों ने उद्दंडपुर जैसे जलाशयों के कारण डूब से प्रभावित लोगों के लिए कानूनी पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। यात्रा के दौरान, मंत्रियों ने उद्दंडपुर आरएंडआर केंद्र में 4.2 किलोमीटर की सड़क परियोजना की आधारशिला भी रखी, जिसका निर्माण 12.97 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।

रेल पर्यटन को नया आयाम देता गर्वी गुजरात

देश भर में 24 राज्यों में 180 से अधिक भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेनों का संचालन

नई दिल्ली/हैदराबाद 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देशवासियों को गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत के दर्शन कराने एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेल के अधीन आने वाले इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा देश में समय-समय पर भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इसी कड़ी में आईआरसीटीसी द्वारा "गर्वी गुजरात" भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। गर्वी गुजरात भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 1 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली से रवाना की जाएगी। यह ट्रेन पर्यटकों को गुजरात के प्रमुख आध्यात्मिक और विरासत स्थलों पर ले जाएगी।

पहली बार इस ट्रेन के रूट में गुजरात के वडनगर को भी शामिल किया गया है। दमरे के अनुसार "गर्वी गुजरात" भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन कई अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस है। इस ट्रेन में यात्रियों के खानपान के लिए दो डाइनिंग रेस्टोरेंट एवं एक आधुनिक रसोई। इसके कोचों में शॉवर क्यूबिकल, सेंसर-आधारित वॉशरूम फंक्शन और एक फुट मसाजर की भी सुविधा हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी की सुविधाएं उपलब्ध हैं। ट्रेन में हर कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और सुरक्षा गार्ड की भी व्यवस्था है। इस ट्रेन की क्षमता 150 यात्रियों की है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दिल्ली सफदरजंग, गुड़गांव, रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा, अजमेर रेलवे स्टेशन पर चढ़ और उतर सकते हैं।

"गर्वी गुजरात" भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन का पूरा सफर 10 दिनों का है। इस दौरान पर्यटक इस ट्रेन के माध्यम से सोमनाथ, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर और पावागढ़ में महाकाली मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे। इसके अलावा यह पर्यटकों को ऐतिहासिक कीर्ति तोरण (वडनगर), मोढेरा सूर्य मंदिर, रानी की वाव और दीव किला जैसे विरासत स्थलों पर भी ले जाएगी।

दिल्ली से रवाना होने के बाद इस ट्रेन का पहला स्टॉपेज अहमदाबाद होगा, जहां पर्यटक 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर साबरमती आश्रम जा सकेंगे और अक्षरधाम मंदिर का दौरा कर सकेंगे। इसके बाद ट्रेन का अगला गंतव्य विश्व प्रसिद्ध मोढेरा सूर्य मंदिर, रानी की वाव और मोढेरा-पाटन में सहस्त्रलिंग तालाब होंगे। इसके बाद यह ट्रेन गुजरात के वडनगर पहुंचेगी, जहां पर्यटक हाटकेश्वर मंदिर, कीर्ति तोरण और शर्मिष्ठा झील जैसे दर्शनीय स्थलों दौरा कर सकेंगे, साथ ही प्रसिद्ध वडनगर रेलवे स्टेशन को भी देख सकेंगे। वडनगर के बाद ट्रेन का अगला गंतव्य वडोदरा होगा। पर्यटक वडोदरा से एक दिन के भ्रमण के दौरान पावागढ़ हिल्स में महाकाली मंदिर (शक्ति पीठ) और चंपानेर पावागढ़ पुरातत्व पार्क (यूनेस्को) का दौरा करेंगे। इसके बाद ट्रेन केवडिया रेलवे स्टेशन जाएगी।

केवड़िया सरदार वल्लभ भाई पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर्यटकों को लेजर शो भी दिखाया जाएगा। केवड़िया के बाद ट्रेन का अगला गंतव्य सोमनाथ होगा। ट्रेन वेरावल रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी और पर्यटक सोमनाथ मंदिर और सोमनाथ समुद्र तट पर जाएंगे।

कृष्णैया ने पिछड़ी जातियों से एकजुट होने का आह्वान किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ी जाति कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने आज कहा कि उन्होंने पिछड़ी जाति आंदोलन को मजबूत करने के लिए अपने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। सांसद पद से इस्तीफा देने के बाद बुधवार को यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछड़ी जाति आंदोलन को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए यह संभव है कि इस आंदोलन के पीछे किसी राजनीतिक दल का हाथ हो और उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी संबद्धता से इतर आंदोलन को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हमारी मांग है कि तेलुगु राज्यों में पिछड़ी जातियों का कुछ विकास हुआ है और इस तरह का विकास पूरे देश में होना चाहिए। जिस तरह विधानसभाओं में पिछड़ी जातियों के लिए 50% आरक्षण और पिछड़ी जातियों के लिए तेलुगु राज्यों में अध्ययन के लिए शैक्षणिक अवसर प्रदान किए गए हैं, उसी तरह अन्य राज्यों में भी पिछड़ी जातियों के लिए शिक्षा के अवसरों में सुधार किया जाना चाहिए।

तभी जातियों के भीतर सभी क्षेत्रों में समानता शुरू होगी," उन्होंने कहा। कृष्णैया ने कहा कि बीसी आंदोलन के माध्यम से, देश भर में उनकी जातियों को न्याय और विधायिकाओं में आरक्षण मिलना चाहिए। "

डीजीपी ने नागरिक प्रतिक्रिया के आधार पर शीर्ष प्रदर्शन करने वालों की सराहना की

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों पुलिसकर्मियों को "प्रशंसा प्रमाण पत्र'

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र, ने पिछले महीने नागरिक प्रतिक्रिया केंद्र से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर तेलंगाना पुलिस विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को "प्रशंसा प्रमाण पत्र' प्रदान किए। 2,116 नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर शीर्ष 10 पुलिस स्टेशनों/एसएचओ, शीर्ष 5 रिसेप्शन अधिकारियों और शीर्ष 5 जांच अधिकारियों को यह सम्मान प्रदान किया गया।

सीआईडी के तहत संचालित नागरिक प्रतिक्रिया केंद्र पुलिस की कार्यकुशलता और जवाबदेही को बेहतर बनाने में सहायक रहा है। एक समर्पित टीम एक स्वचालित कॉलिंग ऐप के माध्यम से याचिका प्रबंधन प्रणाली, वेरिफास्ट पासपोर्ट डेटा, ई-चालान डेटा और एफआईआर डेटा जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों का उपयोग करके पुलिस सेवाओं से बातचीत करने वाले नागरिकों से प्रतिक्रिया एकत्र करती है। नागरिकों से आउटबाउंड कॉल के माध्यम से संपर्क किया जाता है, और पुलिस अधिकारियों की प्रतिक्रिया और व्यवहार पर उनकी प्रतिक्रिया दर्ज की जाती है। इस फीडबैक के आधार पर, अधिकारियों को रेट और रैंक किया जाता है, जिससे पुलिस बल को जनता के साथ अपने संपर्क को बेहतर बनाने और पुलिस-पब्लिक इंटरफेस को बढ़ाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम के दौरान, पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र, ने घोषणा की कि क्यूआर कोड और एसएमएस-आधारित फीडबैक सिस्टम सहित नई तकनीकी विशेषताएं जल्द ही शुरू की जाएंगी।

ये सिस्टम याचिकाकर्ताओं और पीड़ितों को आसानी से फीडबैक देने की अनुमति देकर फीडबैक संग्रह प्रक्रिया में और सुधार करेंगे। जिन मामलों में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, कॉलिंग ऐप के माध्यम से मैनुअल फीडबैक संग्रह जारी रहेगा। यह पहल तेलंगाना पुलिस की अपनी सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और समुदाय के साथ एक मजबूत और सकारात्मक संबंध बनाने के उनके प्रयासों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। डीजीपी डॉ. जितेंद्र, आईपीएस ने विभिन्न पुलिस सेवाओं का उपयोग करने वाले नागरिकों और पीड़ितों से जानकारी एकत्र करने में फीडबैक कॉल सेंटर के महत्व पर जोर दिया डीजीपी ने डीजी सीआईडी शिखा गोयल की देखरेख में श्रीनिवास, एसपी-सीओई, सीआईडी, और सीता रेड्डी, डीएसपी, सीओई-सीआईडी के नेतृत्व वाली नागरिक प्रतिक्रिया टीम की भी उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना की।

नाराज सरपंच सीएम को हर जगह रोकने को तैयार, राजेंद्र ने दी चेतावनी

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती समारोह आज यहां राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब सीएम रेवंत रेड्डी पीसीसी अध्यक्ष थे, तो उन्होंने कहा था कि केसीआर सरकार गांव के सरपंचों और ग्राम पंचायतों की अनदेखी कर रही है। रेवंत रेड्डी ने तब कहा था कि बिलों का भुगतान न करने के कारण लगभग 60 सरपंचों ने आत्महत्या कर ली थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब कांग्रेस सरकार सत्ता में लौट आई है, लेकिन रेवंत द्वारा कही गई एक भी बात पर अमल नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की कि सरपंचों के लंबित बिलों का तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए। इटेला राजेंद्र ने कहा कि दशहरा उत्सव से पहले

लंबित बिलों का भुगतान किया जाना चाहिए। राजेंद्र ने चेतावनी दी, "अन्यथा, सरपंच सीएम को हर जगह रोकने के लिए तैयार हैं।"

उन्होंने कहा कि भाजपा सरपंचों के आंदोलन का पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सरपंचों का कार्यकाल पूरा होने के सात महीने बाद भी चुनाव क्यों नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सभी गांवों में कूड़े का ढेर लगा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी की लापरवाही के कारण राज्य के गांव कब्रिस्तान में बदल गए हैं। उन्होंने मांग की कि आरक्षण की तुरंत घोषणा की जानी चाहिए और सरपंच चुनाव कराए जाने चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 26 सितंबर- 2024

भारत एशिया का सबसे शक्तिशाली देश !

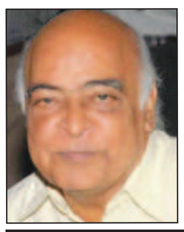

अशोक भाटिया

हॉल ही में ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के नए सालाना एशिया पावर इंडेक्स में भारत की रैंकिंग में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया पावर इंडेक्स में भारत की रैंकिंग तीसरी हो गई है। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। हाल ही में कई एजेंसियों ने इसे लेकर सर्वे भी किए हैं, जो इसका सीधा सा उदाहरण हैं। यह सर्वे बताते हैं कि भारत तेजी से उभर रहा है और 2047 तक हिंदुस्तान 'विकसित भारत' बनेगा।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अपने सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत आर्थिक महाशक्ति बन रहा है और जल्द ही विश्व गुरु के स्थान को हासिल कर दुनिया का नेतृत्व करेगा।

लोवी इंस्टीट्यूट के नए सालाना एशिया पावर इंडेक्स के मुताबिक, भारत एशयिा में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बना है। भारत ने इस इंडेक्स में रूस और जापान को पीछे छोड़ दिया है। इस इंडेक्स में जापान चौथे नंबर पर, ऑस्ट्रेलिया पांचवें नंबर पर और रूस छठे नंबर पर है। इसके अलावा पाकिस्तान का 16वां नंबर है। इसके साथ ही भारत अब विश्व में सिर्फ अमेरिका और चीन से पीछे है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल ही अमेरिका का सफल दौरा कर भारत लौटे है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के बीच अमेरिका से उनके पुराने रिश्ते एक बार फिर चर्चा में हैं। मोदी आर्काइव ने प्रधानमंत्री मोदी की करीब 30 वर्ष पहले की यात्रा का ब्यौरा एक्स पर पोस्ट किया है। उस समय नरेन्द्र मोदी एक युवा नेता के तौर पर अमेरिका गए थे। इस यात्रा ने प्रधानमंत्री मोदी ग्लोबल विजन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी की अगुआई में आज भारत वैश्विक कूटनीति की दुनिया का न सिर्फ अहम खिलाड़ी है बल्कि नरेन्द्र मोदी को ऐसे वैश्विक नेता के तौर पर स्वीकार किया जाता है जो रूस- यूक्रेन संघर्ष को खत्म कराने में अहम भूमिका निभा सकता है। अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक समुदाय के लिए भारत द्वारा प्रस्तुत विशाल संभावनाओं और अवसरों का पता लगाने के लिए उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत की थी । न्यूयॉर्क में एक गोलमेज सम्मेलन में प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शीर्ष सीईओ के साथ अपनी बातचीत में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता के बारे में आश्वासन दिया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के सदस्य देशों के शासन प्रमुखों की बैठक और भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित किया। मोदी ने अपनी इस यात्रा के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। उन्होंने रविवार को 'क्वाड' शिखर सम्मेलन के इतर अपने जापानी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं और आपसी लाभ एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र की ''शांति, स्थिरता और समृद्धि'' के लिए द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी ने न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बातचीत के दौरान, यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान तथा क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए भारत का समर्थन दोहराया।

कुल मिलाकर मोदी के इस दौरे को काफी सफल बताया जा रहा है। यही कारण है कि मोदी सरकार 3 में भाजपा के सहयोगी दलों ने भी प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे की जमकर तारीफ की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पोस्ट में लिखा कि नरेन्द्र मोदी की अभी हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने को लेकर लिए गए निर्णय स्वागत योग्य हैं। दोनों देशों के बीच लिए गए निर्णयों से अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

नीतीश ने कहा कि बिहार के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं और उनसे उत्पन्न होने वाले नये अवसरों से उत्साहित हैं। विश्व के नेताओं और भारतीय प्रवासियों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी जी का गर्मजोशी से किया गया। यह स्वागत उनके नेतृत्व को मजबूती प्रदान करता है। इस यात्रा के दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव होंगे। इस सफल यात्रा के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी को बधाई।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी सफल यात्रा के बाद देश लौटने पर मैं नरेंद्र मोदी का स्वागत करता हूं। हम भाग्यशाली हैं कि हम ऐसे राजनेता के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रों के समुदाय में भारत की स्थिति मजबूत की है और समुदायों और देशों को एक साथ लाकर निर्विवाद रूप से एक बड़े विश्व नेता के रूप में उभरे हैं। संयुक्त राष्ट्र में उनका संबोधन इस बात का प्रमाण है कि विश्व नेता भारत को कितना महत्व देते हैं और आने वाले वर्षों में हम वैश्विक मंच पर क्या भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस यात्रा ने एक बार फिर प्रदर्शित किया कि प्रधान मंत्री एक प्रतिष्ठित वैश्विक राजनेता और असाधारण योग्यता के ट्रेंडसेटर क्यों हैं। मुख्यमंत्री शिंदे ने अपनी यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी और व्यापारिक नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत पर अपनी सहमति व्यक्त की और कहा कि निवेश आकर्षित करने के प्रधानमंत्री के प्रयासों से अंततः महाराष्ट्र को लाभ होगा। शिंदे ने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान लगभग 300 पुरावशेषों की वापसी सुनिश्चित की।केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने लिखा कि वैश्विक नेता और मां भारती के प्रिय पुत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएसए की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के समापन के बाद आज वापस भारत लौट रहें हैं। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में क्वाड लीडर्स समिट और भविष्य के शिखर सम्मेलन में भाग लिया जो अपने आप में अद्वितीय रही. साथ ही, उन्होंने अपनी यात्रा में जो महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें कीं, वह राष्ट्र के प्रगति के लिए सार्थक होंगीं। नरेन्द्र मोदी जी के संयुक्तराष्ट्र महासभा से हटकर वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम से मुलाकात और दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ाने तथा संपर्क, व्यापार और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा से देश के व्यापार को लाभ मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी के संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन के संबोधन को दुनिया याद रखेगी। यूएसए यात्रा के दौरान मोदी जी के प्रति दुनिया के प्यार को देखकर हर भारतीय खुद को गौरवांन्वित महसूस कर रहा है। तब ही तो पुरी दुनिया कह रही है, मोदी भारत की आन बान और शान है ।

एचडी कुमारस्वामी ने लिखा कि मैं संयुक्त राज्य अमेरिका की एक और सफल यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत करता हूं। इतने कम समय में उन्होंने जिन व्यापक मुद्दों को संभाला, वह वास्तव में आश्चर्यजनक है। तीन दिनों में उन्होंने परमाणु ऊर्जा, सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन, सेमीकंडक्टर्स, एआई, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम टेक्नोलॉजी, इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढांचा, हमारी सांस्कृतिक धरोहर की वापसी और कई अन्य विषयों पर चर्चा की।

इन सबके अलावा भू-राजनीतिक मामलों पर रणनीतिक विचार-विमर्श भी हुआ। भारतीय प्रवासियों के साथ उनके आत्मीय संबंधों की तस्वीरें भी दिल को छू लेने वाली थीं। धन्यवाद सर, विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपकी निरंतर मेहनत अत्यंत प्रेरणादायक है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने 'एशिया पावर इंडेक्स-2024' में भारत की बढ़त का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक रणनीति को दिया है।केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि यह विश्व मंच पर पीएम मोदी का अथक प्रयास हैं, जिसने भारत को मानचित्र पर वापस ला दिया है। उन्होंने भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को अपनाया है और इसे वैश्विक कूटनीति में लाभ उठाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण में बदल दिया है।

कोलकाता में ट्राम की विदाई ?

कोलकाता में जो भी विश्व प्रसिद्ध दुर्गापूजा का लुत्फ लेने गया और वहां की ट्राम की सवारी नहीं की तो फिर कोलकाता क्या देखा। लेकिन कोलकाता का गर्व कहा जाने वाला ट्राम अब विदाई की बेला म् आ चुका है। क्योंकि परिवहन विभाग ने पूजा परिक्रमा के लिए इस बार जो व्यवस्था की है, उसमें ट्राम को शामिल नहीं किया है। जबकि इसके पहले तक दुर्गापूजा का विशेष आकर्षण ट्राम की सवारी ही होती थी। खुद वहां के परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने जानकारी दे कर इसकी पुष्टि कर दी है कि अब ट्राम के दिन लद चुके हैं। उन्होंने इसका मुख्य कारण इसकी धीमी गति को जिम्मेदार ठहराया है। उसकी धीमी गति से अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। दूसरी ओर, जाम की समस्या से निपटने के लिए शहर में केवल एक रूट पर धर्मतला से खिदिरपुर तक ट्राम चलेगी। लोग सरकार के इस फैसले को कोलकाता के 151 वर्ष के हेरिटेज 'गर्व' की विदाई की दिशा में एक और कदम मान रहे हैं। जबकि ट्राम प्रेमियों ने कहा, यह अवैज्ञानिक बात है। हम राज्य व केंद्र सरकार से बात करेंगे। जरूरत पडी तो हम कोर्ट भी जाएंगे। बता दें कि कोलकाता में पहली बार ट्राम 24 फरवरी, 1873 में सियालदह और आर्मेनिया घाट स्ट्रीट के बीच चला था। तब इसे बनाने में करीब 1.5 लाख रुपए लगे थे। लेकिन किन्हीं कारणों से वह बंद हो गई। फिर से 1881 में शुरू किया गया। 27 मार्च 1902 में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्राम सड़कों पर दौड़ी। तब यह महानगर के जीवन का जरूरी हिस्सा बन गई थी। 1930 तक कोलकाता में 300 से अधिक ट्राम थीं। 1980 तक ट्राम में रोज 7.5 लाख लोग यात्रा करते थे, जो 2008 तक घट कर संख्या 77,500 रह गई। इसके बाद लगातार यात्रियों की संख्या घटती चली गई और कई रूट बंद कर दिए गए। मई, 2020 से अब केवल दो रूटों पर ट्राम चल रही हैं। बहरहाल, परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती के अनुसार समय के साथ तेज चलने वाले वाहन की संख्या बढ़ी है। आज ट्राम की जगह तेज चलने वाली मेट्रो ने ले ली है। इसलिए शहर के अधिकांश रूटों पर ट्राम पहले से ही बंद हैं। दो रूटों पर चलने के बावजूद यह अनियमित है। पूजा के दौरान ट्रैफिक जाम की आशंका को देखते हुए इस वर्ष पूजा के दौरान ट्राम बंद रखने का निर्णय लिया गया है। पिछले वर्ष पूजा के दौरान आम लोगों ने षष्ठी, अष्ठमी, नवमी और दशमी को एस्प्लेनेड-श्यामबाजार और एस्प्लेनेड-गरियाहाट रूट पर एसी ट्राम से यात्रा की थी। हालांकि इस बार ऐसा नहीं होगा। कोलकाता ट्राम यूजर्स एसोसिएशन के महासचिव महादेव शी के अनुसार वे मंत्री हैं। इसलिए कुछ भी कह सकते हैं। लेकिन उनकी बात बिल्कुल अवैज्ञानिक है। ट्राम से कोई जाम नहीं लगता। कोई दिक्कत नहीं होती। शहर में दस लाख वाहन चलते हैं और ट्राम चल रहे हैं दस। तो बताइए, जाम वाहनों से लग रहा है या ट्राम से। ट्राम तो अपनी पटरी पर चलते हैं। हम वैज्ञानिक तरीके से सिद्ध कर सकते हैं कि ट्राम से जाम नहीं लगता। पूरी दुनिया में इसके फायदों को देखते हुए ट्राम को परिवहन में शामिल किया जा रहा है, वहीं कोलकाता की पहचान बन चुके ट्राम को बंद करने की साजिश की जा रही है। राज्य सरकार के इस अदूरदर्शी निर्णय के लिए लोगों को केंद्र सरकार से बात करने को कहा है। फिर भी बात नहीं बनी तो जागरूक नागरिक कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से पीछे नहीं हटेंगे।

चश्मा उतारो फिर देखो यारों

डॉ टी महादेव राव

भाई जी आप पेपर पढ़ते पढ़ते काहे मु स्कु रा रहे हैं?

मन तो चाह रहा है कि ठहाके लगाऊं पर मैं हूं कि मुस्कुराहट से काम चला रहा हूं। बयान आपने पढा कि नहीं कि बिहार में दंगाइयों को उल्टा लटकाया जाएगा, अगर खास पार्टी वहां सत्ता में आती है।

तो भैया इसमें हंसने की बात क्या है? अच्छा है न यह! दंगाइयों को उल्टा लटकाने के डर से दंगे नहीं होंगे और दंगाई डरेंगे और शांति बनी रहेगी। यह तो साहब सकारात्मक न्यूज़ है और आप हैं कि हंसे जा रहे हो। आपको क्या देश में शांति की आशा नहीं है या हमेशा आप गलत ही सोचते हो।

सोच दो तरह की होती है! जिस तरह हम देखते हैं उसी तरह हमारी सोच हो जाती है । यह सोच या देखने की नजर भी दो तरह की होती है। आप जो देख रहे हो वह स्थूल सोच या सरसरी नजर का नतीजा है। मुझे तो देश में खुशहाली पसंद है। देश में शांति हो। सभी धर्मों के बीच सौहार्द्र हो और सारे लोग भाई भाई की तरह रहें। शांति से जिएं। महंगाई कम हो। सारे लोग बिना किसी कष्ट के दो जून भर पेट खाना खा खाकर अपने घरों में सुख से सो सकें यही मेरा अपना नजरिया है। तुमसे किसने कह दिया कि मैं शांति प्रिय नहीं हूं।

तो फिर इतने हंसने, मुस्कुराने की, ठहाका लगाने की कौन सी बात हो गई?

मैं खास नजरिए की बात कर रहा हूं। मैं सूक्ष्म नजरिए की बात कर रहा हूं। ऐसा तो नहीं हैं कि खास पार्टी केवल बिहार में ही नहीं है बाकी सारे देश में कहीं कहीं है और फिर सेंटर में यानी कि केंद्र में भी उन्हीं की सरकार है। क्या केवल बिहार में दंगे हो रहे हैं, बाकी जगह क्या पूरी शांति और धार्मिक सौहार्द्र बना हुआ है। इसका मतलब है कि बिहार को छोड़कर बाकी राज्यों में जहां जहां खास पार्टी की सरकार है वहां दंगाइयों को सीधे लटकाया जाएगा ताकि वे फिर से दंगा कर सकें। यह तो वही बात हो गई कि अगर मैं पूरे विश्व पर शासन कर रहा होता तो रूस और यूक्रेन के झगड़े बंद कर देता। भारत पाक चीन के बीच जो संबंधों में तनाव है उसे दूर कर देता। जहां जहां भुखमरी है वहां वहां अनाज पहुंचाता। ऐसी बातें करने की अपनी अलग शैली है।

मतलब मंत्री जी के इस कथन से आपको हंसी आई कि बिहार में शांति आ जाएगी। दंगाई नहीं रहेंगे?

मैं तो सीधे एक ही प्रश्न पूछता हूं बाकी जगह के दंगाइयों को क्यों उल्टा नहीं लटकाया जा रहा है? जबकि वही खास पार्टी सत्ता में हैं। देश की बागडोर तो आपके हाथ में है। बावजूद इसके आप धार्मिक सौहार्द्रता, धर्मनिरपेक्षता और शांति बनाए रखने में चूक गए। मुझे इसी वजह से हंसी आई कि देश के खासमखास वजीर होने के बावजूद सत्ता पाने के लिए ऐसी बातें करके जनता को मुगालते में डाल रहे हैं।

मैं इसे सूक्ष्म दृष्टि या अवलोकन नहीं कहता। मैं तो आपको छिद्रान्वेषी मानता हूं, जिसे हर बयान में एक गलत बयान पहले नज़र आता है।

चलो मैं कुछ तो अन्वेषण करता हूं आप भले मुझे छिद्रान्वेषी कहें। वैसे मेरे चश्मे का फ्रेम और लेंस आपके चश्मे से बिल्कुल अलग है और मैं सारा कुछ साफ साफ देख सकता हूं। आपकी तरह केवल वही देखूं जो दिखाया जा रहा है यह मेरी फितरत नहीं है।

श्रद्धा वाल्कर की तरह अब महालक्ष्मी के चालीस टुकड़े?

मनोज कुमार

बेंगलुरु में एक बार फिर रूह कंपा देने वाला हत्याकांड सामने आया है महालक्ष्मी नाम की एक महिला की हत्या कर उस के शव को फ्रिज के अंदर 40 टुकड़ों में काट कर बड़ी सफाई के साथ रखा गया था आपको याद होगा कि दो साल पहले श्रद्धा वाल्कर के लिविंग पार्टनर ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के टुकड़े कर डीप फ्रिजर में रखा था अब महालक्ष्मी नामक 29 वर्षीय युवती लवजेहाद का शिकार बनी है ।यह हैवानियत भरी वीभत्स घटना बता रही है कि हैवानों में कानून का कोई भय नहीं है।

पुलिस का दावा है कि कत्ल करीब 20 दिन पहले यानी 2 से 3 सितंबर के बीच हुआ था। अब तक की जांच में पुलिस को जो अहम सुराग मिले हैं, उसके मुताबिक महालक्ष्मी के कत्ल में किसी अजनबी का हाथ बताया जा रहा है। वह मिस्त्री मैन अक्सर महालक्ष्मी के घर आता रहता था। यह नृशंसता पूर्ण हत्याकांड बिल्कुल श्रद्धा वालकर हत्याकांड से मिलता जुलता है श्रद्धा के भी उसके मुसलिम लिविंग पार्टनर ने टुकड़े टुकड़े कर डीप फ्रीजर में रखा था। इस मामले में भी महालक्ष्मी के पति ने अशरफ नाम के एक युवक पर शक जताया है और उसके साथ महालक्ष्मी के रिलेशन होने की बात कही है। आपको बता दें कि यह भयावह घटना तब सामने आई जब बंगलुरु के एक सोसाइटी के पड़ोसियों ने बंद घर से आ रही दुर्गंध की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मकान मालिक से मिली जानकारी के आधार पर महालक्ष्मी के परिवार से संपर्क किया। जब परिवार के सदस्य पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि महालक्ष्मी के क्षत-विक्षत अंग फ्रिज में रखे हुए थे। फॉरेंसिक टीम और पुलिस जांचकर्ताओं ने पाया कि महालक्ष्मी का मोबाइल फोन 2 सितंबर से बंद था। शव की स्थिति और घटनास्थल पर मिले इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर, पुलिस का मानना है कि हत्या घर के अंदर ही की गई थी और शव के टुकड़े-टुकड़े कर फ्रिज में छिपा दिए गए थे। पुलिस को महिला की डेड बॉडी देख कर संदेह है कि हत्या लगभग 15 दिन पहले हुई थी। शरीर के कटे हुए टुकड़े 165 लीटर के रेफ्रिजरेटर के अंदर रखे गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक हत्या का खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने दुर्गंध की शिकायत की, जिसके बाद मृतक के परिवार के सदस्यों ने आकर जांच की। पुलिस के अनुसार मौके पर फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम पहुंचे और मामले की जांच शुरू की ।

मूल रूप से नेपाल की रहने वाली महालक्ष्मी की शादी पांच साल पहले हेमंत दास नामक व्यक्ति से हुई थी। दंपति का एक चार साल का बच्चा भी है। हालांकि, उनके रिश्ते में खटास आ गई थी और महालक्ष्मी बेंगलुरु में अलग रहने लगी थीं। वह एक मॉल में सेल्सपर्सन के तौर पर काम कर रही थीं और अपने पड़ोसियों से ज्यादा बातचीत नहीं करती थीं। महालक्ष्मी के पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि वह ज्यादा लोगों से घुली मिली नहीं थी। इस वजह से उसके बारे में आस-पास के लोगों को ज्यादा कुछ पता नहीं था। हालांकि, पड़ोसियों ने कई बार एक अजनबी शख्स को महालक्ष्मी को घर आते-जाते देखा था। बेंगलुरु पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिर वो अजनबी है कौन? हो सकता है महालक्ष्मी का कातिल वही अजनबी हो। इस बीच महिला के पति ने दावा किया है कि महालक्ष्मी का प्रेमी अशरफ ही उसके कत्ल में शामिल है। महालक्ष्मी के पति हेमंत दास ने बताया,'मैं मोबाइल शॉप पर काम करता हूं। हमारी शादी 6 साल पहले हुई थी। हमारी एक बेटी भी है। हालांकि, 9 महीने पहले घरेलू विवाद के बाद हम दोनों अलग हो गए। आखिरी बार महालक्ष्मी से मेरी मुलाकात 25-30 दिन पहले हुई थी, जब वह उस मोबाइल दुकान पर आई थी, जहां मैं काम करता हूं'।

वहीं इस ममले पर कर्नाटक के गृह मंत्री ने का जो बयान आया है, उस मुताबिक महालक्ष्मी के मर्डर में शामिल शख्स का कनेक्शन पश्चिम बंगाल से है। क्योंकि गृहमंत्री ने कहा कि, 'केस में कई अहम जानकारियां हाथ लगी हैं, जिन्हें अभी शेयर नहीं किया जा सकता है।अब तक मिली जानकारी के मुताबिक हत्या में एक ही शख्स शामिल है, जो पश्चिम बंगाल का रहने वाला है, लेकिन जब तक और जानकारी नहीं मिल जाती, हम कुछ भी नहीं कह सकते।' , बेंगलुरु पुलिस का कहना है कि महालक्ष्मी के मोबाइल की कॉल डिटेल से शक की सुई उसके घर पर आने वाले अजनबी की तरफ घूम रही थी। बेंगलुरू पुलिस का दावा है कि उस अजनबी की जानकारी उनके पास है। उसका नाम भी उन्हें पता है। यहां तक कि ये भी पता है कि महालक्ष्मी के कत्ल के बाद वो भुवनेश्वर के रास्ते पश्चिम बंगाल जा चुका है। पुलिस इसलिए उसके नाम का फिलहाल खुलासा नहीं करना चाहती ताकि वो अलर्ट ना हो जाए। कोरमंगला में काम करने वाले उनके भाई सुनील के अनुसार, महालक्ष्मी कई दिनों से उनसे संपर्क में नहीं थीं। उन्होंने मीडिया से कहा, "मुझे एक रिश्तेदार ने इसकी सूचना दी और मैं उनसे मिलने आया। हमने कुछ समय से एक-दूसरे से बात नहीं की और न ही एक-दूसरे को देखा।" एक पड़ोसी ने बताया कि महालक्ष्मी पाँच महीने पहले इमारत की पहली मंजिल पर रहने आई थीं। पड़ोसी ने बताया, "वह शायद ही कभी घर पर आती थीं, सुबह 9:30 बजे घर से निकलती थीं और रात 10:30 बजे वापस आती थीं। एक आदमी जो उनका भाई होने का दावा करता था, कुछ दिनों तक उनके साथ रहा, लेकिन हमें नहीं पता था कि वह शादीशुदा हैं।" पुलिस अब उनके कार्यस्थल की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी ने उनके काम से अनुपस्थित रहने के बारे में पूछताछ क्यों नहीं की। अधिकारी एक ऐसे व्यक्ति की रिपोर्ट का भी अनुसरण कर रहे हैं जो अक्सर उनसे मिलने आता था और उन्हें ले जाता था।

बेंगलुरु पुलिस ने महालक्ष्मी के पति हेमंत दास और उस हेयर ड्रेसर अशरफ से लंबी पूछताछ की है। इन दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची है कि क़त्ल में इन दोनों का कोई हाथ नहीं था। इन दोनों के मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड में भी दो सितंबर से 19 सितंबर तक ऐसा कुछ नहीं मिला। तब यह सवाल खड़ा हो गया था कि आखिर महालक्ष्मी का क़ातिल कौन है? जिसने इतनी बेरहमी से कत्ल कर लाश के टुकड़े-टुकड़े कर फ्रिज में रख दिया था।

इस वारदात में हत्या का मामला दर्ज किया गया है और अधिकारी उस व्यक्ति का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं जिस पर इसमें शामिल होने का संदेह है।

क्या फैक्ट चेक नहीं कर सकती केंद्र सरकार ?

रामस्वरूप रावतसरे

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 20 सितंबर 2024 को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम 2023 के नियम 3 को रद्द कर दिया। यह धारा केंद्र सरकार को सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सरकार के खिलाफ झूठी या फर्जी खबरों की पहचान करने के लिए तथ्य-जाँच इकाइयों के गठन का अधिकार देता है। इस साल जनवरी में एक खंडपीठ द्वारा विभाजित फैसला देने के बाद यह मामला उनके पास भेजे जाने के बाद टाईब्रेकर न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर ने आज अपनी राय दी है। एकल पीठ न्यायाधीश ने यह फैसला पढ़ते हुए कहा, "मेरा मानना है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करता है।"

आईटी संशोधन नियम 2023 के तहत सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021, जिसे आईटी नियम 2021 भी कहा जाता है, में संशोधन किया गया था। इस नियम के खिलाफ कोर्ट में कई याचिकाएँ दायर की गई थीं। इनमें एक याचिका स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा दायर याचिका भी शामिल है। इस नियम के तहत सरकार को फैक्ट चेक यूनिट बनाने के अधिकार को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि यह संशोधन सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसके साथ ही यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 19(1)(ए)(जी) (कोई भी पेशा या व्यवसाय करने की स्वतंत्रता) का भी उल्लंघन करता है।

इस मामले में 31 जनवरी 2024 को न्यायमूर्ति जीएस पटेल और न्यायमूर्ति नीला गोखले ने इस मामले पर विभाजित फैसला सुनाया था। न्यायमूर्ति पटेल ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया और नियम 3 को खारिज कर दिया। इसमें यूजर की सामग्री की सेंसरशिप की आशंका और सामग्री की सटीकता की जिम्मेदारी रचनाकारों से बिचौलियों पर स्थानांतरित होने की चिंताओं का हवाला दिया गया था। जस्टिस पटेल ने अनुच्छेद 14 से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अन्य संस्थाओं की तुलना में केंद्र सरकार से संबंधित सूचना को 'उच्च मूल्य' का पहचान प्रदान करने का कोई औचित्य नहीं है। इसके विपरीत जस्टिस गोखले ने संशोधित नियमों की वैधता को बरकरार रखा था और कहा था कि इसमें दुर्भावनापूर्ण इरादे से गलत सूचना को लक्षित करते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की गई है ।

जस्टिस गोखले ने यह भी कहा कि किसी नियम को केवल संभावित दुरुपयोग की चिंताओं के आधार पर उसे अमान्य नहीं किया जा सकता हालाँकि, उन्होंने इसकी भी पुष्टि की कि यदि एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे कोई मध्यस्थ की कार्वाई उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है तो याचिकाकर्ता और यूजर अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। इसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने मामले पर टाई-ब्रेकिंग राय देने के लिए न्यायमूर्ति चंदुरकर को नियुक्त किया। इसके बाद एकल पीठ न्यायाधीश चंदुरकर ने यह फैसला पढ़ते हुए कहा, "मेरा मानना है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करता है।" इस तरह दो न्यायाधीशों ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया।

याचिकाकर्ताओं का वरिष्ठ अधिवक्ता नवरोज सीरवाई और अरविंद दातार ने प्रतिनिधित्व किया। इन अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि फैक्ट चेकिंग यूनिट का उद्देश्य उन चर्चाओं पर पूर्ण सेंसरशिप लगाना है जिन्हें सरकार दबाना चाहती है। उन्होंने नागरिकों को सूचित रखने के अपने घोषित उद्देश्य को पूरा करने के लिए फैक्ट चेकिंग यूनिट के लिए प्रावधानों की कमी की ओर भी इशारा किया। दूसरी तरफ, केंद्र सरकार ने कोर्ट में तर्क दिया कि फैक्ट चेकिंग यूनिट आलोचना या व्यंग्य को रोकने का प्रयास नहीं करते हैं, बल्कि केवल सरकार से संबंधित सामग्री पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जोर देकर कहा कि विवादित नियम केवल आधिकारिक सरकारी फाइलों में पाई जाने वाली जानकारी पर लागू होता है। नियम 3 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले दावों के जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि किसी भी तरह का नकारात्मक प्रभाव केवल फर्जी और झूठी खबरों से संबंधित होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी को भ्रामक जानकारी प्रसारित करने के बारे में सतर्क रहना चाहिए। इस पर याचिकाकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि सटीक जानकारी का अधिकार नागरिकों का है, राज्य का नहीं।

इसकी साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सरकार पहले से ही यह घोषित कर सकती है कि क्या सच है या झूठ।

तिरुपति के लड्डू

डॉ अरविन्द मिश्रा

टीटीडी अर्थात तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड जो कि बहुत रसूख वाली संस्था हैं ने भी स्वीकार कर लिया है कि कथित देशी घी में मिलावट थी। उसके कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने कहा कि बोर्ड 'मिलावटी' घी की सप्लाई करने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया में हैं मगर क्या किसी को भी इस बारे में कोई सूचना है कि टीटीडी पर एफआईआर हुई या नहीं?

सुनते हैं कि टीटीडी का मेम्बर बनने के लिये बड़े बड़े ओहदे वाले ललचाते रहते हैं। सोर्स सिफारिश करते हैं। एक से एक शख्सियत इसके मेम्बर है। दर्शनार्थी भक्तों के साथ इसी ने विश्वासघात किया है। इतने दिनों से हजारों टन लड्डु लार्ड (सूअर चर्बी), बीफ से निकले फैट और मछली के तेल से बने लड्डु भक्तों में वितरित किये गये तो ये क्या सो रहे थे? या ये भी इस जघन्य पापाचार में लिप्त थे। तत्काल इन पर एफआईआर हो और गिरफ्तारी हो। यह करोड़ों लोगों के भक्ति और विश्वास के साथ छल है। सनातन हिन्दू धर्म पर चोट है। धर्मावलंबियों का धर्म भ्रष्ट हुआ है। इन पापाचारियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

एक ऐसा ही प्रकरण जौनपुर जिले की प्रसिद्ध बेनीराम इमरती वाले के साथ 1970 के दशक में घटा था यद्यपि वह आज भी एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है न कि कोई मंदिर या देवस्थान। अचानक खबर उड़ी कि बेनीराम इमरती में पशु चर्बी मिलाई जाती है। मेरा बचपन था मगर मुझे अच्छी तरह से याद है कि इस खबर ने बड़े बुजुर्गों को झिंझोड़ सा दिया था। कारण यह था कि तब हर रोज सैकड़ों कचहरिया लोग अपने मुकदमों की पैरवी के लिये दीवानी और कलेक्टरी तथा जमीन रजिस्ट्री के लिये रजिस्ट्रार आफिस जाते और लौटते वक्त बेनीराम की इमरती जीमते। मरनी करनी पर भी शोकाकुलों की भीड़ वहां बिना इमरती - पूड़ी उदरस्थ किये वापस घर नहीं लौटती थी।

उसी वक्त मैं अंग्रेजी के शब्द ₹टैलो₹ से परिचित हुआ जिसका अर्थ पशु चर्बी है। बहरहाल बेनीराम इमरती व्यवसाय की जो कमर टूटी, वह दशकों तक ठीक नहीं हो पाई। उसने क्या क्या जतन नहीं किये। हेलीकॉप्टर से कई निकटवर्ती जिलों तक शुद्धता के दावे के पर्चे गिरवाये। उन दिनों कार तक देखने को दुर्लभ थी, हेलीकॉप्टर का तो नाम भी लोग नहीं जानते थे। हवा में घुमड़ते हेलीकॉप्टर को देखने बड़ी भीड़ आ जुटती थी। उससे गिरते, हवा में लहराते रंगबिरंगे पर्चों को लूटने लोग ऐसे टूटते मानों शुद्ध देशी घी की इमरतियां ही बरस रही हों।

श्राद्ध-तर्पण करने के लिए जरूरी चीजें

तांबे का चौड़ा बर्तन, जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल, पानी, कुशा घास, गाय के गोबर से बना कंडा, घी, खीर-पुड़ी, गुड़, तांबे का लोटा

घर पर ही श्राद्ध और तर्पण करने की विधि

श्राद्ध करने की तिथि पर सुबह जल्दी उठें और नहाने के बाद पितरों की तृप्ति के लिए श्राद्ध और दान करने का संकल्प लें।

दोपहर में करीब 12 बजे दक्षिण दिशा में मुंह करके बाएं पैर को मोड़कर, घुटने को जमीन पर टिका कर बैठें।

तांबे के चौड़े बर्तन में जौ, तिल, चावल गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें।

हाथ में कुशा घास रखें और उस जल को हाथों में भरकर सीधे हाथ के अंगूठे से उसी बर्तन में गिराएं। इस तरह 11 बार पितरों का ध्यान करते हुए तर्पण करें।

गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं। कंडों से जब धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़, घी और थोड़ी-थोड़ी खीर-पूरी अर्पित करें।

हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों का ध्यान करते हुए जमीन पर अर्पित करें।

इसके बाद देवता, गाय, कुत्ते, कौए और चींटी के लिए अलग से भोजन निकाल लें।

जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। दान-दक्षिणा दें।

खास बात

श्राद्ध करने के लिए दोपहर में करीब 12 बजे का समय सबसे अच्छा रहता है, इसे कुतुप काल कहते हैं। सुबह और शाम का समय देवी-देवताओं की पूजा के लिए श्रेष्ठ रहता है।

किसी मृत व्यक्ति का पुत्र न हो तो उसकी पत्नी कर सकती है धूप-ध्यान और दान-पुण्य

अभी पितृ (श्राद्ध) पक्ष चल रहा है और आज इस पक्ष की अष्टमी तिथि है। आज उन लोगों के लिए श्राद्ध कर्म किए जाएंगे, जिनकी मृत्यु अष्टमी तिथि पर हुई थी। पितरों के लिए श्राद्ध कर्म और दान-पुण्य पुरुष के साथ ही घर-परिवार की महिलाएं भी कर सकती हैं।

पौराणिक कथा है कि देवी सीता ने राजा दशरथ के लिए पिंडदान, दान तर्पण आदि शुभ काम किए थे। कथा के अनुसार श्रीराम, लक्ष्मण और सीता पितृ पक्ष में राजा दशरथ के लिए पिंडदान करने गया तीर्थ क्षेत्र में गए थे।

उस समय श्रीराम-लक्ष्मण किसी काम से कहीं गए थे, तब सीता फल्गु नदी के किनारे पर उनका इंतजार कर रही थी। उस समय देवी सीता को राजा दशरथ की आत्मा ने दर्शन दिए और कहा था कि तुम ही मेरे लिए पिंडदान कर दो। अपने ससुर की आज्ञा मानकर सीता ने राजा दशरथ के लिए पिंडदान, तर्पण आदि शुभ कर्म किए थे। फल्गु नदी के किनारे पर अपने पुत्र की वधु के हाथो हुए पिंडदान से राजा दशरथ की आत्मा तृप्त हुई थी और उन्होंने सीता को आशीर्वाद दिया था।

घर-परिवार के पूर्वजों को याद करने का पर्व है पितृ पक्ष

पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों को श्रद्धा पूर्वक याद किया जाता है, इसी वजह से इस पक्ष का नाम श्राद्ध पक्ष भी है। दरअसल ये घर-परिवार के पूर्वजों को याद करने का पर्व है। हम अपने पूर्वजों को भी याद करें, उनके नाम पर कुछ ऐसे काम करें, जिनकी वजह से उन्हें आत्म शांति मिल सके, इसी उद्देश्य से पितृ पक्ष में धर्म-कर्म करने की परंपरा है।

किसी मृत व्यक्ति का पुत्र न हो तो पत्नी कर सकती है श्राद्ध

किसी मृत व्यक्ति का पुत्र न हो तो मृत्यु तिथि उसकी पत्नी को पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण के साथ ही दान-पुण्य करना चाहिए। बहू अपने मृत सास-ससुर के लिए भी श्राद्ध कर्म कर सकती है।

अगर किसी मृत व्यक्ति की कोई संतान नहीं है और उसकी पत्नी, माता-पिता भी नहीं हैं तो उसके कुटुंब के लोग पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण कर सकते हैं।

पितृ पक्ष की अमावस्या (2 अक्टूबर) पर घर-परिवार सभी पूर्वजों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध करते समय सभी पितरों का ध्यान करना चाहिए।

किसी मृत व्यक्ति के घर-परिवार में कोई श्राद्ध कर्म करने वाले न हो तो उसके नाम से उसका शिष्य या कोई मित्र भी श्राद्ध कर सकता है।

पितर देवता कौन होते हैं?

घर-परिवार के मृत सदस्यों को पितर देव माना जाता है।

श्रीमद् भगवद्गीता के 10वें अध्याय में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि नागों में शेषनाग और जल-जंतुओं का अधिपति वरुण मैं ही हूं। पितरों में अर्यमा और शासन करने वालों में यमराज मैं ही हूं।

अर्यमा पितरों के राजा का नाम है। अर्यमा ऋषि कश्यप और अदिति के तीसरे पुत्र हैं। यमराज मृत्यु के देवता हैं।

पितृ पक्ष में अर्यमा पितर देव की पूजा की जाती है।

एक मान्यता ये है कि सबसे पहले ब्रह्मा जी के पीठ से पितर देव उत्पन्न हुए थे।

आपने भी घर के मंदिर में रखी है पितरों की तस्वीर? ऐसा करना सही या गलत

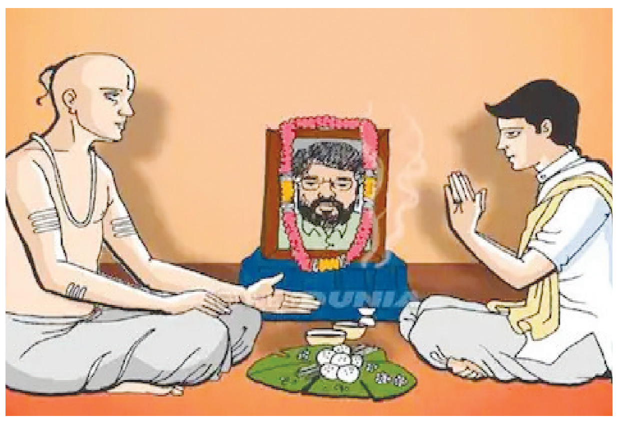

हम अपने घर के मंदिर में भगवान की तस्वीरों या प्रतीमा के अलावा पूजन सामग्री आदि रखते हैं, लेकिन कई लोग मंदिर में ही अपने पूर्वजों की तस्वीर भी रख लेते हैं। ऐसे में कई बार मन में प्रश्न उठता है कि क्या ऐसा करना उचित है? या फिर हम कोई बड़ी गलती कर रहे हैं? ऐसे सवालों का जवाब हमें वास्तु शास्त्र में मिलता है क्योंकि इसमें घर के मंदिर से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख है और साथ ही यह भी बताया गया है कि यहां हमें कौन सी चीज रखनी चाहिए और कौन सी नहीं।

घर के मंदिर में पूर्वजों की तस्वीर लगाना सही या गतल?

– वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर में हमें पूर्वजों या पितरों की तस्वीर कभी नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपको देवों की नाराजगी झेलना पड़ सकती है।

– दरअसल, पितरों का स्थान देवी-देवताओं से नीचे माना गया है। ऐसे में जब आप मंदिर में पूर्वजों की तस्वीर ईश्वर के साथ या बगल में रखते हैं तो यह अनुचित होगा।

– यदि आप अपने घर के मंदिर में पितरों की फोटो रखते हैं तो यह ऐसा होगा जैसे ईश्वर और पितरों का समान होना, जोकि अनुचित होगा।

– घर के मंदिर में यदि आप पितरों की तस्वीर रखते हैं तो इससे आपको पितृ दोष भी लग सकता है, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

– पितरों की तस्वीर भगवान के मंदिर में रखने से नकारात्मकता बढ़ सकती है और आपके घर में संकट के बादल छा सकते हैं।

पितृ पक्ष में क्यों कराया जाता है कौवे को भोजन?

क्यों कौवे को पितरों के रूप में पूजा जाता है?

हिंदू धर्म में कौवों को पितरों का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि यह मान्यता है कि पितरों की आत्माएं कौए के रूप में आकर अपने वंशजों से भोजन और पूजा ग्रहण करती हैं। यह मान्यता श्राद्ध और पितृ पक्ष के दौरान विशेष रूप से प्रचलित है। कौए बिना थके लंबी दूरी की यात्रा तय कर सकते हैं। ऐसे में किसी भी तरह की आत्मा कौए के शरीर में वास कर सकती है और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकती है। इन्हीं कारणों के चलते पितृ पक्ष में कौए को भोजन कराया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, जब किसी व्यक्ति की मौत होती है तो उसका जन्म कौआ योनि में होता है।

पौराणिक कथा के मुताबिक, इंद्र देव के बेटे जयंत ने कौए का रूप धारण किया था। राम जी ने जब कौए की एक आंख में तिनका चला दिया, तो कौए ने श्रीराम से माफी मांगी। इसके बाद, भगवान राम ने उसे आशीर्वाद दिया कि पितृ पक्ष में कौए को दिया गया भोजन पितरों को मिलेगा। ऐसा माना जाता है कि कौवे को भविष्य में होने वाली घटनाओं का थोड़ा-थोड़ा आभास हो जाता है। कौवे को अतिथि के आगमन का संकेत भी माना जाता है।

पितृ पक्ष में इन्हें भी कराया जाता है भोजन

पितृ पक्ष में गाय, कुत्त और चींटी को भी भोजन कराने से पितरों को शांति मिलती है। पितृ पक्ष में गाय को भोजन कराने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। इसके अलावा, पितृ पक्ष में कुत्ते को भोजन कराने से पितरों की आत्मा को संतुष्टि मिलती है।

घर की इन जगहों पर कभी न रखें कूड़ेदान

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी जेब हमेशा भरी रहे। यह बात सच है कि अगर जीवन में आर्थिक मजबूती होती है, तो ज्यादातर समस्याएं आपसे दूर होने लग जाती हैं। खासतौर पर पैसों से जुड़ीं परेशानियां नहीं रहतीं। हम सभी जानते हैं कि जीवन में कई बार ऐसा होता है कि पैसों की तंगी की वजह से रिश्ते खराब होने लग जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए आप मेहनत करने के साथ कुछ ऐसे उपाय भी करें, जिससे कि आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। वास्तु शास्त्र में ऐसे नियम बताए गए हैं, जिसके अनुसार घर की कुछ जगह ऐसी होती हैं, जहां पर कूड़ा-कर्कट नहीं रखा जाना चाहिए, वरना इससे घर में आर्थिक तंगी आ सकती है। आइए, जानते हैं घर में कहां-कहां कूड़ेदान नहीं रखा जाना चाहिए।

पूजा घर वाले कमरे में न रखें डस्टबिन

आजकल बहुत से लोग दीवार पर लकड़ी का मंदिर लगाते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना चाहिए कि आप मंदिर के नीचे डस्टबिन न रखें। इसके अलावा जिस कमरे में आपका पूजा घर है, आपको वहां भी डस्टबिन रखने से बचना चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा आप पर नहीं बरसती क्योंकि माता लक्ष्मी उस घर में वास नहीं करतीं, जहां पर कूड़ा फैला रहता है।

पूर्व दिशा में कभी न रखें कूड़ेदान

सूर्य पूर्व दिशा में उदय होता है इसलिए इस दिशा को शुभ माना जाता है। ऐसे में आपको पूर्व दिशा में कूड़ेदान रखने से बचना चाहिए। पूर्व दिशा में कूड़ेदान रखने से घर में आर्थिक तंगी आती है। साथ ही पूर्व दिशा में कूड़ेदान रखने से धन संचय करने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पश्चिम दिशा में भूलकर भी न रखें कूड़ेदान

आपको उत्तर-पश्चिम दिशा में भूलकर भी कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए। उत्तर-पश्चिम दिशा में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। आप अगर इस दिशा में कूड़ेदान रखते हैं, तो आपको धन हानि होती है। आपको उत्तर-पश्चिम दिशा को हमेशा साफ ही रखना चाहिए क्योंकि यह दिशा धन से जुड़ी हुई है।

घर के मुख्य द्वार पर कभी न रखें कूड़ेदान

घर के मुख्य द्वार पर कभी भी कूड़ेदान न रखें। कूड़ेदान को मुख्य द्वार पर रखने से घर में आर्थिक तंगी आ सकती है। वहीं, मुख्य द्वार पर कूड़ेदान रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा घर कर लेती है, इसलिए आपको कूड़ेदान को मुख्य द्वार यानी मेन गेट पर रखने से बचना चाहिए।

घर की इस दिशा में रखें कूड़ेदान

आप अगर अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास चाहते हैं और देवी लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं, तो आपको घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में कूड़ेदान रखना चाहिए। इससे आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती और वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार इस दिशा को कूड़ेदान रखने के लिए बेहतर बताया गया है।

कुबेर की बारिश: अयोध्या के रामलला बने मालामाल

जब से प्रभु राम अपने मंदिर में विराजमान हुए हैं। तब से प्रतिदिन एक लाख से ज्यादा राम भक्त दर्शन पूजन कर रहे हैं और दिल खोलकर मंदिर निर्माण में दान दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रभु राम के विराजमान होने के बाद कुछ ही सालों में राम मंदिर की सालाना कमाई देश के अन्य मंदिरों के बराबर पहुंच गई है।

राम मंदिर की सालाना आय हुई 400 करोड़ रुपए

राम भक्त देश दुनिया से अयोध्या पहुंचकर दर्शन पूजन कर रहे हैं और दिल खोलकर प्रभु राम को दान भी दे रहे हैं। बीते वित्तीय साल की अगर बात की जाए तो प्रभु राम को 363 करोड़ का दान विभिन्न माध्यम से प्राप्त हुआ, जिसमें मिले ब्याज को मिला कर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ पहुंच गई है।

15 करोड़ रुपए विदेश से भी आए

बता दें कि नवंबर 2019 को रामलाल के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया और 5 अगस्त 2020 को देश के प्रधानमंत्री मोदी ने आधारशिला रखी। जब से मंदिर का निर्माण शुरू हुआ उसी दिन से राम भक्तों ने निधि समर्पित करना भी शुरू कर दिया था। पिछले 5 सालों में प्रभु राम को विभिन्न माध्यम से लगभग 55 अरब रुपए का दान भी प्राप्त हुआ है। जबकि 13 कुंतल चांदी और 20 किलो सोना भी मिला है। इतना ही नहीं पिछले एक साल में विदेश से भी प्रभु राम को लगभग 15 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ है।

जानें देश के मंदिरों की आय

अयोध्या के राम मंदिर के अलावा अगर बात करें देश के अन्य मंदिरों की तो तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर आंध्रप्रदेश में 1450-1613 करोड़ रुपए तथा पद्मनाभस्वामी मंदिर, केरल 650-700 करोड़ रुपए की आमदनी हुई। इसके अलावा स्वर्ण मंदिर पंजाब से 500 करोड़, वैष्णो देवी मंदिर जम्मू एंड कश्मीर से 400 करोड़ हुई है। इसके अलावा शिरडी साईं मंदिर महाराष्ट्र से 400 करोड़ की आमदनी हुई। साथ ही जगन्नाथ मंदिर पुरी उड़ीसा से 230-240 करोड़, श्री सिद्धि विनायक मंदिर महाराष्ट्र से 150 करोड़, अक्षरधाम मंदिर नई दिल्ली से 60-100 करोड़, सोमनाथ मंदिर गुजरात से 50-100 करोड़ रुपए की आमदनी हुई।

अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर प्रोफेसर बोले

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड इकोनामिक एसोसिएशन के अध्यक्ष और अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर लंबे समय से शोध कर रहे अवध विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि देश के प्रमुख मंदिरों की सालाना आय की अगर बात की जाए तो सबसे आगे आंध्र प्रदेश का तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर है। इस मंदिर की सालाना आज लगभग 1600 करोड़ रुपए हुई है।

मां वैष्णो देवी मंदिर की आय

यह दान के अलावा भी आय के अन्य माध्यम हैं। इसके साथ ही केरल की पदमा स्वामी मंदिर की आय भी सालाना लगभग 700 करोड़ रुपए है, तो वहीं, राम मंदिर की सालाना आय कुछ ही सालों में मां वैष्णो देवी और शिरडी साईं मंदिर के बराबर पहुंच गई है।

राम मंदिर ट्रस्ट के प्रभारी ने बताया

वहीं, राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि राम मंदिर में राम भक्त दर्शन पूजन करने के साथ-साथ दिल खोलकर दान भी देते हैं। राम जन्मभूमि सेवा केंद्र स्थित दान काउंटर पर दान समर्पित करते हैं। इसके अलावा राम भक्त कचहरी स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर भी दान देते हैं। मंदिर परिसर में भी दान पत्र बनाए गए हैं। इसके अलावा श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से भी दान देते हैं।

घर के माहौल को खुशहाल बनाता है लकी बांस

फेंगशुई के अनुसार, बांस के पौधे रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और यह कई लाभ प्रदान करते हैं। बांस को विशेष रूप से समृद्धि, भाग्य और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। फेंगशुई के अनुसार बांस के पौधे का घर में होना आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और समृद्धि लाने में सहायक हो सकता है।

धन और समृद्धि: बांस के पौधों को धन के आकर्षण के लिए उपयोग किया जाता है। घर में इनकी उपस्थिति से वित्तीय स्थिरता बढ़ती है। यह पौधा धन की ऊर्जा को आकर्षित करता है और आर्थिक चुनौतियों को कम करता है।

सकारात्मक ऊर्जा: फेंगशुई में बांस के पौधे को लकी बांस के नाम से जाना जाता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में सकारात्मकता का संचार करता है। इसे रखने से घर का माहौल हल्का और खुशहाल बनता है।

स्वास्थ्य और कल्याण: बांस का पौधा जीवन शक्ति को बढ़ाता है। इसकी उपस्थिति से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह तनाव को कम करने और शांति को बढ़ाने में सहायक होता है।

संबंधों में सुधार: बांस के पौधे को रखने से पारिवारिक रिश्तों में सुधार होता है। यह सामंजस्य और प्रेम का प्रतीक है, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच संबंध मजबूत होते हैं।

सजावट और आकर्षण: बांस के पौधे न केवल फेंगशुई के लाभ देते हैं, बल्कि वे घर की सजावट में भी चार चांद लगाते हैं। उनकी हरी-भरी पत्तियां और खूबसूरत आकृतियां घर के वातावरण को जीवंत बनाती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा: बांस का पौधा घर को नकारात्मक ऊर्जा और बुरी दृष्टि से भी सुरक्षा प्रदान करता है। इसे घर के दरवाजे या खिड़कियों के पास रखने से सुरक्षात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

कैसे रखें बांस का पौधा: बांस के पौधे को प्राकृतिक रोशनी में रखें और इसे नियमित रूप से पानी दें। इसे घर के उत्तर या पूर्व दिशा में रखना सबसे शुभ माना जाता है।

शादी के 8 साल बाद तलाक ले सकती हैं उर्मिला बॉलीवुड में कमबैक करना चाहती हैं एक्ट्रेस

90 के दशक की मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर एक बार फिर से चर्चा में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनकी प्रोफेशनल नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ है।

सुनने में आया है कि एक्ट्रेस अपने पति मोहसिन अख्तर से तलाक लेने जा रही हैं। उर्मिला और मोहसिन ने 3 मार्च 2016 में निकाह किया था। अब शादी के 8 साल बाद दोनों के तलाक होने की खबर है।

कपल ने साल 2016 में इंटिमेट वेडिंग की थी। इस शादी में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के अलावा इक्का-दुक्का सेलेब्स ही शामिल हुए थे।

आपसी सहमति से नहीं हो रहा तलाक

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो एक्ट्रेस ने मोहसिन से तलाक की अर्जी दे दी है। दोनों के अलग होने की वजह तो सामने नहीं आई, पर सूत्रों के मुताबिक, यह तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि उर्मिला और मोहसिन पिछले काफी वक्त से साथ नहीं रह रहे हैं। इस खबर पर अब तक कपल की तरफ से भी कोई ऑफिशियल रिएक्शन सामने नहीं आया है।

बॉलीवुड में कमबैक करना चाहती हैं उर्मिला

चर्चा है कि इस तलाक की वजह उर्मिला का कमबैक भी हो सकता है। एक्ट्रेस अपने काम पर फोकस करके फिल्मों में वापसी करना चाहती हैं।

एक साल से पति के साथ कोई पोस्ट शेयर नहीं किया

हैरानी की बात यह है कि सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के बाद भी उर्मिला के अकाउंट पर पति मोहसिन के साथ कोई फोटो नजर नहीं आ रही। एक्ट्रेस ने पिछले साल 29 जून को पति के साथ आखिरी फोटो अपलोड किया था।

मनीष मल्होत्रा ने करवाई थी दोनों की मुलाकात

मोहसिन अख्तर मीर से उर्मिला ने साल 2016 में शादी की थी। दोनों की उम्र में 10 साल का अंतर है। दोनों की मुलाकात डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की वजह से हुई थी। मनीष दोनों के कॉमन फ्रेंड हैं।

मोहसिन असल में कश्मीर से आए बिजनेसमैन और मॉडल हैं। वो 'इट्स अ मैन्स वर्ल्ड', 'लक बाय चांस' और 'बीए पास' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। वो मनीष मल्होत्रा के लेबल से भी जुड़े हैं। वर्कफ्रंट पर उर्मिला आखिरी बार 2018 में रिलीज हुई इरफान खान की फिल्म 'ब्लैकमेल' में नजर आई थीं।

पेरिस में ऐश्वर्या और आलिया ने की रैंप वॉक फैंस ने दिया 'इंडियन क्वीन' का टैग

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन और आलिया भट्ट ने 'पेरिस फैशन वीक 2024' में रैंप वॉक की है। दोनों के वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। ऐश ने जहां रेड वन पीस में रैंप वॉक की। वहीं आलिया यहां मैटेलिक सिल्वर बस्टियर पहने नजर आईं, जिसे उन्होंने ब्लैक ऑफ-शोल्डर जंप सूट के साथ पेयर किया था।

ऐश ने सभी को नमस्ते किया

इवेंट में ऐश्वर्या ने लहराते हुए बालों के साथ एंट्री ली। उन्होंने रैंप वॉक खत्म करके सभी को नमस्ते किया। इवेंट में ऐश 'ब्रिजर्टन' फेम एक्ट्रेस सिमोन एशले, ईवा लोंगोरिया और कैमिला कैबेलो के साथ बातचीत करती नजर आईं।

आलिया ने एंडी मैकडॉवल के साथ रैंप वॉक की

दूसरी तरफ आलिया ने यहां अमेरिकन एक्ट्रेस एंडी मैकडॉवल के साथ रैंप वॉक की। एक्ट्रेस ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इवेंट के कई फोटोज शेयर किए।

वर्कफ्रंट पर जहां ऐश्वर्या की आखिरी फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' थीं। वहीं आलिया जल्द ही फिल्म 'जिगरा' में नजर आएंगी। फिल्म 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होगी।

वाशु भगनानी की शिकायत पर नेटफ्लिक्स की खरी खरी, हमें पूजा एंटरटेनमेंट से लेने हैं बाकी के पैसे

कभी हिंदी सिनेमा के प्रोड्यूसर नंबर वन रहे निर्माता वाशु भगनानी की फिल्म निर्माण कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट की बनाई फिल्मों में काम करने वालों के बकाया पैसे का मामला अब एक नया मोड़ लेता दिख रहा है। अपनी पिछली फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के निर्देशक और दूसरे लोगों की फीस न देने का आरोप झेल रहे वाशु भगनानी ने अब उन लोगों के खिलाफ नए सिरे से मोर्चा खोल दिया है जो उनसे पैसे मांग रहे हैं। इनमें अमेरिकी ओटीटी कंपनी नेटफ्लिक्स भी शामिल है।

पहले बात फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर हैं जिन्होंने हिंदी सिनेमा को 'टाइगर जिंदा है', 'सुल्तान' और 'भारत' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। वह 'जोगी' और 'ब्लडी डैडी' जैसी चर्चित ओटीटी फिल्म भी बना चुके हैं। फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' अपने एलान के दिनों से ही अपने बजट और फिल्म के मुख्य हीरो अक्षय कुमार की फीस को लेकर चर्चा में रही फिल्म है। फिल्म के रिलीज होने के बाद ही इससे जुड़े लोगों ने फिल्म में काम करने के एवज में मेहनताना न मिलने की शिकायत अपनी अपनी यूनियनों में दर्ज करानी शुरू की।

फीस न मिलने का सबसे ताजा मामला फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर का है जिन्होंने इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन से अपना मेहनताना दिलाए जाने की अपील की है। मामले को लेकर निर्माता कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट को नोटिस जा चुका है। इस बीच पता ये भी चला है कि पूजा एंटरटेनमेंट ने अली अब्बास जफर पर फिल्म की जॉर्डन में हुई शूटिंग के दौरान कथित आर्थिक गड़बड़ी को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। गौरतलब यहां ये भी है कि अली अब्बास जफर और उनके सहयोगी हिमांशु किशन मेहरा की कंपनी भी इस फिल्म के निर्माताओं में शामिल है। और, फिल्म की जॉर्डन में शूटिंग का जिम्मा भी अली की कंपनी ने ही संभाला।

अली अब्बास जफर के साथ चल रहे फिल्म के निर्देशन की फीस के विवाद के बीच बुधवार को एक नया मामला वाशु भगनानी की फिल्मों के राइट्स को लेकर उछला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वाशु भगनानी ने अपनी तीन फिल्मों 'हीरो नंबर वन', 'मिशन रानीगंज' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के ओटीटी राइट्स के करीब 47.37 करोड़ रुपये नेटफ्लिक्स पर बकाया होने का आरोप लगाया है, जबकि नेटफ्लिक्स के सूत्र बताते हैं कि ओटीटी राइट्स को लेकर वाशु भगनानी और नेटफ्लिक्स का एक विवाद पहले से अदालत में हैं। बताते हैं कि अदालत में विचाराधीन मामले को भी वाशु ने इस मामले में शामिल कर लिया है और इस मामले में नेटफ्लिक्स की तरफ से अगली तारीख पर अदालत के संज्ञान में ये मामला लाने की तैयारी की जा रही है।

इस बारे में नेटफ्लिक्स से संपर्क किए जाने पर ओटीटी ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि उसके ऊपर वाशु भगनानी का कोई बकाया है, उल्टे उन्हें उनकी कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट से पैसे लेने हैं। कंपनी का ये भी कहना है कि भारतीय रचनात्मक समुदाय के साथ उसके कारोबारी रिश्ते काफी मजबूत रहे हैं और वह इस पूरे मसले को एक निर्णायक बिंदु तक लाने के लिए कृतसंकल्प है।

मलयाली एक्टर सिद्दीकी के खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी

कोर्ट से नहीं मिली अग्रिम जमानत, फरार घोषित, नंबर भी बंद, एक्ट्रेस ने लगाए थे शारीरिक शोषण के आरोप

हेमा कमेटी कि रिपोर्ट सामने आने के बाद मलयाली एक्ट्रेस रेवती संपत्त ने सीनियर एक्टर सिद्दीकी पर शारीरिक शोषण के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। आज केरल हाईकोर्ट ने सिद्दीकी को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। एक्टर को कोर्ट में पेश होना था, हालांकि एक्टर कोर्ट नहीं पहुंचे। अब उनके खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी किया गया है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए घर पहुंची थी, लेकिन तब तक एक्टर फरार हो चुके थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, केरल हाईकोर्ट में सिद्दीकी की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई, जहां कोर्ट ने इससे साफ इनकार कर दिया है। एक्टर सिद्दीकी की गिरफ्तारी होनी थी। सिद्दीकी की तलाश में पुलिस उनके दो घरों में पहुंची, लेकिन वो वहां नहीं मिले। उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले दोनों मोबाइल नंबर भी बंद हैं। ऐसे में उन्हें फरार घोषित कर दिया गया है। रिपोर्ट्स हैं कि जमानत के लिए एक्टर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

क्या है पूरा मामला?

हेमा कमेटी की रिपोर्ट सामने आने के बाद साउथ एक्ट्रेस रेवती संपत ने अगस्त में एक्टर सिद्दीकी के खिलाफ शारीरिक शोषण करने के आरोप लगाते हुए त्रिवेंद्र म्यूजियम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। एक्ट्रेस के आरोप हैं कि 8 साल पहले साल 2016 में सिद्दीकी ने उन्हें एक फिल्म पर चर्चा करने के लिए मस्कट होटल बुलाया था, जहां उनका शारीरिक शोषण किया गया था।

शिकायत दर्ज करवाने से पहले भी रेवती ने इस घटना पर बात की थी। हालांकि तब सिद्दीकी ने सफाई में कहा था कि रेवती उन्हें बेवजह फंसाने की कोशिश कर रही हैं। बचाव में सिद्दीकी ने डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा था कि रेवती द्वारा लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं, क्योंकि वो 2016 में उनसे उनके पेरेंट्स की मौजूदगी में मिले थे।

सीनियर एक्टर सिद्दीकी एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट के जनरल सेक्रेटरी थे, हालांकि आरोप लगने के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस मामले के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई थी, जो मलयाली सिनेमा से आ रहे सेक्शुअल हैरेसमेंट के मामलों की जांच के लिए गठित की गई है।

करीना कपूर ने साइन की बिग बजट पैन इंडिया फिल्म!

साल 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के बाद अभिनेत्री करीना कपूर खान ने कई फिल्मों में काम किया और दर्शकों का मनोरंजन किया। अभिनेत्री ने अब इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं और इस बड़ी उपलब्धि का जश्न उन्होंने खास अंदाज में मनाया है। इंडस्ट्री में 25 साल पूरे होने के खास मौके पर करीना अब भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फीचर फिल्मों में से एक में अभिनय करने के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, करीना कपूर खान अपने करियर की सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्म में काम करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले नौ महीनों में अभिनेत्री को बड़ी पैन इंडिया फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं और अब उन्होंने आखिरकार एक बड़ा प्रोजेक्ट साइन कर लिया है।

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि फिल्म की निर्देशक इस समय इंडस्ट्री के सबसे मशहूर नामों में से एक हैं। दावा किया गया कि यह एक ऐसा किरदार है, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं किया है। फिल्म के निर्देशक इस इंडस्ट्री का जाना माना नाम है। करीना कपूर ने कहानी सुनने के बाद तुरंत इस फिल्म के लिए हां कर दी और बतौर अभिनेत्री वे अपनी 25वें साल में यह नई चुनौती लेने के लिए उत्साहित हैं।'

बताया जा रहा है कि करीना कभी भी किसी प्रोजेक्ट को इतनी जल्दी स्वीकार नहीं करती हैं और नए प्रोजेक्ट साइन करने में बहुत सावधानी बरतती हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट ने उन्हें चौंका दिया और वह अपनी सीमाओं को पार करके इस भूमिका को निभाने के लिए पहले से ही उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी और 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

वहीं, बात करें करीना कपूर की आगामी फिल्मों के बारे में तो वर्तमान में अभिनेत्री क्राइम थ्रिलर फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' में नजर आ रही हैं। फिल्म में उन्होंने प्राइवेट जासूस की भूमिका निभाई है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वहीं, अब करीना कपूर के पास रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'सिंघम अगेन' है, जिसमें अजय देवगन, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण और अर्जुन कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

पवन कल्याण-कार्ति के बीच विवाद सुलझने के बाद सूर्या ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेता कार्ति के तिरुपति के लड्डू पर दिए गए बयान के बाद अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण नाराज हो गए थे। इसके बाद कार्ति ने माफी भी मांगी थी, जिसे स्वीकार करते हुए पवन कल्याण ने उन्हें आगामी फिल्म मेयाझगन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने इस पोस्ट में सुपरस्टार सूर्या को टैग भी किया।

सूर्या ने कहा धन्यवाद

सूर्या ने भी कुछ ही समय बाद इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पवन कल्याण को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि, उन्होंने कार्ति और पवन कल्याण के बीच के मुद्दे कुछ भी नहीं लिखा। सूर्या ने पोस्ट के जवाब में लिखा, आपकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद सर! कार्ति ने भी पवन की पोस्ट का जवाब देते हुए उन्हें उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया।

इस वजह से नाराज हो गए थे पवन कल्याण

गौरतलब है कि आगामी फिल्म, मेयाझगन/सत्यम सुंदरम के प्रचार कार्यक्रम के दौरान कार्ति से जब तिरुपति के लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल के दावों पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो अभिनेता ने इसे संवेदनशील मुद्दा कहकर सवाल को टालने की कोशिश की। हालांकि, इस दौरान वह इस हंस पड़े। यही बात पवन कल्याण को पसंद नहीं आई और उन्होंने अभिनेता को सख्त हिदायत दे दी। प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कार्ति को उनके व्यवहार के लिए खरी-खोटी सुनाई। इसके बाद कार्ति ने एक्स पर उनसे औपचारिक रूप से माफी मांगी।

साउथ के वर्क कल्चर पर जूनियर एनटीआर की दोटूक

जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवरा' को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में पहली बार जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की रोमांटिक जोड़ी को देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। कोराटाला शिवा की निर्देशित यह फिल्म 27 सितंबर की निर्धारित रिलीज तिथि पर जल्द ही रिलीज होने वाली है। अब हाल ही में, अभिनेता ने 'देवरा' और 'जिगरा' के क्रॉस-प्रमोशनल इवेंट के दौरान जूनियर एनटीआर ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में वर्क कल्चर के बारे में खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है।

इस इवेंट में करण जौहर और आलिया भट्ट से बातचीत करते हुए, आरआरआर अभिनेता ने दावा किया कि साउथ की फिल्में अव्यवस्थित तरीके से बनाई जाती हैं। आगे बताते हुए, अभिनेता ने खुलासा किया कि जबकि हर कोई खुद से अपना अच्छा प्रदर्शन करता है तो टीम वर्क प्लानंस को फॉलो करना बंद कर देती है और अपने अनुसार काम करती है।

जूनियर एनटीआर ने आगे कहा, बहुत ज्यादा तैयारी करने से आपको खुद को एक्सप्लोर करने का मौका नहीं मिलता। साउथ फिल्मों के सेट को हमेशा अव्यवस्थित तरीके से व्यवस्थित किया जाता है। जैसे, अगर प्रिंट कल आने हैं, तो टीम फिर भी एक कुछ और समय मांगेगी क्योंकि वे एडिट में कुछ बदलाव करना चाहते हैं। समय बीतता जाता है और प्रिंट डिलीवरी होने हैं, लेकिन आप अभी भी फिल्म पर काम कर रहे हैं।

यही नहीं, अभिनेता ने आगे कहा कि साउथ की फिल्मों के निर्माता और क्रू अक्सर शूटिंग के एक लंबे दिन की तैयारी करने से चूक जाते हैं और इसके बजाय आराम करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे सिर्फ गड़बड़ वाली परिस्थितियों में ही अभिनेता के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं। बता दें कि 'देवरा' का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है। संगीत रचना अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा की गई है। यह फिल्म 27 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कर्नाटक हाई कोर्ट के जज की विवादित टिप्पणी का मामला, सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त मांगी माफी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज जस्टिस श्रीशानंद ने अपनी विवादित टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट में दायर माफीनामे में जस्टिस श्रीशानंद ने कहा है कि उनके बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया। उनका इरादा किसी की भावनाओं को आहत करने का नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें ये देखना होगा कि जस्टिस श्रीशानंद ने खुली अदालती कार्यवाही में माफी मांगी है। न्यायपालिका के हित में यह जरूरी है कि हम उनके माफी को स्वीकार करें और इस मामले में आगे कोई कार्रवाई न करें।

माफीनामा हुआ स्वीकार

सुप्रीम कोर्ट ने उनके माफीनामे को स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई बंद की। कर्नाटक हाईकोर्ट के जज जस्टिस श्रीशानंद की विवादित टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगी थी।

क्या था विवादित बयान?

जस्टिस श्रीशानंद ने 28 अगस्त को रोड सेफ्टी पर चर्चा के बाद विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने बेंगलुरु के एक इलाके को पाकिस्तान बताया था। वहीं, दूसरी टिप्पणी एक महिला वकील के लिए की गई थी। दोनों ही टिप्पणियों की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 20 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणियों वाली वीडियो क्लिप पर स्वतः संज्ञान लिया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, सूर्यकांत और हृषिकेश रॉय की 5 न्यायाधीशों की पीठ ने कर्नाटक हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगने का आदेश पारित किया था।

जज ने अपने बयान पर खेद जताया था

कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद ने अपने हालिया बयानों पर खेद व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि ऐसा अनजाने में हुआ। समाज के किसी व्यक्ति या वर्ग की भावनाओं को आहत के लिए नहीं था। यह स्पष्टीकर उन्होंने बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन के सदस्यों की मौजूदगी में अदालत में दिया था।

पुलिस ने कब्र से निकलवाया शव: अब खुलेगा फराह की मौत का राज

देहरादून, 25 सितंबर (एजेंसियां)। देहरादून के वसंत विहार क्षेत्र में सात दिन पहले हुई गर्भवती महिला की मौत का राज अब खुल सकेगा। पुलिस ने परिजनों के मुकदमा दर्ज करवाने के बाद अब हत्या की आशंका को देखते हुए महिला का शव कब्र से निकलवाया है। शव का कोरोनेशन अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। दरअसल, हत्या का आरोप महिला के ससुराल पक्ष के लोगों पर है। सुसराल वालों ने मायके पक्ष को बताया था कि महिला ने जहर खाकर आत्महत्या की है, लेकिन उन्हें सूचना मिली कि महिला को गला दबाकर मारा गया है।

टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन बोले- पीएम मोदी ने अब तक नहीं की मणिपुर की यात्रा

कोलकाता, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की प्रवासी पक्षी 'आर्कटिक टर्न' से तुलना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बुधवार को कहा कि पिछले साल मई से जातीय संघर्ष झेल रहे मणिपुर की अब तक नरेन्द्र मोदी ने यात्रा नहीं की है। आर्कटिक टर्न उर्फ मोदी की अब तक मणिपुर यात्रा नहीं हुईः ओ ब्रायन राज्यसभा में तृणमूल के संसदीय दल के नेता ओ ब्रायन ने 'एक्स' पर 'अब तक नहीं' शीर्षक वाले पोस्ट में यह भी कहा कि लोकसभा में उपाध्यक्ष अब तक नियुक्त नहीं किया गया है तथा संसदीय समितियां अब तक नहीं गठित की गई हैं। उन्होंने कहा, " लोकसभा में अब तक नहीं हैं उपाध्यक्ष। अब तक संसदीय समितियां नहीं बनाई गई।" विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने मांग की है कि उपाध्यक्ष विपक्षी दलों में किसी एक से नियुक्त किया जाए।

सतरहवीं लोकसभा में उसके पूरे कार्यकाल के दौरान उपाध्यक्ष नहीं था। ओ ब्रायन ने लिखा, " आर्कटिक टर्न उर्फ मोदी की अब तक मणिपुर यात्रा नहीं हुई।"मणिपुर पिछले साल तीन मई से जातीय हिंसा की चपेट में है, जब बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग के खिलाफ इस पूर्वोत्तर राज्य के पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकता मार्च निकाला गया था। उसके बाद हिंसा फैल गई थी। कुकी और मेइती समुदायों के सदस्यों एवं सुरक्षाकर्मियों समेत 220 से अधिक लोगों की इस हिंसा में मौत हो चुकी है। आर्कटिक टर्न एक ऐसा पक्षी है जो प्राणी जगत में सबसे अधिक समय का प्रवासन करता है। हर साल यह पक्षी आर्कटिक क्षेत्र से अंटार्कटिका जाता है और लौट आता है। 'बंगाल जैसे राज्यों को अब तक जारी नहीं किया फंड' ओ ब्रायन की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब मोदी अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा से लौटे हैं।

शिवाजी की नई मूर्ति के लिए टेंडर जारी, 60 फुट ऊंची प्रतिमा के लिए बीस करोड लागत का अनुमान

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में स्थित राजकोट किले में स्थापित शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची प्रतिमा बीते माह 26 अगस्त 2023 को गिर गई थी। इस प्रतिमा के गिरने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने नई प्रतिमा के निर्माण का ऐलान किया है। इसको लिए प्रदेश सरकार ने फंड की स्वकृति दे दी है। महाराष्ट्र सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग ने प्रतिमा के निर्माण को लेकर टेंडर भी जारी कर दिया है। सिंधुदुर्ग में स्थापित होने वाली छत्रपति शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा पिछली प्रतिमा से भव्य और विशाल होगी। शिवाजी महाराज की नई प्रतिमा का निर्माण 20 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण का काम पूरा करने के लिए छह महीने की समय सीमा तय की है। महाराष्ट्र सरकार ने वहां 60 फुट ऊंची नई मूर्ति के निर्माण के लिए टेंडर जारी की है, जो पिछली मूर्ति से लगभग दोगुनी ऊंची है। महाराष्ट्र सरकार ने वहां 60 फुट ऊंची नई मूर्ति के निर्माण के लिए टेंडर जारी की है, जो पिछली मूर्ति से लगभग दोगुनी ऊंची है। प्रतिमा निर्माण के 500 पेज पर आधारित टेंडर के दस्तावेज जारी किए गए हैं। शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने से सबक लेते हुए नई प्रतिमा के निर्माण के लिए विशेष जानकारी शेयर की गई,

जिससे इस बार गड़बड़ी की संभावना न रहे। महाराष्ट्र सरकार के पीडब्यूडी विभाग की तरफ से जारी टेंडर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा क डिजाइन, इंजीनियरिंग, स्थापना और इसके रखरखाव सहित कई बातों का जिक्र किया गया है।

भाजपा के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ेंगी संजय दत्त की बहन प्रिया?

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आने वाले कुछ ही दिनों में विधानसभा चुनाव का आयोजन होगा। चुनाव आयोग जल्द ही इसके लिए तारीखों का ऐलान कर सकता है। भाजपा और कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दल चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच अब अभिनेता संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त के भी चुनाव लड़ने की संभावना तेज हो गई है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतर सकती हैं।

आशीष शेलार के खिलाफ चुनाव लड़ने की अटकलें

बीते सोमवार कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड और विधायक असलम शेख ने कांग्रेस की नेता प्रिया दत्त से मुलाकात की है।

विधानसभा चुनाव नजदीक है और सीट बंटवारे को लेकर महायुति और महा विकास आघाड़ी दोनो अपने सबसे बेहतरीन उम्मीदवार को आमने-सामने खड़ा करना चाहते हैं। इसलिए इस मुलाकात के बाद यह अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या कांग्रेस बांद्रा पश्चिम की सीट से आशीष शेलार के खिलाफ प्रिया दत्त को अपना उम्मीदवार घोषित कर सकती है।

कौन हैं प्रिया दत्त?

प्रिया दत्त दिवंगत अभिनेता सुनील दत्त की बेटी और एक्टर संजय दत्त की बहन हैं। आपको बता दें कि प्रिया दत्त साल 2009 में मुंबई उत्तर मध्य सीट से कांग्रेस की सांसद रह चुकी हैं। हालांकि, साल 2019 और 2024 में वह भाजपा की पूनम महाजन के खिलाफ चुनाव हार गई थीं। बीते कुछ समय से प्रिया दत्त कांग्रेस में सक्रिय भूमिका में दिखाई नहीं दी हैं।

अमित शाह की महायुति नेताओं संग बैठक

दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्रपति संभाजीनगर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार से मुलाकात की है। मंगलवार रात हुई इस मुलाकात के बारे में मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मुलाकात सकारात्मक रही और सब कुछ ठीक चल रहा है। बैठक के बाद जब पत्रकारों ने हवाई अड्डे पर शिंदे से सीट बंटवारे के बारे में पूछा तो मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही और जल्द फैसला लिया जाएगा।

गर्भ में पल रही बेटी को मारने के लिए महिला का घर में ही किया अबॉर्शन, खेत में दफनाया भ्रूण

पुणे, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। जहां घर में गर्भपाल कराने से एक 24 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मृतक महिला के पति और ससुर को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही उसकी सास पर भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को जांच के दौरान पता चला है कि महिला का कुछ दिन पहले घर में ही गर्भपात कराया गया था जिससे महिला की तबीयत खराब होने लगी और मौत हो गई। पुलिस जांच के दौरान यह भी पता चला है कि महिला के गर्भपात के बाद चार महीने के भ्रूण को परिवार ने खेत में ही दफनाया था। बता दें कि मृतक महिला की 2017 में शादी हुई थी। उसका एक लड़का और एक लड़की दो बच्चे हैं। पुलिस को संदेह है कि जब परिवार को पता चला कि भ्रूण लड़की है तो उन्होंने घर पर ही महिला का गर्भपात करवा दिया। गर्भपात कराने के लिए किसी निजी डॉक्टर को भी बुलाया गया था। पुलिस अब उस निजी डॉक्टर की भी तलाश कर पूछताछ करने वाली है।

इंदापुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी के अनुसार रविवार को भारी रक्तस्राव की वजह से महिला की हालत खराब हो गई। जिसके बाद अगले दिन परिवार के लोग उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। मृतक महिला के भाई की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके बाद महिला के पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया

कौन हैं नरेंद्र जी जो बनेंगे उत्तराखंड एचसी के सीजे, सुप्रीम कोर्ट की कोलॉजियम ने की सिफारिश

देहरादून, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की कोलॉजियम ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति नरेंद्र जी को उत्तराखंड हाई कोर्ट का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। यह सिफारिश सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी। वाई। चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में 24 सितंबर 2023 को की गई। उत्तराखंड हाईकोर्ट की मौजूदा मुख्य न्यायाधीश रितु बाहरी 10 अक्टूबर 2024 को सेवानिवृत्त हो रही हैं, और उनके स्थान पर न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। की नियुक्ति 10 अक्टूबर से प्रभावी मानी जाएगी।

न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। कर्नाटक हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं और उनका पैतृक हाईकोर्ट कर्नाटक है। उन्होंने अपनी न्यायिक यात्रा 2015 में कर्नाटक हाईकोर्ट से शुरू की थी और 2023 में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में स्थानांतरित हुए थे। न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले, उन्होंने कर्नाटक उच्च न्यायालय में वकालत की। न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। को न्यायिक और प्रशासनिक मामलों में गहरा अनुभव है। उनकी कर्नाटक और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में सेवा के दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण फैसले दिए और न्यायिक प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोलॉजियम ने यह भी ध्यान दिया कि वर्तमान में कर्नाटक हाईकोर्ट का कोई प्रतिनिधि देश के उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों में नहीं है, इसलिए न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। को उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। का जन्म 10 जनवरी 1964 को हुआ। उन्होंने बैचलर ऑफ आर्ट्स और एलएलबी में स्नातक की पढ़ाई की है। 23 अगस्त 1989 को उन्हें बार काउंसिल ऑफ तमिलनाडु में एक वकील के रूप में नामांकित किया गया। 1989 से 1992 तक उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस की, जिसके बाद 1993 में उन्होंने कर्नाटक स्टेट बार काउंसिल में अपना पंजीयन स्थानांतरित किया। न्यायिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के अलावा, न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। खेल और एनसीसी में भी अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए पहचाने जाते हैं। उन्हें 1982-83 में एनसीसी बेस्ट कैडेट के रूप में सम्मानित किया गया था। साथ ही, उसी वर्ष उन्हें जूडो स्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी मिला था।

उत्तराखंड हाईकोर्ट को मिलेंगे नए मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति रितु बाहरी के सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालेंगे। कोलॉजियम ने माना कि न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। उत्तराखंड हाईकोर्ट का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त हैं और उनके अनुभव से राज्य के न्यायिक क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। यह नियुक्ति न्यायिक प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। न्यायमूर्ति नरेंद्र जी। के न्यायिक दृष्टिकोण और अनुभव के आधार पर उत्तराखंड हाईकोर्ट में न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार की उम्मीद की जा रही है।

तेंदुए के हमले में 9 साल के बच्चे की मौत, खेत में शौच के लिए गया था

पुणे, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में बुधवार तड़के एक तेंदुए ने नौ वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा जुन्नर तहसील के तेजीवाड़ी में अपने घर के पास खेत में शौच के लिए गया था। शौच के लिए जाते समय तेंदुए ने बच्चे पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे के दादा भी आसपास ही थे। जुन्नर क्षेत्र के उप वन संरक्षक अमोल सतपुते ने बताया, 'ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जब बच्चा शौच के लिए गया था तो उस दौरान एक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे खेतों के अंदर ले गया।' उन्होंने बताया, 'बाद में बच्चे का शव मिला, जिस पर गंभीर घाव थे।' अधिकारी ने बताया कि बच्चे के माता-पिता ईंट के भट्टे पर काम करते हैं और अहमदनगर जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों के लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है,

दिल्ली: एमसीडी में कल होने वाले स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव से पहले आप को बड़ा झटका, दो पार्षद बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में कल होने वाले सबसे महत्वपूर्ण स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव से पहले बीजेपी ने आम आदमी पार्टी (आप) को तगड़ा झटका दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद प्रीति और सरिता फोगाट बुधवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। प्रीति वार्ड नंबर 217 दिलशाद कॉलोनी से पार्षद हैं, जबकि फोगाट वार्ड नंबर 150 ग्रीन पार्क की पार्षद हैं। आप के दोनों नेता दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद सचदेवा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा की मौजूदगी में भगवा पार्टी में शामिल हुए। बीजेपी में शामिल होने के बाद प्रीति ने कहा कि वह चार बार पार्षद रही हैं और हमेशा लोगों के बीच रहकर नागरिक मुद्दों से संबंधित उनकी समस्याओं को हल करने में मदद करने की कोशिश करती रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं केजरीवाल और उनकी पार्टी में यह सोचकर शामिल हुई थी कि वे कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन अब मुझे आप छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वहां एक अलग माहौल है और यह मेरे लिए असहनीय हो गया है। एमसीडी पार्षद ने मुख्यमंत्री आतिशी और अपने क्षेत्र के स्थानीय विधायक की भी आलोचना की और दावा किया कि अगर किसी ने नालियों और गंदे पानी की आपूर्ति जैसी लोगों की शिकायतें उठाईं तो दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी में से किसी ने भी उनकी बात नहीं सुनी। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सदन की बैठक होगी। इसमें स्टैंडिंग कमेटी के एक सदस्य का चुनाव होना है। कमलजीत शेहरावत के सांसद बन जाने के बाद स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य का एक पद खाली हो गया था। जिस पर कल चुनाव होना है। दिल्ली में बेशक आम आदमी पार्टी का मेयर है लेकिन दो पार्षदों के बीजेपी में शामिल होने से स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य और चेयरमैन के चुनाव में बीजेपी का दावा मजबूत हो सकता है। इससे पहले भी आम आदमी पार्टी के पांच पार्षद अगस्त महीने में बीजेपी में शामिल हो गए थे। भाजपा में शामिल होने वाले पार्षदों में रामचंद्र (वार्ड 28), पवन सहरावत (वार्ड 30), ममता पवन (वार्ड 177), सुगंधा बिधूड़ी (वार्ड 178) और मंजू निर्मल (वार्ड 180) शामिल थे। दो पार्षद-रामचंद्र और सहरावत-नरेला जोन से हैं,

नालासोपारा में 22 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म

3 के खिलाफ मामला दर्ज; सभी आरोपी फरार

नालासोपारा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पालघर के नालासोपारा इलाके में 22 वर्षीय युवती से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने 3 लोगों - संजू श्रीवास्तव, नवीन सिंह और हेमा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अचोले पुलिस के अनुसार, युवती के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि युवती ने आरोप लगाया है कि पैसे देने के बहाने उसे बुलाकर उसके पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाया गया और फिर उसके साथ बलात्कार किया गया, इस दौरान कैमरे पर उसका वीडियो भी बना लिया गया। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी फरार हैं। वहीं, कुछ दिन पहले नवी मुंबई से 17 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। कलंबोली पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक विजय कांबले ने बताया था कि 30 वर्षीय व्यक्ति पीड़िता को 19 सितंबर को करंजाडे इलाके में एक दूसरे आरोपी (29)के घर लेकर गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

लड़की की मां ने की थी शिकायत

पुलिस के अनुसार लड़की की मां की शिकायत पर उसी दिन दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और उन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) (दुष्कर्म) और 3(5) (साझा मंशा को आगे बढ़ाने के लिए कई व्यक्तियों द्वारा किया आपराधिक कृत्य) तथा बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) कानून के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। इससे पहले मुंबई सेंट्रल स्थित सरकारी नायर अस्पताल के एक सहायक प्रोफेसर को एक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में निलंबित करने की खबर सामने आई थी। एक अधिकारी ने बताया था कि शनिवार को आरोपी सहायक प्रोफेसर को निलंबित कर दिया गया था।

महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष के ट्रस्ट को नहीं मिली जमीन, डिप्टी सीएम अजित पवार ने लगाया अड़ंगा?

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कैबिनेट ने सोमवार को वित्त विभाग की कड़ी आपत्तियों के बाद राज्य बीजेपी प्रमुख चन्द्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता वाले एक सार्वजनिक ट्रस्ट को जमीन के सीधे आवंटन से इनकार कर दिया। डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने इसे लेकर कड़ी आपत्ति जताई, जिसके बाद कैबिनेट ने इस पर फैसला लिया। डिप्टी सीएम पवार के नेतृत्व वाले फाइनेंस डिपार्टमेंट की कड़ी आपत्तियों के बाद स्टेट कैबिनेट ने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए नागपुर में 5 हेक्टेयर भूमि (12.35 एकड़) के सीधे आवंटन के राजस्व विभाग के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

अजित पवार के विभाग ने जताई आपत्ति

महालक्ष्मी जगदंबा संस्थान, कोराडी की मांग पर राजस्व विभाग के प्रस्ताव को लेकर आपत्ति जताते हुए वित्त विभाग ने कहा, ''ट्रस्ट हायर और तकनीकी शिक्षा में सक्रिय नहीं लगता है। ट्रस्ट अनुसंधान गतिविधियों में शामिल नहीं है। हालांकि, यह दिव्यांगों और समाज के वंचित वर्गों के लिए काम करता है। इस कार्य के लिए स्थायी भूमि की जरुरत नहीं है।''

सरकारी प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश

जिला कलेक्टर, नागपुर की रिपोर्ट के अनुसार, महालक्ष्मी जगदंबा संस्थान, कोराडी के तहत जूनियर कॉलेज और विज्ञान-कला-वाणिज्य कॉलेज शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। राजस्व विभाग, जिसके प्रमुख बीजेपी के मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल हैं, ने अब ट्रस्ट को भूमि आवंटन के लिए सरकारी प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया है।

चंद्रशेखर बावनकुले ने क्या कहा?

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत में कहा, ''यह एक पुराना ट्रस्ट है और वह केवल दो साल के लिए इसके अध्यक्ष थे। यह कोई निजी मामला नहीं है। मैं धार्मिक उद्देश्य के लिए काम कर रहा हूं। यह नेक काम है। हमारा ट्रस्ट जमीन की रेडी रेकनर दर का भुगतान करेगा और इसे पट्टे पर लेगा। यह मेरी निजी संपत्ति नहीं होगी।'' उन्होंने कहा, ''हम कोई गैरकानूनी काम नहीं करेंगे और हर नियम का पालन करेंगे।'' ये मामला 29 नवंबर, 2023 का है, जब ट्रस्ट ने अपने सचिव दत्तूजी समरितकर के माध्यम से एक जूनियर कॉलेज, विज्ञान-कला-वाणिज्य कॉलेज और तकनीकी और नर्सिंग शिक्षा कॉलेज को कौशल विकास केंद्र के रूप में बनाने के लिए जमीन की मांग की थी।

'मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना' के लिए नहीं है बजट? मंत्री नरेंद्र पटेल ने किया दावा

भोपाल, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सहित पूरी दुनिया ने 3 साल वैश्विक महामारी कोरोना का प्रकोप झेला, कोविड-19 के उस दौर को याद कर अक्सर लोग सहम जाते हैं। इस महामारी ने कई घरों को बर्बाद कर दिया है, जबकि कई बच्चों के सिर से माता-पिता का साया छिन गया। कोरोना महामारी की वजह से मध्य प्रदेश में भी 1300 बच्चे अनाथ हो गए थे। इन बच्चों के भरण पोषण के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना' शुरू की थी। इसके तहत अनाथ बच्चों को हर महीने 5000 रुपये की आर्थिक पेंशन मिलनी थी।

जनसुनवाई में दर्ज कराई शिकायत

इस योजना के जरिये अनाथ बच्चों की मदद करने के मामले में मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बना था, लेकिन विडंबना यह है कि ऐसे अनाथ बच्चों को अब मध्य प्रदेश सरकार भुला बैठी है। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता का हवाला देकर आश्वासन दिया गया था कि चुनाव खत्म होते योजना की राशि फिर से बच्चों के खातों में भेजी जाएगी। हालांकि अब लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह माह बाद भी बच्चों के खातों में अनुदान राशि नहीं डाली गई है। इस बारे में जब कलेक्ट्रेट जाकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई गई, तो वहां अफसरों ने बजट नहीं होने का हवाला दिया। हालात यह हैं कि इन बच्चों की बड़ी मुश्किल से जिंदगी का गुजर बसर हो रहा है।

अनाथ बच्चों ने सुनाई आपबीती

भोपाल से 25 किलोमीटर दूर ग्राम लसुड़िया परिहार में आलोक अहिरवार, आयुषी अहिरवार के माता-पिता अनिल अहिरवार और चंद्र अहिरवार भी इस महामारी की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई थी। जिसके बाद यह बच्चे अनाथ हो गए। बच्चों ने बताया कि 6 महीने हो गए हैं, पेंशन नहीं मिली है। इन अनाथ बच्चों के चाचा जितेंद्र अहिरवार की कमर के रीड की हड्डी टूटी हुई है, उनके देखभाल का जिम्मा भी इन्हीं मासूम बच्चों पर हैं। घर में दादाजी हैं लेकिन उनकी आंखों से दिखाई नहीं देता है। इन्होंने कुछ दिन पहले जनसुनवाई में गुहार लगाई थी तो जवाब मिला था कि बजट नहीं है। इस पूरे मामले में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मैं इसकी जानकारी लूगां। इस बारे में जब राज्य स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, कोरोना काल में जो बच्चे अनाथ हुए, उनकी चिंता सरकार को है।

चीन, अमेरिका, जापान... कोई नहीं है टक्कर में

10 साल तक भारत बना रहेगा दुनिया का सरताज!

हाइलाइट्स

> अगले 10 साल तक दुनिया का सरताज बना रहेगा भारत
> इस दौरान देश का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 6.3% रहेगा
> यूएई और इंडोनेशिया का जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5% होगा

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और अगले कई साल तक इसके टॉप पर रहने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ समेत दुनिया की कई एजेंसियों भारत की इकॉनमी का लोहा मान चुकी हैं। रे डालियोस ग्रेट पॉवर इंडेक्स-2024 के मुताबिक अगले 10 साल में भारत का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 6.3 फीसदी रहेगा। दूर-दूर तक कोई भारत के मुकाबले में नहीं है। इस दौरान चीन का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 4% और अमेरिका का 1.4% रहने की उम्मीद है। भारत के बाद दूसरे नंबर पर यूएई रहेगा जिसका अगले 10 साल में एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रहने का अनुमान है। भारत अभी दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है और माना जा रहा है कि जल्दी ही वह जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा।

रे डालियोस ग्रेट पॉवर इंडेक्स-2024 के मुताबिक अगले 10 साल में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में इंडोनेशिया तीसरे नंबर पर रहेगा। वहां का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5% रहने का अनुमान है। उसके बाद सऊदी अरब (4.6%), तुर्की (4%) और चीन का नंबर है। रूस, पोलैंड, साउथ अफ्रीका, सिंगापुर, मेक्सिको, चिली, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना की इकॉनमी के 2% से अधिक रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान आयरलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य, साउथ कोरिया, ब्राजील, अमेरिका, यूके, नीदरलैंड, जापान, कनाडा और पुर्तगाल का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट एक से दो फीसदी के बीच रहने का अनुमान है।

निगेटिव ग्रोथ रेट

बेल्जियम, फ्रांस, स्पेन और स्विट्जरलैंड में अगले 10 साल के दौरान एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 0.2% से एक फीसदी के बीच रहने का अनुमान है। वहीं यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी और इटली का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट -0.5 फीसदी रहने का अनुमान है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के मुताबिक इस साल भारत का जीडीपी ग्रोथ रेट 6.8 फीसदी रह सकता है। भारत अभी अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। लेकिन जिस तरह से जर्मनी और जापान की इकॉनमी सुस्ता रही है, उससे जल्दी ही भारत के तीसरे नंबर पर पहुंचने की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश अकेला राज्य जहां 1% से भी कम बेरोजगार

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पीरियोडिक लेबर फोर्स का सर्वे 2023-24 सामने आया है। इसके मुताबिक एक साल अंदर देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में घटी है। यहां बेरोजगारी दर 3.4% है, जो 2022-23 में 6.1% थी। सर्वे के मुताबिक एक साल में इसमें 2.7% की गिरावट आई है। हरियाणा से ज्यादा गोवा 9.7% के बाद देश में सबसे ज्यादा थी। ये गिरावट देश के किसी भी अन्य राज्य के मुकाबले सबसे ज्यादा है। मध्य प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां बेरोजगारी दर 1% से भी कम (0.9%) है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर गुजरात (1.1%) और तीसरे पर झारखंड (1.3%) है। साल 2023-24 में गोवा में बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा 8.5% है। केरल में ये 7.2% है। वहीं, देश की औसत बेरोजगारी दर 3.2% है।

रियल एस्टेट के कर्मचारियों को लिए पीएफ और ईएसआईसी हो अनिवार्य

पीयूष गोयल बोले-बिल्डर ईमानदारी से करें काम

सिडनी, 25 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रियल एस्टेट उद्योग से कहा कि वे इस क्षेत्र में काम करने वाले सात करोड़ लोगों के लिए ईएसआईसी तथा भविष्य निधि पंजीकरण की गारंटी प्रदान करें। इस क्षेत्र को यह सोचना चाहिए कि क्या हम इस क्षेत्र में काम करने वाले सभी सात करोड़ कामगारों तथा महिलाओं के लिए ईएसआईसी और भविष्य निधि पंजीकरण की गारंटी सुनिश्चित कर सकते हैं।

रियल एस्टेट उद्योग के संगठन क्रेडाई के सम्मेलन में में गोयल ने मंगलवार को कहा, 25 नवंबर को क्रेडाई अपने 14,000 सदस्यों के साथ चर्चा के बाद एक प्रस्ताव लेकर आए। हम बात करेंगे। क्रेडाई की 25 नवंबर को 25वीं वर्षगांठ है। अगर उद्योग ईएसआईसी तथा पीएफ पंजीकरण की गारंटी सुनिश्चित करता है तो इसके कई सकारात्मक प्रभाव होंगे। आने वाले वर्षों में यह संख्या और बढ़ेगी। इस कदम से इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की क्षमताएं तथा दक्षता बढ़ेगी।

बैंक में जमा की वृद्धि दर सुस्त, बॉन्ड से 1.3 लाख करोड़ उगाही की योजना

कर्ज पर एसबीआई चीफ ने कही बात

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। धीमी जमा वृद्धि से बैंकों को अब दूसरे रास्तों से पैसे जुटाने होंगे। रेटिंग एजेंसी इक्रा का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में बैंकों को बॉन्ड जारी करके 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाने होंगे। बॉन्ड के जरिये जुटाई जाने वाली यह रकम अब तक की सबसे ज्यादा रकम होगी। जमा और कर्ज वृद्धि के बीच जारी अंतर को कम करना होगा। इक्रा ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, लगभग 85 फीसदी बॉन्ड सरकारी बैंक जारी करेंगे। यह बॉन्ड इंफ्रा क्षेत्र के होंगे। तरलता की विकट स्थिति और कर्ज वृद्धि लगातार जमा वृद्धि से अधिक होने के कारण बैंकों द्वारा वैकल्पिक स्रोतों से धन उगाहना जरूरी हो गया है। बैंकों ने 2023-24 में बॉन्ड से एक लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे पहले 2022-23 में रिकॉर्ड 1.1 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे।

अभी तक 76,700 करोड़ रुपये जुटाए

बैंकों ने चालू वित्त वर्ष में अब तक बॉन्ड से 76,700 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में इसी अवधि के दौरान जुटाई गई रकम से यह काफी ज्यादा है। 30 जून, 2024 तक बुनियादी ढांचा क्षेत्र में बैंकों की अग्रिम राशि 13-14 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। सरकारी बैंकों का इसमें 75 प्रतिशत हिस्सा है।

उद्योग जगत से मिली चार लाख करोड़ की कर्ज मांग

एसबीआई चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा, बैंक को उद्योग जगत से चार लाख करोड़ के कर्ज की मांग मिल चुकी है। इससे पता चलता है कि 2024-25 की दूसरी छमाही में निजी क्षेत्र के पूंजीगत खर्च में तेजी आएगी। इन्फ्रा के लिए फंडिंग, सड़कों, नवीकरणीय उर्जा व कुछ रिफाइनरियों से आ रही है।

पहली बार 75 हजार के पार निकला सोना

चांदी 1,922 बढ़कर 90,324 प्रति किलो बिक रही

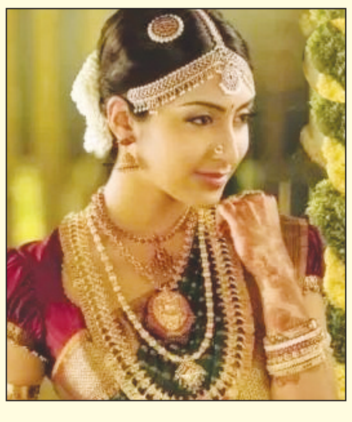

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत आज (25 सितंबर) अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, बुधवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 496 रुपए बढ़कर 75,260 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को इसके दाम 74,764 रुपए प्रति दस ग्राम थे। इस हफ्ते सोना अब तक 1167 रुपए महंगा हो चुका है। चांदी की कीमत में भी आज बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 1,922 रुपए महंगी होकर 90,324 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 88,402 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

'डेयरी क्षेत्र संवेदनशील है', केंद्रीय मंत्री बोले-इसे किसी एफटीए में शामिल करने का प्लान नहीं

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में दुग्ध क्षेत्र संवेदनशील विषय है, क्योंकि इससे छोटे किसानों की आजीविका का मुद्दा जुड़ा है और इस क्षेत्र में किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत किसी भी प्रकार की शुल्क रियायत देने की कोई योजना नहीं है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत ने ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) व्यापार समझौते के तहत स्विट्जरलैंड और नॉर्वे को भी दुग्ध क्षेत्र में कोई शुल्क रियायत नहीं दी। ईएफटीए पर मार्च में हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया के साथ भी इस क्षेत्र पर चर्चा हुई और भारत ने उसे भी इस क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशीलताओं से स्पष्ट रूप से अवगत कराया।

गोयल ने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के व्यापार व पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमारे किसान के पास औसतन बहुत कम जमीन है। यह दो से तीन एकड़ का खेत है जिसमें तीन से चार मवेशी हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के खेत तथा उनके 'डेयरी फार्म' दोनों ही बहुत बड़े हैं। इन बड़े तथा छोटे 'फार्म' के लिए एक दूसरे के साथ एक समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना लगभग असंभव होगा।' उन्होंने कहा, 'हमने इस मुद्दे पर तीन साल पहले भी चर्चा की थी और इससे पहले भी कई मौकों पर चर्चा हुई लेकिन यह इतना संवेदनशील क्षेत्र है कि दुनिया भर में हमारे किसी भी एफटीए में हम इस पर शुल्क रियायत नहीं दे पाए।' मंत्री व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय वार्ता के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र व्यापार के लिए खुला है लेकिन इस पर कुछ सीमा शुल्क लगाए गए हैं। गोयल ने कहा, 'हमने न तो यूरोप के लिए दुग्ध क्षेत्र को खोला है और न ही ऐसी कोई योजना हैं... न ही हमने स्विट्जरलैंड तथा नॉर्वे के साथ ईएफटीए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करते समय ऐसा किया।' उन्होंने कहा, यह वह समझौता है जिस पर स्विट्जरलैंड ने दुग्ध क्षेत्र के किसी भी घटक के बिना हस्ताक्षर किए हैं।' इस बीच, कृषि क्षेत्र के बारे में पूछे गए एक सवाल पर ऑस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल ने कहा कि वे छोले, पिस्ता और सेब जैसी वस्तुओं पर शुल्क में कटौती की मांग कर रहे हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिसंबर 2022 में एक अंतरिम व्यापार समझौते को लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के जरिये समझौते के दायरे को व्यापक बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 26 अरब अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023-24 में 24 अरब डॉलर रह गया। यह व्यापार अधिकतर ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा है क्योंकि गत वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का निर्यात 7.94 अरब डॉलर था, जबकि आयात 16.15 अरब अमरीकी डॉलर था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-09
सूर्यास्त. - 18-04
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 12 -25 तक उपरान्त दशमीं
मास - आश्विन कृष्ण, गुरुवार 26 September
नक्षत्र - पुनर्वसु 23 -33 तक उपरान्त पुष्य
योग - परिघ 23-39 तक उप शिव
करण- गर 12-25 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - दशमी श्राद्ध

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या मे	कन्या..	05-30 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	तुला...	07-36 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृश्चिक	09-46 बजे
बुध-	कन्या मे	धनु-	12-00 बजे
गुरु-	वृष मे	मकर...	14-05 बजे
शुक्र-	तुला मे	कुंभ--	15-57 बजे
शनि-	कुंभ मे	मीन-	17-34 बजे
राहु-	मीन मे	मेष---	19-10 बजे
केतु-	कन्या मे	वृष---	20-56 बजे
		मिथुन	22-56 बजे
		कर्क--	01-08 बजे
		सिंह---	03-20 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:37 से 15:07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:09 - 07:37	शुभ	अमृत	18:04 - 19:38	शुभ
रोग	07:37 - 09:07	अशुभ	चंचल	19:38 - 21:07	शुभ
उत्पात	09:07 - 10:37	अशुभ	रोग	21:07 - 22:37	अशुभ
चंचल.	10:37 - 12:07	शुभ	काल.	22:37 - 00:07	अशुभ
लाभ.	12:07 - 13:37	शुभ	लाभ.	00:07 - 01:37	शुभ
अमृत.	13:37 - 15:07	शुभ	उत्पात	01:37 - 03:07	अशुभ
काल.	15:07 - 16:38	अशुभ	शुभ.	03:07 - 04:37	शुभ
शुभ.	16:38 - 18:04	शुभ	अमृत.	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे । आज आप कुछ धन दान भी दे सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत में 10 साल में 4 गुना बढ़ा ऑर्गन डोनेशन

> 2013 में 4990 डोनर थे, 2023 में बढ़कर 17168 हुए
> किडनी ट्रांसप्लांट में दिल्ली सबसे आगे

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। देश में अंगदान करने में पुरुषों से महिलाएं आगे हैं। 2023 में 16542 अंगदान हुए, जिसमें अधिक महिलाएं जीवित दाता (अलाइव डोनर) थीं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के इसका डेटा जारी किया है। साल 2023 में हुए 5651 पुरुषों और 9784 महिलाओं ने अंग दान किए। साथ ही कुल 18378 ऑर्गन ट्रांसप्लांट किए गए। इसमें 13426 किडनी ट्रांसप्लांट सबसे अधिक थे। बीते 10 साल में अंगदान में करीब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों से पता चला है कि मृत पुरुष डोनर की संख्या अधिक है, जिसमें 844 पुरुषों ने अंग दान किया, जबकि 255 महिलाओं ने ऑर्गन डोनेट किए। वहीं, दिल्ली किडनी ट्रांसप्लांट में सबसे आगे है। साल 2013 में जहां कुल डोनर 4990 थे, वहीं 2023 में यह बढ़कर 17168 हो गए। इसके बावजूद देश में अंगदान दर अभी भी प्रति 10 लाख की आबादी में एक से नीचे है। जीवित अंगदाता (अलाइव डोनर) उसे कहते हैं, जब किसी अन्य के लिए अंगदान करता है।

आठ अंगों को दान कर सकते हैं लोग

18 या उससे अधिक उम्र के बाद जीवित डोनर या तो एक किडनी या लीवर का केवल एक हिस्सादान कर सकता है। किसी भी उम्र का ब्रेनस्टेम मृत डोनर 8 महत्वपूर्ण अंगों को दान कर सकता है। इनमें हार्ट, 2 फेफड़े, लीवर, 2 किडनी, पैंक्रियाज और छोटी आंत, कॉर्निया, हड्डी, त्वचा और हार्ट वाल्व शामिल हैं।

दिल्ली में सबसे ज्यादा किडनी का ट्रांसप्लांट

नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एनएटीटीओ) की रिपोर्ट के अनुसार किडनी ट्रांसप्लांट में दिल्ली 2576 मामलों के साथ अंगदान की लिस्ट में सबसे ऊपर है। तमिलनाडु में 1633 और महाराष्ट्र में 1,305 मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु में पिछले साल सबसे ज्यादा 70 हार्ट का प्रत्यारोपण हुए हं। ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन एंड टिशूज एक्ट वर्ष 1994 में पास हुआ था। यह कानून जीवन बचाने के लिए मानव अंगों के सर्जिकल रिमूवल, ट्रांसप्लांटेशन और उसके रख-रखाव के नियमों को सुनिश्चित करता है। साथ ही इस कानून मानव अंगों की तस्करी रोकने के लिए भी कठोर प्रावधान हैं। इस कानून के मुताबिक किसी व्यक्ति का ब्रेन स्टेम डेड होना मृत्यु का प्रमाण है। इसके बाद परिवार की सहमति से उसके शरीर के अंग और टिशूज डोनेट और ट्रांसप्लांट किए जा सकते हैं।

सेंसेक्स ने 85,236 और निफ्टी ने 26,032 का हाई बनाया

बाजार 255 अंक चढ़कर 85,169 पर बंद

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार ने आज यानी 25 सितंबर को लगातार छठे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 85,247 और निफ्टी ने 26,032 का स्तर छुआ। इसके बाद सेंसेक्स 255 अंक की तेजी के साथ 85,169 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 63 अंक की तेजी रही, ये 26,004 के स्तर पर बंद हुआ।

ऑटो, आईटी, एनर्जी और बैंकिंग शेयर्स में तेजी देखने को मिल रही है। पावरग्रिड का शेयर आज 14.15 रुपए (4.04%) चढ़कर 364.20 रुपए पर बंद हुआ। ज्यादातर एशियाई बाजार में आज तेजी है। चीन के शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 1.16% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 0.68% की तेजी रही। वहीं कोरिया का कोस्पी 1.34% गिरकर बंद हुआ। 24 सितंबर को अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.20% बढ़कर 42,208 पर बंद हुआ।

10700 फर्जी कंपनियों ने की 10179 करोड़ की कर चोरी

फर्जी पंजीकरण रोकने के लिए अफसर चला रहे दूसरा अभियान

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ जीएसटी अधिकारियों की ओर से देशभर में चलाए जा रहे अभियान में करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जिन्होंने 10,179 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य शशांक प्रिय ने मंगलवार को कहा, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ 16 अगस्त से शुरू हुआ दूसरा अखिल भारतीय अभियान 15 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान में कर अधिकारियों ने 67,970 जीएसटीआईएन (माल एवं सेवा कर पहचान संख्या) की पहचान की है। इनमें से 59 फीसदी या 39,965 जीएसटीआईएन का सत्यापन 22 सितंबर तक हो चुका है।

सीबीआईसी सदस्य ने कहा, इनमें 27 फीसदी ऐसी कंपनियां पाई गई हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। फीसदी के लिहाज से यह संख्या पिछले अभियान की तुलना में करीब समान है। उन्होंने बताया, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पहला अभियान 16 मई से 15 जुलाई, 2023 के बीच चलाया गया था। इसमें जीएसटी पंजीकरण वाली कुल 21,791 ऐसी कंपनियां पाई गई थीं, जो अस्तित्व में नहीं थीं। इस अभियान में 24,010 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी पकड़ी गई थी। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा, दूसरे अभियान में 2,994 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोका गया है।

फिर आएंगे पीएम मोदी

2 अक्टूबर को हजारीबाग में करेंगे परिवर्तन यात्रा का समापन

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अक्टूबर को हजारीबाग में परिवर्तन यात्रा का समापन करेंगे। 17 दिनों के अंतराल पर प्रधानमंत्री फिर से झारखंड आ रहे हैं। वे 2 अक्टूबर को रांची आएंगे। राज्य के 32 जनजाति समाज के करीब 800 लोगों के साथ रांची में संवाद करेंगे। इसके बाद हजारीबाग में जनसभा को संबोधित करते हुए परिवर्तन रैली का समापन करेंगे। पहले परिवर्तन यात्रा का समापन 3 अक्टूबर को होनेवाला था, पर कार्यक्रम को एक दिन पहले ही खत्म किया जा रहा है। इसके पहले पीएम 15 सितंबर को रांची और जमशेदपुर आए थे।

रायगढ़ सांसद राधेश्याम की कार के पास गिरी बिजली

बाल-बाल बचे राठिया, एक व्यक्ति झुलसा कार्यक्रम में शामिल होने आए थे सरायपाली

रायगढ़, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया की कार के सामने बिजली गिरी है। हादसे में राठिया बाल-बाल बच गए हैं। बताया जा रहा है कि सराईपाली में ओडिशा से अपेरा (उड़िया नृत्य) कलाकार बुलाए गए थे। इसी कार्यक्रम के सांसद चीफ गेस्ट थे। हादसा रात करीब 8 बजे के करीब हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक अपेरा कार्यक्रम में पहुंचते ही बारिश शुरू हो गई। इस दौरान सांसद को रिसीव करने एक शख्स छाता लेकर गाड़ी के पास पहुंचा। सांसद गाड़ी से नीचे उतरने ही वाले थे कि तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी। इस दौरान बिजली गाड़ी के पास में ही गिरी, जिससे जो शख्स सांसद को रिसीव करने आया था, वह झुलस गया। झटके से दूर गिरा। वहीं सांसद बाल-बाल बच गए। कार के सामने बिजली गिरने से कार की वायरिंग और अन्य मशीनरी को नुकसान पहुंचा है। सांसद की गाड़ी बंद पड़ गई। बताया जा रहा है कि सांसद राठिया दूसरी गाड़ी से सवार होकर कार्यक्रम से लौट गए। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक हादसे के वक्त कार में ड्राइवर और सांसद राठिया थे।

वहीं बिजली गिरने से जो शख्स झुलसा है, उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टर्स की निगरानी में इलाज चल रहा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार दोपहर बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 स्कूली बच्चे और 2 ग्रामीण शामिल हैं। दोपहर बारिश से बचने के लिए सभी खंडहर में रुके थे, तभी बिजली गिरी। मामला सोमनी थाना के जोरातराई गांव का है। थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने बताया कि, सभी खंडहर में तेंदू के पेड़ के पास खड़े थे। अचानक बिजली पेड़ पर गिरी। इसकी चपेट में आकर सभी लोग बुरी तरह झुलस गए। सूचना मिलने पर सभी को जिला अस्पताल भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने 6 बच्चों और 2 ग्रामीणों को मृत घोषित कर दिया।

सीजी-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 41 लाख इनामी समेत 3 नक्सली ढेर

अबूझमाड़ में मारा गया डीकेएसजडसी कैडर का माओवादी, जनवरी से सितंबर तक 157 ढेर

नारायणपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने नारायणपुर के अबूझमाड़ में एक महिला समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें एक नक्सली की पहचान डीकेएसजडसी मेंबर रुपेश और दूसरे की डीवीसीएम जगदीश के रूप में हुई है। सोमवार को हुए एनकाउंटर में मारे गए दोनों नक्सली पर 41 लाख का इनाम था। वहीं मृत महिला नक्सली की पहचान नहीं हुई है। जनवरी से सितंबर तक बस्तर में एनकाउंटर की बात करें तो अब तक कुल 157 नक्सली मारे गए हैं। 663 की गिरफ्तारी और 656 ने सरेंडर किया है। इन सभी पर लाखों रुपए का इनाम था। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के जंगलों में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं।

सूचना के आधार पर 23 सितंबर को जवानों को सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया। वहीं जवान उसी दिन शाम को नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंच गए। नक्सलियों ने जवानों को देखकर गोलीबारी की।

इस दौरान जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का जवाब दिया। करीब 4 से 5 घंटे तक रुक-रुककर गोलीबारी हुई। जब फायरिंग रुकी तो जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। 2 पुरुष समेत एक महिला नक्सली का शव बरामद किया गया। जवान ऑपरेशन को सफल बनाकर 24 सितंबर की शाम नारायणपुर पहुंचे। डीकेएसजडसी मेंबर रुपेश पर 25 लाख और डीवीसीएम जगदीश पर 16 लाख का इनाम घोषित था। रुपेश महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और जगदीश एमपी का रहने वाला था। इन दोनों पर कुल 41 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस मृत महिला नक्सली की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है। जवानों ने 3 नक्सलियों के शवों के साथ ही 1 एके-47, 1 इंसास राइफल, 1 एसएलआर और 1 नग 12 बोर बंदूक बरामद किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में दैनिक उपयोग के सामान और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। इससे पहले 14 सितंबर को सुकमा में जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। शव के पास से ही भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद हुई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि, चिंतागुफा क्षेत्र में तुमालपाड़ की पहाड़ी पर नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों को सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया था।

छात्रा के आंसू, स्कूल में बीयर पार्टी पर हाईकोर्ट सख्त

छत्तीसगढ़ के 297 स्कूलों में टीचर नहीं, चीफ जस्टिस बोले- बच्चों के भविष्य का क्या होगा?

बिलासपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव सहित नक्सल प्रभावित 297 स्कूलों में शिक्षकों के बिना पढ़ाई चल रही है। वहीं बिलासपुर में स्कूल में बीयर पार्टी और छात्रा को जेल भेजने की धमकी पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने सरकार से पूछा कि ऐसे में बच्चों के भविष्य का क्या होगा? हालांकि, सरकार की तरफ से बताया गया कि इन स्कूलों में अल्टरनेटिव टीचर की व्यवस्था की गई है। डिवीजन बेंच ने टीचर की भर्ती को लेकर एजुकेशन सेक्रेटरी को 5 अक्टूबर तक शपथ पत्र पेश करने के लिए कहा है।

दरअसल, राजनादगांव में शिक्षकों की मांग करने वाली स्कूली छात्राओं को धमकाते हुए जेल भेजने की धमकी दे दी थी। मीडिया में आई इस खबर को हाईकोर्ट ने जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई।

शिक्षा व्यवस्था का ये हाल है तो कैसे काम चलेगा?

इस दौरान सरकार की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में 297 स्कूल शिक्षकविहीन हैं, जहां वैक्लिपक व्यवस्था की गई है। शासन का जवाब सुनकर हाईकोर्ट ने हैरानी जताई। चीफ जस्टिस सिन्हा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का ये हाल है तो कैसे काम चलेगा। डिवीजन बेंच ने शिक्षा विभाग के सचिव को शपथपत्र के साथ यह बताने के लिए कहा है कि प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए भर्ती कब तक होगी। इसके लिए चल रही प्रकिया की जानकारी भी मंगाई है। प्रकरण की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी।

तिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में 297 स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक नहीं हैं। इनमें से 60 स्कूलों में स्थानीय स्तर पर शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। आसपास पोस्टेड टीचर इन शिक्षकविहीन स्कूलों में पढ़ाते हैं।

जहां कलेक्टर और स्थानीय प्रशासन ने जानभागीदारी समिति के जरिए अस्थाई टीचर की व्यवस्था भी की है। वहीं, दूरस्थ और नक्सल प्रभावित स्कूलों में शिक्षा दूत नियुक्त किए गए हैं। इस तरह की वैकल्पिक व्यवस्था पर हाईकोर्ट ने सवाल उठाया है।

बिलासपुर जिले के मस्तूरी क्षेत्र के हाईस्कूल में छात्राओं की बीयर पार्टी के मामले में भी सुनवाई हुई। डिवीजन बेंच ने इसे सेंसेटिव मामला बताकर लाइव स्ट्रीमिंग बंद कर सुनवाई की। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच रिपोर्ट मंगाई थी, जिसमें इस अव्यवस्था के लिए प्राचार्य को जिम्मेदार माना गया है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ की छात्राएं स्कूल में शिक्षक नहीं होने पर नियुक्ति की मांग को लेकर जिला शिक्षाधिकारी से मुलाकात करने गई थीं।

झारखंड के चीफ जस्टिस बने एमएस रामचंद्र राव

राज्यपाल संतोष गंगवार ने दिलाई शपथ न्याय क्षेत्र से जुड़ा है पारिवारिक पृष्ठभूमि

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चीफ जस्टिस रहे एमएस रामचंद्र राव अब झारखंड के चीफ जस्टिस होंगे। केंद्र सरकार ने शनिवार को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में उनकी अधिसूचना जारी की है। आज राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। वे राज्य के 16वें चीफ जस्टिस होंगे। झारखंड में 19 दिसंबर 2023 से चीफ जस्टिस का पद रिक्त था। फिलहाल जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद एक्टिंग चीफ जस्टिस के रूप में काम कर रहे थे। शपथ ग्रहण के बाद अब एमएस रामचंद्र राव जिम्मेदारी संभालेंगे। झारखंड के नए चीफ जस्टिस का नाम ममिदान्ना सत्या रत्ना रामचंद्र राव है। इनका पूरा परिवार न्याय क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। इनके पिता न्यायमूर्ति एम जगन्नाथ राव

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे। वहीं इनके दादा आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे हैं। न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव को साल 2012 में 29 जून को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में प्रोमोट किया गया था। इसके बाद वर्ष 2021 में 31 अगस्त को वे तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त हुए। झारखंड आने से पहले वह हिमाचल प्रदेश के चीफ जस्टिस की भूमिका निभा रहे थे।

सौम्या चौरसिया को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, पर रिहाई नहीं

21 महीने से रायपुर जेल में है निलंबित अफसर, कोल स्कैम में हुई है गिरफ्तारी

रायपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोल घोटाला मामले में जेल में बंद राज्य सेवा की निलंबित अफसर सौम्या चौरसिया को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने बुधवार को अंतरिम जमानत मंजूर कर ली। हालांकि सौम्या का जेल से निकलना अभी मुश्किल है। बताया जा रहा है कि सौम्या को मनी लॉन्ड्रिंग केस में सशर्त जमानत दी गई है। इसमें कहा गया है कि ट्रायल कोर्ट के सामने पेश होती रहेंगी। पासपोर्ट ट्रायल कोर्ट के पास जमा रहेगा। वहीं ईओडब्ल्यू/एसीबी की ओर दर्ज केस में सुनवाई नहीं हुई है।

मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की डबल बेंच में हुई है। सौम्या चौरसिया को दिसंबर 2022 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद से ही वह रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद हैं।

सौम्या की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे ने कहा कि, उनकी मुवक्किल ने करीब एक साल और 9 महीने हिरासत में बिताए हैं। इस दौरान उन्हें एक बार

भी रिहा नहीं किया गया है। अभी तक मुकदमा भी शुरू नहीं हुआ है। 3 सह-आरोपियों को अंतरिम जमानत मिल चुकी है।

वहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने ईडी की ओर से तर्क दिया कि सौम्या, जो एक सिविल सेवक थीं, अंतरिम जमानत दिए गए 3 व्यक्तियों के मुकाबले एक अलग पायदान पर खड़ी हैं। मामले में विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता है। साथ ही एएसजी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।

सौम्या चौरसिया पर क्या है आरोप?

ईडी ने छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाले में 500 करोड़ रुपए की अवैध उगाही को लेकर जांच शुरू की थी। जिसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। वसूली के लिए नियमों में बदलाव किया गया था। इस लेवी से हासिल राशि से चल-अचल संपत्तियां अर्जित की गईं, जिनमें कई बेनामी भी हैं। ईडी ने इस मामले में सूर्यकांत तिवारी, कोल वॉशरी संचालक सुनील अग्रवाल, आईएएस समीर बिश्नोई, आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया समेत अन्य को अलग-अलग तारीखों पर गिरफ्तार किया था। ईडी का आरोप है कि ये स्कैम करीब 500 करोड़ रुपए का था।

विधि विभाग ने दी मंजूरी: घुसपैठ पर हाईकोर्ट में चल रहे केस के खिलाफ शीर्ष कोर्ट जाएगी सरकार

कपिल सिब्बल रखेंगे सरकार का पक्ष, हर सुनवाई के मिलेंगे 11 लाख

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर हाईकोर्ट में चल रहे केस के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने के लिए विधि विभाग ने महाधिवक्ता की राय लेने और सरकार के फैसले पर सहमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड पल्लवी को एसएलपी दायर करने का जिम्मा दिया गया है। वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे। इसके लिए उन्हें हर बहस के लिए 11 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा।

इस मामले में 17 सितंबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने पूछा था कि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ की

जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति में कौन-कौन होंगे। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से उनके नाम मांगे थे। इस मुद्दे पर 30 सितंबर तक केंद्रीय गृह सचिव और झारखंड के मुख्य सचिव की बैठक होनी है। इससे पहले ही 20 सितंबर को हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। एक अक्टूबर को अगली सुनवाई की तिथि तय की गई है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मानना है कि 17 सितंबर की सुनवाई में जो बातें हुई थीं, वह आगे ही नहीं बढ़ी। फिर भी कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कैसे रख लिया। इसी मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट में शपथ पत्र देकर कहा था कि संथाल परगना में 1991 से 2011 के बीच आदिवासियों की आबादी 42 फीसदी से घटकर 28 फीसदी हो गई है। मुस्लिम आबादी में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पाकुड़ और साहिबगंज में तो मुस्लिम आबादी में 35 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। उधर, हाईकोर्ट ने 17 सितंबर को सुनवाई के दौरान कहा था कि साहिबगंज डीसी ने दो साल में सिर्फ दो घुसपैठियों के आने की बात कही है। जबकि देवघर डीसी ने किसी भी तरह का घुसपैठ होने से इनकार किया है। डीसी द्वारा संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए न होने की गलत जानकारी देना दुर्भाग्यपूर्ण है। झारखंड सरकार को केंद्र के आंकड़े और हाईकोर्ट की टिप्पणी पर आपत्ति है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट का रुख कर रही है। संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ इस बार चुनावी मुद्दा बनेगा। इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने है। इस मुद्दे पर रोज बयानबाजी हो रही है। विपक्ष घुसपैठ की बात करता है, लेकिन सत्तापक्ष मानने को तैयार नहीं है। झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य का आरोप है कि भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैला रही है। क्योंकि हाईकोर्ट में दिए केंद्र और आधार कार्ड संचालित करने वाली संस्था के हलफनामे में बांग्लादेशी घुसपैठ शब्द का जिक्र ही नहीं है।

दो चरणों में हो सकता है विधानसभा चुनाव

झारखंड के अधिकारियों ने आयोग से कहा- हम पूरी तरह से तैयार, कभी भी करा लें विधानसभा चुनाव

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराए जाने की उम्मीद है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने इसके संकेत दिए हैं। झारखंड विधानसभा की दो दिवसीय चुनावी तैयारियों की समीक्षा के बाद दिल्ली जाने के पहले उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अधिकतर राजनीति दलों ने एक या दो चरणों में चुनाव कराने का आग्रह किया है। अब आयोग की टीम 26 सितंबर को महाराष्ट्र जाएगी। वहां से लौटने पर झारखंड में चुनाव पर निर्णय लिया जा सकता है। सोमवार को राजनीतिक दलों के साथ बैठक के बाद मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जिलों के निर्वाची पदाधिकारियों, एसएसपी, एसपी, आईजी, डीआईजी आदि प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उनसे पूछा कि वे चुनाव को लेकर कितने तैयार हैं। अधिकारियों ने चुनाव की तैयारी मुकम्मल होने की बात बताते हुए प्रजेंटेशन दिया। इन्फोर्समेंट एजेंसी, पुलिस अधिकारी और विभिन्न जिलों के निर्वाची पदाधिकारियों ने चुनाव आयोग को आश्वस्त किया कि उनकी तैयारी पूरी है। मुख्य निर्वाचन अयुक्त ने निर्देश दिया कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए काम करें। सभी जिले अपने यहां की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विधानसभा चुनाव करवाने में लग जाएं। सोहराय पेंटिंग, पायका नृत्य आदि की मदद से ग्रामीण मतदाताओं के बीच निर्वाचन जागरूकता को प्रभावी बनाएं। शहरी क्षेत्र के जिला निर्वाची पदाधिकारी अपने क्षेत्र में चुनाव प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष काम करें। निर्वाचन आयोग की टीम ने जिला निर्वाची पदाधिकारियों, एसएसपी, एसपी आदि अधिकारियों से राज्य की सभी 81 सीटों की चुनाव तैयारियों के बारे में जाना। राजीव कुमार ने बताया कि उन्होंने इन्फोर्समेंट एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राज्य की सीमा पर मुस्तैदी रखें। किसी भी संदिग्ध और आपत्तिजनक वस्तुओं पर विशेष ध्यान रखें। लोकसभा चुनाव की तरह ही शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से चुनाव होना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आरोप-प्रत्यारोप से बचें। विवाद से दूर रहें। अफीम को लेकर रांची, खूंटी, चतरा और लातेहार के जिला अधिकारियों को विशेष निर्देश दिया। राजीव कुमार ने कहा कि पोस्टल बैलेट गिनती की रिकार्डिंग होगी। चाहे तो उसे कोई भी देख सकता है। अधिकारियों को कहा गया है कि सभी पोलिंग स्टेशन का माहौल अच्छा हो। वहां हर तरह की प्राथमिक सुविधाएं हों। 100 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी हो। वोटिंग शुरू होने से पहले मतदान केंद्र के गेट से 200 मीटर का दायरा बना लें। दिव्यांग और अधिक उम्र के लोगों के लिए अलग लाइन हो। मतदान केंद्र की दूरी दो किमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

2019 में पांच चरणों में हुआ था चुनाव: भाजपा, कांग्रेस, झामुमो और राजद सहित प्रमुख पार्टियों ने आयोग से कहा था कि अभी दुर्गापूजा, दीपावली और छठ जैसे त्योहार हैं।

झारखंड चुनाव से पहले सीएम हेमंत सोरेन ने लिखी पीएम मोदी को चिट्ठी

सियासी गलियारों में चर्चा शुरू

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव में अब कुछ वक्त का ही समय बचा है। चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) सहित सभी पार्टियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी हैं। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिख दी है। इस चिट्ठी के जरिए सीएम हेमंत सोरेन ने राज यके लिए पीएम मोदी से बड़ी मांग कर दी है। सीएम सोरेन ने पीएम मोदी को जो चिट्ठी लिखी है, उसमें उन्होंने अपने बकाया 1 लाख 36 हज़ार करोड़ की मांग की है, ताकि वे इस पैसे से झारखंड को विकास के नए पथ पर ले जा सके। इस पत्र को उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। वहीं यह पत्र राजनितिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। हेमंत सोरेन ने अपनी चिट्ठी में लिखा- 'झारखंडियों का हक मांगो तो जेल डाल देते हैं, पर अपने हक के लिए हर कुर्बानी मंजूर है। हम भाजपा के सहयोगी राज्यों की तरह स्पेशल स्टेटस नहीं मांग रहे, ना ही हम कुछ राज्यों की तरह केंद्रीय बजट का बड़ा हिस्सा मांग रहे हैं। हमें बस हमारा हक दे दीजिए, यही मांग है।' हेमंत सोरेन ने आगे लिखा है- 'हमारी मांग सिर्फ न्याय की है, विशेषाधिकार की नहीं। झारखंड के लोगों ने अपने राज्य के लिए लंबा संघर्ष किया है। अब हम चाहते हैं कि हमारे संसाधनों एवं अधिकारों का उचित उपयोग हो। हम अपने बकाये के 1 लाख 36 हज़ार करोड़ से झारखंड को विकास के नए पथ पर ले जाएंगे। ऐसा विकास जो हमारे पर्यावरण, आदिवासी/मूलवासी एवं हर एक झारखंडी समुदायों के हितों की रक्षा करे। हम शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करेंगे, ताकि हमारे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके। हम अपनी भाषा और संस्कृति का और बेहतर संरक्षण करेंगे, ताकि हमारी पहचान बनी रहे, साथ ही हम हमारे युवाओं को रोजगार के नए आयाम उपलब्ध कराएंगे। और उसके आभाव में उन्हें उचित भत्ता देंगे।' मुख्यमंत्री ने आगे लिखा- 'हमारे हक पर, हमारे पैसों पर केंद्र सरकार जल्द फैसला ले और झारखंड के विकास में बाधा न बने, बल्कि सहयोगी बने।

थाईलैंड के मंदिर जैसे जांजगीर में 160 फीट ऊंचा पंडाल

जांजगीर-चांपा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बप्पा के बाद अब देशभर में मां दुर्गा के आगमन की तैयारी हो रही है। जांजगीर में थाईलैंड के प्रसिद्ध अरुण देव मंदिर की तरह 160 फीट ऊंचा भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। पंडाल में 12 से15 फीट ऊंचे शेरों के साथ 35 फीट ऊंची दुर्गा प्रतिमा स्थापित होगी। इसे बनाने के लिए बंगाल के 40 कारीगर लगे हुए हैं।

श्री श्री दुर्गा सेवा उत्सव समिति के सदस्यों ने बताया कि 41 साल से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इसे देखने के लिए अलग-अलग जिले से लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। इस साल की नवरात्रि में थाईलैंड के विश्व प्रसिद्ध शांति के प्रतीक अरुण देव मंदिर के तर्ज पर भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। यह 160 फीट ऊंचा और 150 फीट चौड़ा होगा। पांच शेरों के स्वर्णिम रथ में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मां दुर्गा की सजावट सोने-चांदी, हीरे-मोती से जड़ित गहनों और लाल रंग की सुंदर साड़ी से होगी। प्रतिमा को भटगांव के प्रदीप देवांगन की 12 सदस्यों की टीम तैयार कर रही है। साथ ही भगवान शिव के परिवार की मूर्ति भी बनाई गई है। मां दुर्गा की प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पंडाल को भी सजाया जा रहा है, जिसे 10 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इस बार पंडाल में बुर्ज खलीफा के तर्ज पर आकर्षक लाइटिंग लगाई जाएगी, जिसे लगाने के लिए कोलकाता के फेमस रियाज अहमद की टीम को बुलाया गया है। रात्रि में पंडाल का आकर्षण भव्य रहेगा। दुर्ग से साउंड सिस्टम मंगाया गया है, लेकिन प्रशासन के अनुमति को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

जमीन माफिया कमलेश, कांके सीओ जयकुमार सहित 6 पर चार्जशीट

कांके सीओ ने घूस लेकर जमीन का नेचर बदला, कमलेश ने बेच दी आदिवासी-सरकारी जमीन

रांची, 25 सितंबर (एजेंसियां)। जमीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमीन माफिया कमलेश कुमार सिंह, कांके सीओ जयकुमार राम और पूर्व सीओ दिवाकर द्विवेदी सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट मंगलवार को पीएमएलए के विशेष कोर्ट में दायर की गई है। इनमें तीन आरोपी सीओ के करीबी हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के लिए इन तीनों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया था। इनमें से सिर्फ कमलेश को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अन्य आरोपियों पर कोर्ट के निर्देश के बाद कार्रवाई होगी। चार्जशीट में कहा गया है कि सीओ जयकुमार राम के सहयोग से आदिवासी-भुईहरी और सरकारी जमीन का नेचर बदला गया। पंजी टू के ऑनलाइन रेकर्ड में छेड़छाड़ की गई। ऐसी जमीन का म्यूटेशन किया गया, जो प्रतिबंधित सूची की थी। इससे वह जमीन गैर आदिवासी प्रकृति की हो गई। इसके बदले सीओ ने एजेंट के माध्यम से मोटी रकम वसूल की। फिर कमलेश ने इस जमीन को बेचकर करोड़ों रुपए की कमाई की।

ईडी ने कहा है कि कांके के पूर्व सीओ दिवाकर द्विवेदी की भूमिका की भी जांच की गई है। कमलेश से उसकी मिलीभगत की पुष्टि हुई है। वह भी फर्जीवाड़े के दोषी पाए गए हैं। तीन अन्य लोग बतौर एजेंट सीओ के लिए काम करते थे। वे वसूली की रकम अपने बैंक खाते में मंगवाते थे और अफसरों में बंटता था।

चार्जशीट में कहा गया है कि फर्जी दस्तावेज पर आदिवासी, प्रतिबंधित सूची और सरकारी जमीन को जनरल बनाकर बेचने व कब्जा करने के मामले में कमलेश को 26 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी जेल में है। इस दौरान सीओ जयकुमार का भी बयान लिया गया। दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई। इसमें कई तथ्य उजागर हुए। कांके में बड़े पैमाने पर जमीन की हेराफेरी की पुष्टि हुई। पुलिस हाउसिंग सोसाइटी के पास और लॉ यूनिवर्सिटी के पीछे सरकार द्वारा अधिग्रहीत जमीन को भी बेचने की तैयारी थी।

इजराइली हमले में हिजबुल्लाह के मिसाइल कमांडर की मौत

लेबनान पर लगातार 5वें दिन हमला, अब तक 569 लेबनानी मारे गए

बेरूत, 25 सितंबर (एजेंसियां)। लेबनान की राजधानी बेरूत में मंगलवार को इजराइली हमले में हिजबुल्लाह के मिसाइल कमांडर इब्राहिम कुबैसी की मौत हो गई। इसके अलावा 5 अन्य लोग भी मारे गए हैं। इजराइल बीते 5 दिनों से लगातार लेबनान पर हमले कर रहा है। इसके साथ ही लेबनान में 2 दिन में मरने वालों का आंकड़ा 569 हो गया है।

वहीं हिजबुल्लाह ने भी बीती रात इजराइल में 8 जगहों को मिसाइल से निशाना बनाने का दावा किया है। इजराइल के मुताबिक हिजबुल्लाह की तरफ से 55 रॉकेट दागे गए थे।

इससे पहले इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सोमवार को हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाते हुए लेबनान में एयर स्ट्राइक की थी। इनमें 10 हजार रॉकेट बर्बाद करने का दावा किया गया। वहीं, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में अब तक 569 लोगों की मौत हुई है। इनमें 94 महिलाएं और 50 बच्चे हैं। 1,835 लोग घायल भी हुए हैं। अलजजीरा के मुताबिक, 2006 में इजराइल-लेबनान जंग के बाद लेबनान पर हुआ यह सबसे बड़ा हमला है। 2006 में महीने भर चली लड़ाई में लेबनान के 1000 लोग मारे गए थे। फिलहाल लेबनान में बुधवार, 25 सितंबर तक के लिए स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। इजराइल ने लेबनान में चलाए जा रहे ऑपरेशन को नॉर्दर्न एरोज नाम दिया है। आईडीएफ का दावा है कि हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान में घरों में मिसाइलें छुपाकर रखता है जिन्हें लगभग एक साल से इजराइल में दागा जा रहा है। वहीं, यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वे नहीं चाहते लेबनान दूसरा गाजा बन जाए। दूसरी तरफ लेबनान से पलटवार की आशंकाओं के बीच इजराइल में एक हफ्ते की इमरजेंसी लगाई गई है। रक्षा मंत्री योव गलांट के कहने पर इमरजेंसी का फैसला लेने के लिए कैबिनेट के मंत्रियों ने फोन से वोटिंग की। इजराइली हमले के बाद नेतन्याहू ने लेबनान के लोगों के लिए एक मैसेज जारी किया है। नेतन्याहू ने लोगों से कहा है कि वे उनके ऑपरेशन के बीच में न आएं। इजराइल की जंग हिजबुल्लाह से है। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकाने के करीब रहने वाले लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने की चेतावनी दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था। हगारी ने लेबनान के नागरिकों को खतरे वाले इलाके से दूर चले जाने को कहा था। उन्होंने कहा था, इजराइली सेना हिजबुल्लाह के खिलाफ और घातक हमले करने जा रही है। हिजबुल्लाह ने घरों और इमारतों में हथियार जमा कर रखे हैं।

कनाडा विदेशी छात्रों के लिए क्यों बनता जा रहा है 'नर्क'?

जस्टिन ट्रूडो भी हुए खिलाफ खुलकर किया विरोध

ओटावा, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का मुद्दा अब जोर पकड़ता जा रहा है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने देश में स्थानीय निवास और नागरिकता के लिए प्रणाली के दुरुपयोग पर चिंता जताई है। उन्होंने नागरिकता के लिए शरण मांगने की प्रक्रिया का इस्तेमाल करने वाले छात्रों का विरोध करने की बात कही है। संयुक्त राष्ट्र की बैठक में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुंचे ट्रूडो ने मंगलवार को कहा कि हिंसा और उत्पीड़न से भाग रहे लोगों को शरण देना कनाडा का नैतिक दायित्व है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि इस प्रणाली का दुरुपयोग न हो। ट्रूडो ने कहा कि 'ऐसा करने (शरण देने) की हमारी क्षमता का अर्थ है कि हमें यह सही ढंग से पहचानने में सक्षम होना चाहिए कि किसे सबसे अधिक मदद की आवश्यकता है।

रोहिंग्याओं को वापस भेजना संकट का एकमात्र स्थायी समाधान

न्यूयॉर्क में बोले बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार

वॉशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस आजकल न्यूयॉर्क में हैं। उन्होंने यहां इटली और कनाडा के प्रधानमंत्रियों से मुलाकात की। साथ ही प्रवासियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के मौके पर एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान रोहिंग्याओं को वापस लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। रोहिंग्या संकट पर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के उच्चस्तरीय कार्यक्रम के दौरान, यूनुस ने म्यांमार से विस्थापित 12 लाख से अधिक रोहिंग्याओं की उपस्थिति के कारण बांग्लादेश के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने रोहिंग्याओं को शरण देने में सहानुभूति दिखाई है, लेकिन इस स्थिति से जुड़ी लागतें - सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय - काफी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश अपनी सीमा तक पहुंच गया है। इसलिए, जितना भी बांग्लादेश मानवीय पहलुओं या न्याय सुनिश्चित करने में संलग्न है, रोहिंग्याओं को (प्रत्यावर्तन) वापस भेजना ही मौजूदा संकट का एकमात्र स्थायी समाधान है। वहीं, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा, 'हमारे मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात कर प्रवासियों के मुद्दों पर चर्चा की। कई बांग्लादेशी अवैध रूप से इटली पहुंचने के लिए जोखिम भरे रास्ते अपनाते हैं। इसलिए डॉ. यूनुस ने इस प्रक्रिया को कानूनी बनाने के तरीकों की तलाश की, जिससे अधिक बांग्लादेशियों को इटली में जाने और काम करने की अनुमति मिल सके।

प्रधानमंत्री मेलोनी ने बांग्लादेश सरकार को मदद का आश्वासन दिया। डॉ. यूनुस ने कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो से बांग्लादेशी छात्रों के लिए छात्र वीजा बढ़ाने के बारे में भी बात की।'

ईश्वर तर्क का नहीं, अपितु प्रत्यक्ष दर्शन का विषय - डॉ. सर्वेश्वर

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की असीम अनुकंपा से हैदराबाद के मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल) काचीगुड़ा में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित भगवान शिव कथा के तृतीय दिवस डॉ. सर्वेश्वर जी ने सती प्रसंग का सुमधुर भजनों व चौपाइयों के साथ व्याख्यान किया। भगवान शिव अपनी अर्धांगिनी सती को संग लेकर अगस्त्य मुनि जी के आश्रम में कथा श्रवण करने जाते हैं, परन्तु तर्क बुद्धि से प्रेरित हुईं सती कथा का मर्म ही नहीं जान पाती। जिस कारण जब वह प्रभु श्री राम को साधारण नर लीला करते हुए देखती हैं तो उन्हें संशय आ जाता है कि वह ईश्वर जो परब्रह्म, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, माया रहित और इच्छा रहित है, वह शरीर कैसे धारण कर सकता है। महादेव के कहने पर वह प्रभु श्री राम की परीक्षा लेने गईं तो असफल हो गईं। आकर शिव से असत्यवादन कर दिया जिसके कारण उनका शिव से पुनः वियोग हो गया। भगवान शिव स्वयं अपने मुख से बताते हैं कि ईश्वर तर्क-वितर्क, मन, वाणी और बुद्धि से अति परे है। तर्क बुद्धि से दिया जाता है और जिसकी बुद्धि जितनी अधिक तीव्र होगी, वह उतना ही अच्छा तर्क देगा। रावण ने भी, जो वेदों का ज्ञाता था, बुद्धि से राम जी को समझने का प्रयास किया और असफल हो गया। ईश्वर तर्क का नहीं, अपितु प्रत्यक्ष दर्शन का विषय है। समय के पूर्ण सद्गुरु द्वारा दिव्य दृष्टि उद्घाटित होने के पश्चात ही ईश्वर को देखा व समझा जा सकता है। अतः एक तत्ववेत्ता सद्गुरु की कृपा से ब्रह्मज्ञान प्राप्त करना चाहिए। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया।

इस अवसर पर कथा पंडाल में जय हरि विट्ठल के जयकारों के बीच नानी बाई का मायरा प्रसंग ने खूब समाँ बांधा। कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व श्री बगदाराम जी कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व श्री ओंकार राम चौधरी जी हैं। तृतीय दिवस की कथा के दैनिक यजमान श्री तोलड़ी विनोद जी एवं उत्सव यजमान श्रीमती कौशल्या देवी बंग जी थीं। कथा स्थल पर समाजसेवी श्री विष्णु कुमार जी दिलीप कुमार जी पुरोहित, श्री बृजगोपाल जी असावा, श्री गज्जू भाई कोलरिया, अध्यक्ष अखिल भारतीय गोरक्षक संघ, श्री भाकर राम कुमावत, श्री कालूराम कुमावत तथा श्री देवाराम सीरवी की विशेष उपस्थिति रही।

तुर्की के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को दिया बड़ा झटका

न्यूयॉर्क, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में दिए अपने वार्षिक भाषण में उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला लेकिन कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे से किनारा किया है। इससे पहले खलीफा एर्दोगान ने साल 2023, साल 2022, साल 2021 और साल 2020 में कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में उठाया था। इसी बैठक में शहबाज शरीफ भी कश्मीर का मुद्दा उठाने वाले हैं। एर्दोगान ने इस भाषण में इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तुलना हिटलर से कर दी। एर्दोगान ने यह झटका तब दिया है जब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने पूरी तैयारी कर रखी है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर और वहां हो रहे चुनाव का मुद्दा उठाया जाए।

भारत पड़ोसी देशों के राजनीतिक कदम नियंत्रित नहीं करना चाहता

श्रीलंका और बांग्लादेश पर जयशंकर

वॉशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर बात की। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे।

उन्होंने कहा, 'मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप इसे लेकर निर्धारक नहीं बनें। ऐसा नहीं है कि भारत हर पड़ोसी के प्रत्येक राजनीतिक कदम को नियंत्रित करना चाहता है। यह इस तरह से काम नहीं करता है। यह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, बल्कि किसी और के लिए भी काम नहीं करता।'

जयशंकर ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में यहां के एशिया सोसाइटी और एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'इंडिया, एशिया एंड द वर्ल्ड' नामक एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान यह बात कही। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि भारत ने बांग्लादेश और श्रीलंका को बिना किसी शर्त के मदद दी है, लेकिन वहां सरकार में बदलाव भारत के लिए संभावित रूप से प्रतिकूल नजर आ रहा है।

उन्होंने कहा, 'हर देश के अपने तरीके होते हैं। विदेश नीति में, आप इसे पढ़ने, अनुमान लगाने और फिर इसका जवाब देने की कोशिश करते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पड़ोस में परस्पर निर्भरता या पारस्परिक लाभ की वास्तविकताएं और साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता हमारे दोनों हितोंको पूरा करेगी। ये वास्तविकताएं खुद को मुखर करेंगी। यही इतिहास रहा है।'

हमारे संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे: विदेश मंत्री

उन्होंने आगे कहा कि कुछ वर्षों में, हमारे क्षेत्र में कुछ होता है और लोग सलाह देने लगते है कि वहां किसी न किसी तरह की असुधार्य स्थिति है। फिर आप देखते हैं कि सुधार खुद ही सामने आने लगते हैं। इसलिए मैं इसे उसी भावना से लूंगा और मुझे पूरा विश्वास है कि इन दोनों मामलों में हमारे संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे।'

भारत ने आगे आकर कोलंबो की मदद की

बता दें, विदेश मंत्री जयशंकर का यह बयान श्रीलंका और बांग्लादेश में बदली हुई सरकार को लेकर आया है।

श्रीलंका को लेकर उन्होंने कहा, 'जब कोलंबो बहुत गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा था तब भारत आगे आया और बहुत स्पष्ट कहूं तो कोई और आगे नहीं आया। मुझे बहुत खुशी है कि हमने ऐसा किया। हमने इसे समयबद्ध तरीके से किया। हमने इसे बड़े पैमाने पर किया। हमने प्रभावी तरीके से 4.5 अरब डॉलर का निवेश किया। इस कदम से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था स्थिर हुई।'

उन्होंने आगे कहा कि बाकी सब उन पर निर्भर था। उस समय हमने ऐसा किया था, ऐसा नहीं था कि हमारे पास कोई राजनीतिक शर्त थी। हम एक अच्छे पड़ोसी के रूप में ऐसा कर रहे थे जो अपने पड़ोस में इस तरह की आर्थिक मंदी नहीं देखना चाहता था।'

हमारे प्रत्येक पड़ोसी की अपनी विशेष नीति होगी

बता दें, 56 साल के मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका में राजनीतिक रूप से जो होता है, वह उनकी राजनीति के लिए होता है। उन्होंने कहा, 'आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी की अपनी विशेष नीति होगी।

हमारा यह सुझाव देने का इरादा नहीं है कि उनकी गतिशीलता अनिवार्य रूप से उसी के अनुरूप होनी चाहिए जिसे हम अपने लिए बेहतर मानते हैं। मुझे लगता है कि यह वास्तविक दुनिया है। मेरा मतलब है कि हर कोई अपनी पसंद चुनता है और फिर देश एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाते हैं और इसे सुलझाने के तरीके खोजते हैं।'

हम भारत को आमंत्रित कर चुके

रूस से युद्ध को रोकने के लिए फिर शांति सम्मेलन की तैयारी करेंगे जेलेंस्की

कीव, 25 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध को पूरी तरह से रोकने के लिए दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी करनी होगी। उन्होंने भारत और अन्य देशों को शांति प्रक्रिया में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया। जेलेंस्की ने कहा कि शांति के लिए एकता हमेशा काम करती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने शांति प्रक्रिया में शामिल होने के लिए भारत के अलावा चीन और ब्राजील को भी आमंत्रित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका के साथ भी इसपर काम कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध पर जेलेंस्की ने कहा, हम सभी जानते हैं कि अगर हम ईमानदारी से स्थिति को देखे और वास्तव में रूस से युद्ध को रोकना चाहते हैं तो हमें मालूम है कि इसके लिए क्या करने की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण, एकसाथ काम करें। एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है। हमें इस युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे शांति शुखर सम्मेलन की तैयारी करनी होगी। इसके लिए मैं आप सभी को आमंत्रित करता हूं। सभी प्रमुख देशों को इस प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। हमने चीन को आमंत्रित किया। हमने ब्राजील को आमंत्रित किया। मैं भारत को पहले ही आमंत्रित कर चुका हूं। हम सभी अफ्रीकी, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशियाई देश और सेंट्रल एशिया के संपर्क में हैं। जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह तीन महीने में तीसरी मुलाकात थी। पिछले महीने पीएम मोदी ने यूक्रेनी नेता से कीव में मुलाकात की थी। इससे एक हफ्ते पहले पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले थे। सोमवार को जेलेंस्की से मिलने के बाद पीएम मोदी ने कहा, हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मेरी यूक्रेन की यात्रा परिणामों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यूएन में ईरान बोला- इजराइल को रोकना जरूरी

नहीं रोका तो पूरी दुनिया में जंग छिड़ेगी, लेबनान अटैक का हम अभी जवाब नहीं देंगे

तेहरान, 25 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान, लेबनान में इजराइल के हमलों का अभी जवाब नहीं देगा। इससे इलाके में तनाव बढ़ सकता है।

पजशकियान ने कहा कि इजराइल को रोकना जरूरी है, वर्ना पूरा मिडिल ईस्ट और फिर दुनिया जंग की चपेट में आ जाएगी। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हिंसा को तुरंत रोकने और गाजा में स्थायी युद्धविराम को लागू करने की अपील की।

यह पहला मौका है जब 70 वर्षीय ईरानी नेता ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने विचार रखे हैं। इब्राहिम रईसी के निधन के बाद पजशकियान जुलाई में ईरान के राष्ट्रपति बने थे।

ईरानी राष्ट्रपति ने इजराइल पर गाजा में नरसंहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गाजा में पिछले 11 महीने में 41 हजार मासूम लोगों को बेरहमी से मार दिया गया। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पिछले 1 साल में दुनिया के सामने इजराइल की असलियत उजागर हो गई है। पजशकियान ने कहा कि इजराइल हार चुका है। वह आईएसआईएस जैसे आतंकी ग्रुप्स को समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने ईरानी वैज्ञानिकों, राजनयिकों और उनके मेहमानों की भी हत्या की है। पजशकियान ने 2015 के ऐतिहासिक परमाणु समझौते का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि 2015 में न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद करने को लेकर एक डील हुई थी जिसके बाद उन पर लगे प्रतिबंधों को हटा लिया गया था। लेकिन ट्रम्प एकतरफा ढंग से इस डील से पीछे हट गए। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि एकतरफा प्रतिबंध से मासूम लोग निशाना बनते हैं और इससे देश की इकोनॉमी को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि ईरान परमाणु समझौते के मुद्दे पर इससे जुड़े पक्षों से बातचीत करने को तैयार है। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति ने मंगलवार को ही सीएनएन को इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की थी कि लेबनान को दूसरा गाजा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान जंग नहीं चाहता है।

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि इजराइल हमें एक ऐसे मोड़ पर ले जा रहा है जहां हम जाना नहीं चाहते। पजशकियान ने कहा कि इजराइल को पश्चिमी देशों का साथ मिल रहा है, इसलिए हिजबुल्लाह अकेले उसका मुकाबला नहीं कर सकता।

बर्फ अब पिघलने लगी है

भारत-बांग्लादेश के संबंधों पर बोले बीएनपी महासचिव आलमगीर

ढाका, 25 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सबसे बड़ी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का मानना है कि अंतरिम सरकार बनने के बाद भारत क साथ रिश्तों में सुधार हो रहा है। बीएनपी प्रमुख बेगम खालिदा जिया दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रह चुकी है। वह शेख हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश और भारत के बीच कुछ पहलों की आलोचना करती रही हैं। हाल ही में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने बीएनपी महासचिव मिर्जा फकरुल इस्लाम आलमगीर से पार्टी कार्यालय में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा के लिए बैठक की। इस बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए आलमगीर ने कहा कि बर्फ अब पिघलने लगी है।

भारत-बांग्लादेश के संबंधों में हो रहा सुधार: आलमगीर

भारतीय उच्चायुक्त से बातचीत के बाद आलमगीर ने बताया कि दोनों देशों के बीच कई सकारात्मक चीजें सामने आईं। उन्होंने ने कहा, बांग्लादेश में पिछले चुनाव के बाद से हमारे संबंधों पर सवाल किए जा रहे हैं। लेकिन इस बार भारतीय उच्चायुक्त के हमारे कार्यलय में आने से स्थिति में सुधार हुआ है। बर्फ अब पिघलने लगी है। बता दें कि बीएनपी ने इस साल जनवरी में हुए बांग्लादेशी संसदीय चुनाव का बहिस्कार किया था। उन्होंने आगे कहा, भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध हमेशा से अच्छे रहे हैं। रिश्तों में सुधार हो रहा है। यह भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधो का एक महत्वपूर्ण मोड़ भी है। बीएनपी महासचिव ने कहा कि उन्होंने भारत को आश्वासन दिया है कि सत्ता में आने के बाद वे अलगाववादी संगठनों को बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल करने नहीं देंगे। कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि पूर्वोत्तर भारत के आतंकी संगठन बांग्लादेश में शरण लिए हुए हैं। उन्होंने भारतीय उच्चायुक्त के साथ बैठक में हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, हमने दोनों देशो के बीच संबंधों पर चर्चा की। हमने जल बंटवारा मुद्दा, सीमा पर हत्याएं और व्यापार असंतुलन को रेखांकित किया। भारत की सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा है। हमने उनसे वादा किया कि अगर हम सत्ता में आए तो हम अलगाववादी संगठनों को बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल करने नहीं देंगे।

आलमगीर ने कहा, भारत और बांग्लादेश के संबंध हमेशा से अच्छे रहे हैं, लेकिन बीएनपी और भारत के बीच के संबंधों को लेकर गलतफहमी थी। मुझे लगता है कि बर्फ अब पिघलने लगी है।

चीन ने अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण

पहली बार सार्वजनिक की जानकारी

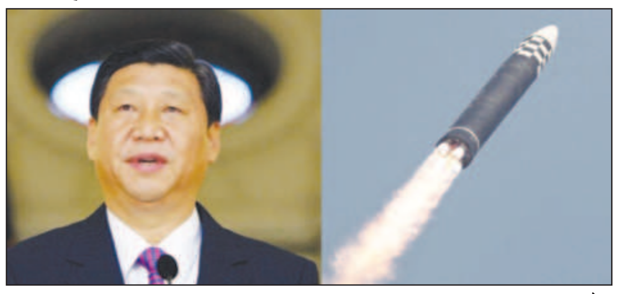

बीजिंग, 25 सितंबर (एजेंसियां)। चीन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने बुधवार को प्रशांत महासागर में एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल में एक डमी वारहेड लगाया गया और इसे स्थानीय समयनुसार सुबह 8.44 बजे पीपल्स लिबरेशन आर्मी की रॉकेट फोर्स द्वारा लॉन्च किया गया। यह मिसाइल अपेक्षित जगह पर समुद्र में गिरी। चीन ने बयान में कहा है कि 'यह परीक्षण उसके सालाना प्रशिक्षण योजना का हिस्सा है और यह लॉन्च किसी देश को लक्षित करके नहीं किया गया था।'

चीनी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएलए ने पहले ही परीक्षण के बारे में संबंधित देशों को सूचित कर दिया था। रिपोर्ट्स में मिसाइल के मार्ग और प्रशांत महासागर में वह कहां गिरी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। चीन की सेना पीएलए की रॉकेट फोर्स, देश की पारंपरिक और परमाणु मिसाइलों के संचालन की देखरेख करती है। इस रॉकेट फोर्स को चीन की परमाणु ताकतों को आधुनिक बनाने का काम सौंपा गया है, ताकि अमेरिकी मिसाइल रक्षा, बेहतर निगरानी क्षमता और मजबूत गठबंधन का मुकाबला किया जा सके। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने में जुटा है। हालांकि चीन का कहना है कि वह 'पहले इस्तेमाल नहीं' की नीति का पालन करता है।

चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता वाला केंद्रीय सैन्य आयोग ही एकमात्र परमाणु कमान प्राधिकरण है। अमेरिका द्वारा चीन के परमाणु हथियारों को बढ़ाने की लगातार आलोचना की जाती रही है। चीन ने जुलाई में वॉशिंगटन के साथ परमाणु वार्ता को भी रद्द कर दिया था।

कमला हैरिस एशियाई अमेरिका मतदाताओं में सबसे ज्यादा लोकप्रिय

ट्रंप 18 पॉइंट से पिछड़े, नए सर्वे में खुलासा

वाशिंगटन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस एशियाई अमेरिकी मतदाताओं के बीच अपने प्रतिद्वंदी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से 38 अंकों से आगे हैं। एक नये सर्वेक्षण के परिणामों में यह जानकारी दी गई। एनओआरसी ने शिकागो विश्वविद्यालय में यह सर्वे किया और मंगलवार को इसके परिणाम जारी किए गए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा जुलाई में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से अपना नाम वापस लेने और इसके बाद कमला हैरिस के उम्मीदवार बनने के बाद पहली बार यह सर्वे किया गया है। सर्वे के अनुसार, एशियाई अमेरिकी मतदाताओं के बीच कमला हैरिस (59) पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (78) से 38 प्रतिशत अंकों से आगे हैं। सर्वे के मुताबिक, अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में 66 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी मतदाता कमला हैरिस के पक्ष में जबकि 28 प्रतिशत ट्रंप के समर्थन में वोट कर सकते हैं। छह प्रतिशत मतदाता ऐसे भी हैं जो किसी अन्य उम्मीदवार के लिए मतदान कर सकते हैं या अनिर्णित हैं। अमेरिका में इस साल अप्रैल और मई के बीच किए गए एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण (एएवीएस) में 46 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी मतदाता राष्ट्रपति बाइडन का समर्थन करते हुए नजर आए थे जबकि 31 प्रतिशत मतदाता ट्रंप के समर्थन में थे। वहीं, 23 प्रतिशत मतदाता ऐसे भी थे जो किसी अन्य उम्मीदवार को मतदान करने की योजना बना रहे थे या फिर अनिर्णित थे। एशियाई अमेरिकी मतदाताओं के बीच हैरिस की लोकप्रियता में 18 अंकों की वृद्धि हुई है। सर्वेक्षण के अनुसार, 62 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी मतदाता हैरिस के प्रति अनुकूल राय रखते हैं जबकि 35 प्रतिशत की उनके बारे में प्रतिकूल राय है।

दशहरे से पहले सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती है खुशखबरी

कैबिनेट मीटिंग में होगा ये बड़ा फैसला !

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में तबादलों से प्रतिबंध हटने का इंतजार कर रहे सरकारी कर्मचारियों को दशहरे से पहले बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। चर्चा है कि इसी महीने होने वाली भजनलाल कैबिनेट मीटिंग में तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने को लेकर बड़ा निर्णय हो सकता है। हालांकि, इसी महीने में दो बार कैबिनेट मीटिंग स्थगित होने से तबादलों की आस लगाए बैठे कर्मचारियों का इंतजार थोड़ा लंबा हो गया है।

बता दें कि राजस्थान में भजनलाल सरकार ने फरवरी में 10 दिन के लिए तबादलों पर से प्रतिबंध हटाया गया था। लेकिन, उस समय शिक्षा विभाग में तबादले नहीं किए गए थे। ऐसे में अब सरकारी शिक्षकों को तबादलों पर से रोक हटने की उम्मीद जगी है। माना जा रहा है कि इस बार

कैबिनेट मीटिंग में तबादलों से प्रतिबंध हटाने पर फैसला लिया जा सकता है।

कब होगी कैबिनेट मीटिंग?

पहले कैबिनेट बैठक 18 सितंबर को होने वाली थी। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जयपुर दौरे के चलते मीटिंग स्थगित हो गई थी। इसके बाद मीटिंग 25 सितंबर को तय की गई थी, लेकिन अब सीएम भजनलाल शर्मा के दूसरे राज्यों में चुनावी अभियान के चलते बैठक स्थगित कर दी गई है। अब यह बैठक 29 सितंबर को तय की गई है। जिसमें तबादलों से प्रतिबंध हटने सहित कई अहम फैसले लिए जा सकते है।

सरकार भी तबादलों पर से बैन हटाने को लेकर गंभीर

राज्य सरकार पर तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने को लेकर विधायकों, मंत्रियों व पार्टी से जुड़े लोगों का दबाव है। मंत्री-विधायकों के दबाव के चलते भजनलाल सरकार तबादलों पर से रोक हटाने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि सरकार बदले 10 महीने हो गए है। लेकिन आज भी वे लोग दूर-दूर ही बैठे हैं, जिनका कांग्रेस सरकार ने तबादला किया था। ऐसे में लगातार शिक्षा सहित अन्य विभागों में तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की जा रही है।

तबादलों की लिस्ट आते ही नए जिलों को लेकर क्यों मचा बवाल

आमरण अनशन पर बैठे पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई

जालोर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के समय बनाए गए 17 नए जिलों को लेकर सियासी उबाल जारी है। अब ताजा मामला सांचौर को लेकर सामने आया है, जहां नवगठित जिले को रद्द करने की अफवाहों के बीच पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई आज से आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। बताया जा रहा है कि IPS अधिकारियों के तबादलों की लिस्ट आने के बाद से ही सांचौर में बवाल मचा हुआ है। दरअसल, अशोक गहलोत सरकार में मंत्री रहे और सांचौर के पूर्व विधायक सुखराम बिश्नोई 'सांचौर जिला बचाओ संघर्ष समिति' के बैनर तले आमरण अनशन कर रहे हैं।

सुखराम बिश्नोई ने दी ये जानकारी

सांचौर के पूर्व विधायक और कांग्रेस सरकार में पूर्व मंत्री रहे

सुखराम बिश्नोई ने अपने एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए लिखा कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सांचौर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर मैं कल सुबह 11 बजे से सांचौर जिला कलेक्ट्रेट के सामने अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठने जा रहा हूं। सांचौर जिले को बरकरार रखने व सांचौर जिलेवासियों के मान-सम्मान के खातिर मैं अंतिम सांस तक संघर्ष का प्रण लेता हूं।

तबादलों की लिस्ट आते ही मचा बवाल

गौरतलब है कि भजनलाल सरकार ने तीन दिन पहले IPS अधिकारियों का ट्रांसफर किया था। तबादलों की इस लिस्ट में सांचौर जिले के पुलिस अधीक्षक को हटाकर जालोर जिले के SP को ही सांचौर का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया था। इस घटना के बाद से ही सांचौर की जनता को जिले के रद्द होने का डर सताने लगा है। वहीं सांचौर जिले को रद्द करने की अफवाह सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है।

मदन राठौड़ ने दिया था ये बयान

इससे पहले भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी जिलों को लेकर एक बयान दिया था, उस समय भी इस मामले पर विवाद हुआ था। उस समय भी पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने राठौड़ के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बिना स्टडी बेतुका बयान दे रहे हैं। सांचौर जिला है और जिला रहेगा। किसी भी तरह की छेड़खानी की तो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे और अंतिम दम तक संघर्ष कर जिले को यथावत रखेंगे।

फोन टैपिंग केस : 'मुझे ऑडियो क्लिप गहलोत ने खुद दी थी'

पूछताछ से पहले लोकेश शर्मा का बड़ा दावा

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय चर्चित फोन टैपिंग केस में अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा से आज दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच में पूछताछ चल रही है। पूछताछ से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान लोकेश शर्मा ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि मुझे ऑडियो क्लिप स्वयं तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत ने अपने हाथ से पेन ड्राइव में दी थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि लोकेश शर्मा के इस बयान के बाद अशोक गहलोत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पूरी सच्चाई क्राइम ब्रांच को बताऊंगा- लोकेश शर्मा

इस दौरान लोकेश शर्मा ने कहा कि, "आज मुझसे जो भी पूछा जाएगा, मैं उसका सही जवाब दूंगा। आज तक स्थितियां अलग थीं। मुझे तो निर्देश अशोक

गहलोत की तरफ से दिए जाते थे, मैं उनकी पालना करता था। लेकिन आज मैं उस दिन की पूरी सच्चाई दिल्ली क्राइम ब्रांच को बताऊंगा।

उन्होंने आगे कहा कि, "इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे, ऑडियो क्लिप्स मुझे तक कैसे पहुंचीं, उसका सोर्स क्या था, ऐसे तमाम सवालों के जवाब मैं क्राइम ब्रांच को दूंगा, ताकि मुझे न्याय मिल सके। सभी को पता चल सके कि मैंने कोई गलती नहीं की। मैंने सिर्फ आदेशों की पालना की।" शर्मा ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि मुझे ऑडियो क्लिप स्वयं तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत ने अपने हाथ से पेन ड्राइव में दी थी।

23 सितंबर को मिला था नोटिस

दरअसल, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 23 सितंबर को लोकेश शर्मा को नोटिस दिया था। जिसमें आज बुधवार, 25 सितंबर को सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए बुलाया था। नोटिस को लेकर लोकेश शर्मा ने कहा था कि मैं हमेशा से सहयोग करते आया हूं। हर नोटिस पर जाने का प्रयास किया है। मैं निश्चित तौर पर उनकी पूछताछ में शामिल होउंगा।

जयपुर में प्रेसवार्ता कर लगाए थे आरोप

गौरतलब है कि लोकेश शर्मा ने पिछले साल अक्टूबर में क्राइम ब्रांच की पूछताछ के बाद जयपुर में प्रेसवार्ता कर अशोक गहलोत पर फ़ोन टैपिंग के आरोप लगाए थे। वहीं बताया जा रहा है कि लोकेश शर्मा आज दिल्ली पुलिस को सारे सबूत देते हैं तो अशोक गहलोत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि फोन टैपिंग के मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मार्च 2021 में दिल्ली क्राइम ब्रांच में लोकेश शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जिसके खिलाफ शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रखी है।

'लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र शरारतपूर्ण'

सीपी जोशी पर भड़के गहलोत; बोले- बदनाम करने का असफल प्रयास

जयपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ से भाजपा सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ पत्र लिखा है। पत्र में सीपी जोशी ने राहुल गांधी का पासपोर्ट निरस्त करने की मांग की है। इसके बाद राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने इसे राहुल गांधी को बदनाम करने का असफल प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी के बारे में लोकसभा स्पीकर को लिखा गया पत्र ना सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि शरारतपूर्ण है।

दरअसल, पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि, "चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी का नेता विपक्ष राहुल गांधी के बारे में लोकसभा स्पीकर को लिखा गया पत्र ना सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि शरारतपूर्ण है।

राहुल गांधी ने अमेरिका में सिख समाज एवं दलित वर्ग के बारे में जो कहा उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।"

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा उसे देशवासियों ने सुना है और उसमें कुछ भी ऐसा नहीं था जैसा भाजपा पेश करने की कोशिश कर रही है। भाजपा केवल राहुल गांधी को बदनाम करने का असफल प्रयास कर रही है। राहुल गांधी भारत देश के युवा, किसान, मजदूर, दलित, अल्पसंख्यक समेत हर वर्ग की आवाज हैं और उनकी भावनाओं को दुनिया के सामने रखना उनका कर्तव्य है।

गौरतलब है कि भाजपा सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राहुल गांधी का पासपोर्ट निरस्त करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने इस कार्यवाही के लिए तीन कारण भी बताए। जोशी ने बिरला को लिखे पत्र में कहा है कि राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति का नेता विपक्ष के पद पर रहना देश की सुरक्षा को खतरा है। उनकी गतिविधियों को देख कर लगता है कि वे देश विरोधी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं। सीपी जोशी ने कहा कि विदेश की धरती पर राहुल गांधी की ओर से दिए गए बयान किसी भी रूप में एक जिम्मेदार भारतीय नागरिक का नहीं हो सकता। राहुल गांधी के बयान राजनीतिक नहीं, विशुद्ध तौर पर देश-विरोधी गतिविधियों के दायरे में आते हैं। उनका पासपोर्ट निरस्त किया जाना चाहिए, जिससे वे भविष्य में विदेश में जाकर भारत विरोधी मुहिम का हिस्सा न बन सकें।

आगे इस पत्र में सीपी जोशी ने सवाल उठाया कि बतौर नेता विपक्ष राहुल अपने देश के उद्योगपतियों के नाम लेकर उनके खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। क्या पूरी दुनिया में कोई एक भी ऐसी मिसाल है, जब कोई पक्ष या विपक्ष का नेता दूसरे देश में जाकर अपने देश के उद्योगपतियों के खिलाफ बयानबाजी करता दिखा, आखिर राहुल गांधी के इस बयान के पीछे क्या मंशा है?

दरअसल, राहुल गांधी बीते दिनों अमेरिका व अन्य देशों की यात्रा पर गए थे। यहां भारत को लेकर उन्होंने कई बयान दिए थे जिसपर देशभर में बवाल मचा हुआ है।

शिक्षकों ने शिक्षामंत्री मदन दिलावर को लिखा पत्र, कर डाली बडी मांग

करौली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मीना ने शिक्षामंत्री मदन दिलावर को पत्र लिखकर आगामी अक्टूबर माह में आयोजित होने वाले शिक्षक सम्मेलन को यथावत रखने की मांग की है। मीना ने पत्र में बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा उच्च माध्यमिक स्तर की सीईटी परीक्षा 23 से 26 अक्टूबर 2024 तक निर्धारित की गई है। इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए शिक्षकों को वीक्षक के रूप में लगाया जाना है।

ऐसी स्थिति में राजस्थान के शिक्षकों के शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व

में प्रस्तावित जिला स्तरीय शिक्षक समेलन में भाग लेने से वंचित रहने की स्थिति उत्पन्न होगी। जिलाध्यक्ष मीना ने कहा कि वर्तमान में शिविरा पंचाग अनुसार आगामी 25 एवं 26 अक्टूबर 2024 को जिला स्तरीय शिक्षक समेलन का आयोजन प्रस्तावित है।

वहीं, अक्टूबर माह में कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से सीईटी परीक्षा प्रस्तावित है। दोनों कार्यक्रम एक ही तिथियों में होने से कई शिक्षक शिक्षा में नवाचार के लिए होने वाले चिन्तन मंथन से वंचित रहेंगे। इसीलिए आवश्यक है कि शिविरा पंचाग अनुसार निर्धारित 25 एवं 26 अक्टूबर 2024 को ही शैक्षिक समेलन का आयोजन करवाया जाए तथा प्रस्तावित सीईटी परीक्षा तिथियों में संशोधन कर नवीन तिथियां घोषित की जाए।

पूर्व बीजेपी विधायक सूर्यकांता व्यास के निधन

जोधपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर जिले की सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहीं सूर्यकांता व्यास ने 86 वर्ष की उम्र में बुधवार सुबह अंतिम सांस ली। सूर्यकांता व्यास (जीजी) पिछले करीब 10 महीने से बीमार चल रही थीं। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक लहर छाई हुई है। सूर्यकांता व्यास भाजपा से 6 बार विधायक रहीं। फिर भी उनके पूर्व सीएम अशोक गहलोत से अच्छे संबंध थे। बताते चलें कि विधानसभा चुनाव 2023 में सूरसागर सीट से भाजपा ने उनका टिकट काटा था तो अशोक गहलोत खुद उनके घर मिलने पहुंचे थे। गहलोत जीजी को अपनी बहन मानते थे।

कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी सूर्यकांता व्यास उन्हें अपना भाई बताकर आशीर्वाद देती रहीं।

जीजी ने जब गहलोत की थी तारीफ

सूर्यकांता व्यास ने पूर्ववर्ती गहलोत के बजट को लेकर विधानसभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तारीफ की थी। जिस पर संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने खुद फोन कर जीजी से नाराजगी जताई थी। गजेंद्र सिंह शेखावत ने तो इसे बुढ़ापे की गलती का बयान बता दिया था। जिसके बाद सूर्यकांता व्यास काफी नाराज भी हुईं थी।

दरगाह में मंदिर होने के दावे का परिवाद प्रस्तुत

नसीरुद्दीन बोले- धार्मिक स्थल पर उंगली उठाना गलत

अजमेर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा हिंदू सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के द्वारा दायर किया गया है। जिसकी सुनवाई न्यायालय में होनी है। न्यायालय में दायर इस वाद पर अजमेर दरगाह दीवान के उत्तराधिकारी व सज्जादानशीन सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने पलटवार करते हुए कहा कि आज जो वाद प्रस्तुत किया गया है। दरगाह ख्वाजा साहब के बारे में उसकी में निंदा करता हूं यह वाद टूटे तथ्यों पर और मनगढ़ंत इतिहास पर आधारित है। इसकी हम पुरजोर तरीके से मजम्मत करते हैं। इस वाद का हम सामना करेंगे, जवाब देंगे। ऐसे मौके पर मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि यह जो लोग हैं, सस्ती लोकप्रिय के चलते पवित्र धार्मिक स्थल पर भी उंगली उठा रहे हैं जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

इतिहास में अगर देखा जाए तो दरगाह ख्वाजा

साहब के बाबत कभी किसी भी समय में कोई आपत्ति नहीं की गई है। इस दरगाह में मुगलों से लेकर के खिलजी, तुगलक, हिंदू राजा राजपूत राजा रजवाड़े यहां तक के मराठा तक में भी बड़ी सम्मान की नजर से इस दरगाह को देखा है और अपनी आस्था जाहिर की है। यहां तक की सनातन धर्म के कई महान शख्सियत ने भी इस दरगाह ख्वाजा साहब के बाबत बड़े सम्मानपूर्वक विचार अपने रखे हैं। सिर्फ एक किताब की बुनियाद पर 1911 में आई पूरे इतिहास को खत्म नहीं किया जा सकता। अजमेर दरगाह पूरी दुनिया के मुसलमान के साथ-साथ हर धर्म के लोगों की आस्था का एक केंद्र है। यहां से हमेशा मोहब्बत अमन का पैगाम जाता है। यह हिंदुस्तान की गंगा जमुना तहजीब का सबसे बड़ा मरकज है। इस बाबत इस प्रकार की दरगाह में मंदिर होने की टिप्पणी करना और दावे करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह बताता है कि देश में धार्मिक कट्टरता किस चरम पर पहुंच चुकी है, ऐसी विषैली सोच रखने वालों के संस्थानों को बंद कर देना चाहिए। भारत सरकार को स्पेशली गाइडलाइन जारी करनी चाहिए, क्योंकि ऐसी चीज ना काबिले बर्दाश्त है।

ऐसे मौके पर मैं सिर्फ खास तौर से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का जो बयान था। दो 3 जून 2022 को जो उन्होंने नागपुर से दिया था कि हर मस्जिद में शिवालय ढूंढने की क्या जरूरत है और हर बार एक नया विवाह शुरू करने की जरूरत है, मैं उनकी बात से बिल्कुल इत्तेफाक रखता हूं।

सहायिका के पद पर चयन को लेकर मांगी रिश्वत

एसीबी ने ट्रैप कर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी को पकड़ा

सवाई माधोपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर एसीबी ने आज जिला मुख्यालय के महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत रामकिशन कुम्हार को 5000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि आरोपी अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामकिशन कुम्हार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर सहायिका के पद पर चयन को लेकर परिवादी अली हुसैन से रिश्वत की मांग की गई थी।

एएसपी के मुताबिक पुराने शहर के बिसायती मोहल्ला निवासी अली हुसैन ने एसीबी को शिकायत की थी कि आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के पद पर उसकी बहन फरहानाज के चयन को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग में अतिरिक्त प्रशासनिक पद पर कार्यरत रामकिशन कुम्हार द्वारा 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की गई और 15 हजार रुपये में सौदा तय हुआ।

परिवादी द्वारा एसीबी में शिकायत करने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया और आज जाल बिछाकर ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी की टीम ने आरोपी अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामकिशन कुम्हार को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। फिलहाल एसीबी महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में कार्रवाई करने के साथ ही आरोपी से पूछताछ करने में जुटी हुई है।

पावापुरी में सम्मान समारोह में बोले सांसद लुंबाराम चौधरी

लंबे समय से पिछड़ा हुआ रहा है संसदीय क्षेत्र

सिरोही, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सांसद लुम्बाराम चौधरी ने माना कि लंबे समय से यह संसदीय क्षेत्र पिछड़ा हुआ रहा हैं। यहां पर रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं होने से स्थानीय मूल के लोगों को व्यापार के लिए दक्षिण भारत जाना पड़ रहा है। अब समय आ गया हैं कि हम सब मिलकर इस पिछड़े क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करे। सांसद लुम्बाराम चौधरी ने माना कि लंबे समय से यह संसदीय क्षेत्र पिछड़ा हुआ रहा हैं। यहां पर रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं होने से स्थानीय मूल के लोगों को व्यापार के लिए दक्षिण भारत जाना पड़ रहा है। अब समय आ गया हैं कि हम सब मिलकर इस पिछड़े क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करे। इस दौरान सांसद चौधरी का कहना था कि संसदीय क्षेत्र में उनकी पहली प्राथमिकता बिजली, पानी, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवहन की आधारभूत सुविधाओं का विकास व विस्तार करना है। आजादी के 75 सालों में पहली बार किसी सिरोही मूल के व्यक्ति को सांसद बनने का अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व क्षेत्र की जनता ने प्रदान किया हैं तो वे इस अवसर का पूरा उपयोग कर क्षेत्र को

हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने एवं विकास कार्य स्वीकृत करवाने में कोई कमी नहीं रखेगें। उन्होंने कहा कि वे सिरोही में हवाई पायलॉट ट्रेनिंग स्कूल, आबुरोड को हवाई सेवा से जोड़ने, गुलाबगंज से माउण्टआबू अधूरी सड़क को पूरा करवाने, सिरोही से जालोर राज्य सड़क मार्ग को राष्ट्रीय राज मार्ग घोषित करवाने, मंडार से सिरोही राष्ट्रीय सड़क मार्ग पर कार्य शुरू करवाने, आबुरोड एवं अन्य औधोगिक क्षेत्रों को विकसित करवाने, सिरोही को रेल लाइन से जुड़वानें, पिण्डवाडा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव स्वीकृत करवाने एवं दक्षिण भारत की तरफ रेल सेवाओं का संचालन बढ़ाने, जालोर-सिरोही के प्राचीन धार्मिक स्थलों पर आवागमन बढ़ाने, वन्य जीव, सेन्चुयरी बनवाने सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को करवाने के लिए सतत प्रयास करेगें और संबंधित मंत्रियों एवं अधिकारियों से समय-समय पर मिलकर उसे गति प्रदान करेगें। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन किशोर एच. संघवी, संस्थापक ट्रस्टी दिलीपभाई एच. संघवी एवं ट्रस्टी रमेश वारैया ने सांसद बनने के बाद पहली बार पावापुरी आगमन पर चौधरी का तिलक हार एवं पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया गया।

मुसी जलग्रहण क्षेत्र को लेकर जिला कलेक्टर ने की बैठक

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िला कलेक्टर शशांक ने अधिकारियों को मुसी जलग्रहण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सूचित करने और मुसी जलग्रहण क्षेत्र में योग्य गरीबों को डबल बेडरूम घर आवंटित करने के लिए विवरण इकट्ठा करने का निर्देश दिया। बुधवार को जिला कलेक्टर शशांक ने राजेंद्रनगर मंडल राजस्व कार्यालय में मुसी जलग्रहण क्षेत्र के विकास और अतिक्रमण संरचनाओं को हटाने पर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि रंगारेड्डी जिले के गांधीपेट और राजेंद्र नगर मंडलों के मूसी जलग्रहण क्षेत्रों में 332 अतिक्रमण संरचनाओं की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि गांडीपेट मंडल में 32 और राजेंद्रनगर मंडल में 300 और मुसी नदी जलग्रहण क्षेत्र में 300 संरचनाओं को अवैध निर्माण पाया गया है और कुल 332 संरचनाओं

को हटाया जाना है और उनके लिए अन्यत्र डबल बेडरूम घर बनाए जाएंगे। सबसे पहले, चार टीमों का गठन किया गया है और अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि जो लोग मूसी जलग्रहण क्षेत्र में कब्जे वाली संरचनाओं में रह रहे हैं, उन्हें स्थायी घर और बेडरूम के घर दिए जाएंगे ताकि उनके पास ये कब्जे वाली संरचनाएं हमेशा के लिए न रहें। इन टीमों में पुलिस, राजस्व, नगरपालिका, सर्वेक्षण विभाग और अन्य कर्मियों को 8 से 10 की टीमों में जाने और घर के मालिक के आधार कार्ड, कागजात, वर्तमान बिल, परमिट आदि से संबंधित डेटा एकत्र करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि उन्हें सूचित किया जाना चाहिए कि जिन घरों में वे अभी रह रहे हैं, उनमें बाढ़ का खतरा है और वे कभी भी रहने लायक नहीं रहेंगे। कलेक्टर ने समझाया कि उन्हें सूचित किया जाए कि उन्हें दिए गए डबल बेडरूम मकानों का ड्रा उनके द्वारा किया जाएगा और बेदखली के समय परिवहन लागत भी सरकार वहन करेगी।

उन्होंने कहा कि टीमें अपने क्षेत्र में नियुक्त अतिक्रमणकारियों को बुलाएं और उन्हें बताएं कि सरकार उनका हर तरह से समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि बंद जलग्रहण क्षेत्रों में आवासों पर व्यावसायिक अतिक्रमण की सीमा के बारे में विवरण एकत्र किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने पुलिस को पुलिस विभाग से उचित सहयोग प्रदान करने की सलाह दी।

अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, मूसी नदी विकास प्राधिकरण के संयुक्त एमडी गौतमी, राजेंद्रनगर आरडीओ, डीसीपी श्रीनिवास, राजेंद्रनगर एसीपी श्रीनिवास, मूसी नदी डेवलपर परियोजना उप कलेक्टर विजयालक्ष्मी, राजेंद्रनगर नगर आयुक्त रविकुमार, नरसिंह नगर अधिकारी, राजेंद्रनगर ममारवो रामुलु, टीमें उप तहसील थ्रेड्स, संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

भाजपा सदस्यता अभियान का लक्ष्य पूरा करेगी : राव

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा जिसने 25 लाख सदस्य बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हुए 8 सितंबर को तेलंगाना में अपना सदस्यता अभियान शुरू किया था, अपने लक्ष्य से काफी पीछे है तथा पार्टी अब तक केवल 7 लाख सदस्य ही बना सकी है। सदस्यता अभियान का पहला चरण बुधवार को समाप्त हो गया और सामान्य सदस्यता समाप्त होने में केवल दो सप्ताह शेष रह गए हैं, ऐसे में भगवा पार्टी के लिए अपने लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है।

सक्रिय सदस्यता अभियान 1 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। पार्टी संगठन ने अभियान के दौरान राज्य भर में प्रत्येक मतदान केंद्र से कम से कम 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। पार्टी नेताओं ने कहा कि 100 सदस्य बनाने वालों को 'सक्रिय सदस्यता' दी जाएगी।

पार्टी ने दावा किया है कि उसने अपनी वेबसाइट, नमो ऐप और अन्य माध्यमों से 1.85 लाख नए सदस्य जोड़ने में सफलता पाई है। कहा जा रहा है कि यह संख्या दक्षिण भारत में सबसे अधिक है, जबकि कर्नाटक में 1.82 लाख नए सदस्य जुड़े हैं। पूर्व एमएलसी और राज्य भाजपा सदस्यता समिति के संयोजक एन रामचंद्र राव ने कहा कि पार्टी ने सदस्यता अभियान के बारे में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित की थीं।

परिवहन विभाग के अधिकारी राजस्व सृजन पर ध्यान दें : पोन्नम

रेत और फ्लाई ऐश की ओवरलोडिंग की जांच तौल मशीनों से की जाए

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को राज्य परिवहन विभाग में लक्ष्य के अनुरूप राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में परिवहन प्रधान सचिव विकास राज, परिवहन आयुक्त इलमबत्री, संयुक्त परिवहन आयुक्त रमेश और ममता ने भाग लिया। अधिकारियों से पूछा गया कि समीक्षा बैठक में राजस्व उत्पन्न करने के लिए सभी आवश्यक अवसरों का उपयोग करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सुझाव किस हद तक काम कर रहे हैं। उन्होंने सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने का आदेश दिया। सुझाव दिया गया है कि स्कूल बसों की फिटनेस के संबंध में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और अधिकारियों को उन लोगों पर जांच करनी चाहिए जो छात्रों को ऑटो में ओवरलोड करके ले जाते हैं। यूनिसेफ ने पहले ही राज्य में सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों पर कई बैठकें आयोजित की हैं और यह सुझाव दिया गया है कि सरकारी और निजी स्कूलों

और कॉलेजों में प्रत्येक छात्र के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजभवन स्कूल में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के लिए पहले ही 5 लाख रुपये स्वीकृत किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए सड़क सुरक्षा पर आधुनिक तकनीक वाला पाठ्यक्रम होना चाहिए। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी ली, जबकि तेलंगाना में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में 1 लाख 60 हजार लोगों की मौत होती है, जबकि तेलंगाना में हर साल 20 लोगों की मौत होती है। मोटर व्हीकल एक्ट के मुताबिक इनके लाइसेंस रद्द किये जाने चाहिए। परिवहन विभाग के अधिकारियों की एक टीम स्क्रैप नीति, स्वचालित परीक्षण स्टेशनों और अन्य परिवहन नीतियों का अध्ययन करने के लिए पहले ही विभिन्न राज्यों का दौरा कर चुकी है और अधिकारियों ने वहां लागू की जा रही सर्वोत्तम नीति पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रदान की है। अधिकारियों द्वारा दी गई व्यापक रिपोर्ट पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कई सुझाव दिये। इस पर एक बार फिर अंतिम रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया गया। सुझाव दिया गया कि परिवहन विभाग के कार्यालय निजी भवनों में क्या-क्या चल रहा है, इसकी एक सूची निकालें और जहां-जहां सरकारी स्थान हैं, वहां के कलेक्टरों को पत्र भेजें। क्षेत्र में उपयोगी होने के लिए परिवहन विभाग के अधिकारियों को टैब उपलब्ध कराने और उनके क्षेत्र भ्रमण के लिए वाहन सुविधा की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है। तर्कसंगत प्रक्रिया के तहत राजस्व लक्ष्य बढ़ाया जाना चाहिए। परिवहन अधिकारियों को सावधान रहना चाहिए कि ऐसे यात्रियों को कोई परेशानी न हो, जो सभी नियमों का पालन करें।

मंत्री ने ब्रह्मोत्सव वॉल पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जोगुलाम्बा बाला ब्रह्मेश्वर स्वामी देवस्थानम में आयोजित श्री जोगुलाम्बा अम्मावरी दशहरा शरणनवरात्रि महोत्सव में वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को आमंत्रित किया गया था। मंदिर के ईओ, पुरेंद्र कुमार और मंदिर के मुख्य पुजारी, आनंद शर्मा ने मंत्री सुरेखा को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर निमंत्रण पत्र सौंपा। इस अवसर पर मंत्री ने ब्रह्मोत्सव वॉल पोस्टर का अनावरण किया। मंत्री ने सुरेखा मंदिर ईओ को तेलंगाना के एकमात्र शक्ति पीठ, आलमपुर जोगुलम्बा अम्मावरी के दशहरा शरणनवरात्रि महोत्सव के आयोजन के लिए सख्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया। ब्रह्मोत्सवम में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की सलाह दी गई है। निर्देश दिया गया है कि प्रसाद योजना की राशि से बनने वाले नये भवन में श्रद्धालुओं को भोजन व आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया जाये।सरकार की ओर से मंत्री सुरेखा 3 से 12 अक्टूबर तक जोगुलम्बा मंदिर में आयोजित होने वाले दशहरा शरणनवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में देवी को रेशमी वस्त्र भेंट करेंगी।

एनसीसी का संयुक्त राज्य अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त राज्य प्रतिनिधि और अतिरिक्त/उप महानिदेशक (जेएस अनुसंधान एवं विकास) सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे संगठन अनुशासित, जिम्मेदार और प्रेरित युवा नागरिकों को आकार देने में मदद करता है, साथ ही जीवन के विभिन्न पहलुओं में नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देता है। स्वच्छ भारत अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल जागरूकता जैसी राष्ट्रीय पहलों में एनसीसी की भागीदारी और पारंपरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ सामाजिक कल्याण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, आरआरएम ने राज्य सरकारों से अपने क्षेत्रों में एनसीसी की उपस्थिति के विस्तार और वृद्धि का समर्थन करने के लिए आवश्यक जनशक्ति, वित्त पोषण और बुनियादी ढाँचा प्रदान करने में अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का आग्रह किया। जेएस आरएंडए/डी एक द्विवार्षिक कार्यक्रम है जिसमें शिक्षा मंत्री, युवा एवं खेल मंत्री तथा अपने-अपने राज्यों में एनसीसी मामलों को संभालने वाले विभागों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेते हैं।

सम्मेलन में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, डीजीएनसीसी, सभी राज्यों के एनसीसी प्रमुख तथा डीजीएनसीसी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। सम्मेलन में एयर कमोडोर वीएम रेड्डी, उप महानिदेशक एनसीसी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ने भाग लिया। दोनों राज्यों में एनसीसी से संबंधित सभी मुद्दों पर डीडीजी (एनएसएस) ने प्रकाश डाला।

बिहार का मरहौरा प्लांट भारत की वैश्विक लोकोमोटिव निर्माण यात्रा में अग्रणी

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार का मरहौरा प्लांट भारतीय रेलवे को सालाना 100 लोकोमोटिव उपलब्ध करा रहा है। वेबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड भारतीय रेलवे और वेबटेक के बीच एक संयुक्त उद्यम (जेवी) है। बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता के साथ, संयुक्त उद्यम अफ्रीका को 1,000 से अधिक लोकोमोटिव निर्यात करने के लिए तैयार है।

दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार बिहार में मरहौरा प्लांट भारतीय रेलवे के लिए लोकोमोटिव का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता रहा है। वेबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड भारतीय रेलवे और वेबटेक के बीच एक संयुक्त उद्यम है। निर्यात के लिए लोकोमोटिव बनाने के लिए प्लांट की क्षमताओं को बढ़ाने की योजना है। इस महत्वपूर्ण कदम के कारण रणनीतिक विस्तार देखा जा सकता है, क्योंकि पहली खेप अफ्रीका के ग्राहकों को लक्षित करेगी। 2018 में स्थापित, मरहौरा सुविधा वैश्विक लोकोमोटिव उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की विनिर्माण क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

मरहौरा संयंत्र की स्थापना भारतीय रेलवे के लिए अत्याधुनिक तकनीक वाले 1,000 इंजनों का स्वदेशी रूप से निर्माण करने के लिए की गई थी।

यह पहल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत को लोकोमोटिव निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करती है, जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत 'मेक इन इंडिया' और 'मेड फॉर द वर्ल्ड' पहलों के साथ संरेखित करती है। 70 एकड़ में फैले मरहौरा प्लांट में लगभग 600 लोग कार्यरत हैं और यह भारतीय रेलवे के लिए सालाना 100 लोकोमोटिव का उत्पादन कर रहा है।

इस सुविधा ने क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधि को भी बढ़ावा दिया है। रेल मंत्रालय और वेबटेक के बीच सफल सार्वजनिक-निजी साझेदारी ने मरहौरा को एक विश्व स्तरीय विनिर्माण स्थल के रूप में स्थापित किया है, जो पूरे भारत में एक व्यापक स्थानीय आपूर्तिकर्ता नेटवर्क का लाभ उठाता है। आज तक, 650 से अधिक इंजनों का निर्माण किया गया है और भारतीय रेलवे के लोकोमोटिव बेड़े में जोड़ा गया है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी वाक् प्रतियोगिता

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकीसंस्थान(सीएसआईआर-आईआईसीटी) में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक के रुप में एफ. एम. सलीम आमंत्रित थे। मुख्य वैज्ञानिक डॉ. के. राजेंदर रेड्डी एवं प्रशासन नियंत्रक, आनंद कुमार भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों ने भाग लिया एवं निर्धारित विभिन्न विषयों के भिन्न-भिन्न पहलुओं को सामने रखा।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए एफ. एम. सलीम ने कहा कि राजभाषा पखवाड़ा न होकर हिंदी पखवाड़ा का समारोह है। अतः इसमें दिल खोलकर अपनी बातें रखनी चाहिए। हमें यहाँ यह देखकर सुकून मिला कि विभिन्न मातृभाषाओं के लोगों ने हिंदी में अपनी बात सहजता से रखी, जो यह साबित करता है कि हिंदी भारत की सबसे ज्यादा लोगों के द्वारा बोली और समझी जाने वाली सशक्त भाषा है।उन्होंने प्रतियोगिता को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सकारात्मक चर्चा भी की।

प्रतियोगिता की शुरुआत करते हुए हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने संस्थान के सभी सदस्यों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए "अकबर इलाहाबादी' के प्रसिद्ध शेर

"खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो; जब तोप हो मुक़ाबिल तो अख़बार निकालो' के माध्यम से लेखनी एवं पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं कनिष्ठ हिंदी अनुवादक आदर्श कुमार ने प्रतियोगिता के नियमों को बताते हुए वसीम बरेलवी के महशूर शेर कहाँ, कौन सी बात, कैसे कही जाती है; यह सलीका हो तो हर बात सुनी जाती है के द्वारा बोलने की कला के पैमानों से अवगत कराया और प्रतियोगिता का संचालन धन्यवाद ज्ञापन किया।

हिंदुस्तान में अपनी पहचान बनाने वाली चारमीनार ग्रुप आफ इंडस्टरीज मैन्युफैक्चरिंग मेक इन इंडिया को बढ़ावा देते हुए काम कर रही है। जल्दी ही मार्केट में इसके द्वारा शेरकोटी पेन्ट के नाम से सभी प्रकार के पेंट पूरे भारत में नजर आएंगे।

तेयुप हैदराबाद द्वारा मंथन- कल, आज और कल कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संगठन के क्षेत्र में निर्देशित कार्यक्रम मंथन का आयोजन तेरापंथ भवन डी वी कॉलोनी में किया गया। नमस्कार महामंत्र के सामूहिक संगान से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, विजय गीत का संगान किशोर मंडल एवं कन्या मंडल ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पूर्व अध्यक्ष अमृत आंचलिया ने किया। इससे पूर्व मार्चपास्ट करते हुए किशोर मंडल ने सभी गणमान्यजन को एक परेड के माध्यम से कार्यक्रम स्थल पर एस्कॉर्ट किया। कन्या मंडल ने तिलक लगाकर और किशोर मण्डल व संयोजक टीम ने माला पहनाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया।

तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने पूर्व अध्यक्षों एवं मंत्री का स्वागत करते हुए अभिनंदन किया और संस्था को गौरवशाली तेयुप के रूप में उल्लेखित करते हुए उनके श्रम को नमन किया । संगठन मंत्री जिनेंद्र बैद ने सभी कार्यकाल के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए सबको अवगत करवाया । उपाध्यक्ष मनीष पटावरी ने जिज्ञासाएँ रखते हुए उनके समाधान हेतु निवेदन किया और सभी ने अपने विचारों से लाभान्वित किया।

तेयुप हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष बिमल हिरावत, विजय गेलडा, अमृत आंचलिया, बिमल पुगलिया, दिलीप डागा, राजेंद्र बोथरा, मुकेश सुराणा, नवनीत छाजेड़, श्रवण कोठारी, राहुल श्यामसुखा, प्रवीण श्यामसूखा, वीरेंद्र घोषल, निर्मल दुगड़ एवम् पूर्व मंत्री अतुल डुंगरवाल, नीरज सुराणा की गरिमामय उपस्थिति रही ।

संगठन के कल,आज और कल पर विचार विमर्श करते हुए संपूर्ण पूर्व अध्यक्षों एवं मंत्रीयों ने मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला और अपने अनुभवों को साझा किया और संगठन को सुदृढ़ करने हेतु अपने विचार व्यक्त किए । कोषाध्यक्ष आशीष दक एवं सह मंत्री जिनेंद्र सेठिया ने भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कार्यक्रम के संयोजक के रूप में संगठन मंत्री जिनेंद्र बैद, प्रेम प्रकाश पुगलिया व श्रेयांश नाहटा ने अपनी सेवाएं दी । मंत्री अनिल दुगड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा "एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद द्वारा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता पखवाड़े के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया गया। इसके तहत मरेडपल्ली स्थित गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में यूनियन बैंक का प्रतिनिधित्व उप क्षेत्र प्रमुख नवीन निश्चल ने किया। मौके पर प्रधानाचार्य श्रीमती पी. अन्नपूर्णा, सभी विभाग प्रमुख, छात्र-छात्राएं एवं बैंक की मुख्य प्रबन्धक श्रीमती के. श्रीविद्या, मरेडपल्ली शाखा प्रमुख ए. विवेकानंद रेड्डी एवं अन्य अधिकारिगण उपस्थित थे। नवीन निश्चल एवं श्रीमती पी. अन्नपूर्णा ने सबके साथ मिलकर 16 पौधे लगाए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ाना, एवं अपने माँ समान मातृभूमि और प्रकृति के प्रति सम्मान एवं समर्पण का भाव रखना है।

भगवान शिव कथा में पार्वती जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालुगण

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल) काचीगुड़ा, हैदराबाद में आयोजित सात-दिवसीय भगवान शिव कथा के चतुर्थ दिवस पर माता पार्वती के जन्मोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कथा का वाचन करते हुए डॉ. सर्वेश्वर जी ने बताया कि महाराज हिमवान व महारानी मैना ने आदिशक्ति जगदंबिका की आराधना कर उन्हें पुत्री स्वरूप में पाने का वरदान मांगा। माता सती, जो देह त्याग से पहले भगवान शिव से यह प्रार्थना करती हैं कि मैं अगले जन्म में आपकी ही सेविका बनकर जन्म लूँ। उसी प्रार्थना के फलस्वरुप माता सती, पार्वती के रूप में महाराज हिमवान के घर कन्या बन जन्म लेकर आईं। देवर्षि नारद से आज्ञा प्राप्त कर माता पार्वती भोलेनाथ को वर के रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या आरम्भ कर देती हैं। स्वामी जी ने बताया कि माता पार्वती ने इस प्रकार 108 जन्मों की लम्बी यात्रा तय की अपने शिव को प्राप्त करने के लिए। हर बार माता का जन्म तो बदला लेकिन उनका प्रेम शिव के चरणों में सदैव ज्यों का त्यों बना रहा। माता के इन 108 जन्मों को स्मृति स्वरुप भगवान शिव ने अपने गले में मुण्डमाला धारण कर सदा-सदा के लिए अमर कर दिया।

कथा का मर्म समझाते हुए स्वामी जी ने आगे बताया कि भगवान शिव के गले में पहनी हुई नरमुण्ड माला प्रत्येक जीव के आवागमन के चक्र को दर्शाती है। कालान्तर में जब माता पार्वती भगवान शिव से ज्ञान प्राप्त कर अमरता को प्राप्त हो गईं , तब शिव भगवान के गले में पहने नरमुण्डों की संख्या 108 पर ही आ कर रुक गई। ऐसे ही हमें भी उस ईश्वर के तत्व स्वरूप से जुड़कर आवागमन के चक्र से मुक्ति को प्राप्त करना है। आशुतोष महाराज जी आज दिव्य दृष्टि प्रदान कर उसी तत्व स्वरूप का दर्शन हर प्राणी के घट में करवा रहे हैं। जिसके साथ जुड़कर मानव समस्त दुःख बंधनों को काटकर सदा-सदा के लिए मोक्ष पथ का अनुगामी होता है।

महाराज हिमवान ने पुत्री के जन्म की खुशी में असंख्य गायों का दान किया। हमारी भारतीय संस्कृति में प्रत्येक खुशी के अवसर पर गोदान की परंपरा रही है। गोदान से बढ़कर और कोई भी उत्तम दान नहीं कहा जाता है। क्योंकि भारतीय नस्ल की जो देसी गाय है, वह गोवंश धरा का सबसे अमूल्य धन है । इसीलिए प्राचीन समय में विवाह शादी में गाय देने की प्रथा थी। यज्ञ के अंदर यजमान ब्राह्मणों को गाय दान किया करता था। विद्यार्थी गुरु को दक्षिणा के स्वरूप में गाय दिया करते थे।

भारतीय नस्ल की देसी गाय देश की आर्थिक समृद्धि, पर्यावरण संरक्षण, अन्न उत्पादन, मानव स्वास्थ्य रक्षण इत्यादि में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती है। इसीलिए संत अरविंद जी कहते हैं कि गाय धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष व समस्त पदार्थों को प्रदान करने वाली कामधेनु के समान है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से कामधेनु प्रकल्प देसी गाय के संवर्धन व संरक्षण के उद्देश्य से चलाया जा रहा अति विशिष्ट प्रकल्प है। जिसके तहत विभिन्न गोशालाओं का निर्माण किया गया है जहां पर भारतीय नस्ल की देसी गाय बड़ी संख्या में मौजूद हैं। संस्थान के इस प्रकल्प का उद्देश्य यही है कि भारतीय संस्कृति और जनमानस में देसी गाय पुनः अपना महिमामंडित स्थान प्राप्त कर सके। कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व ओंकार राम चौधरी हैं।

राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कवियों की संस्था गीत चाँदनी का राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन गीतकार चंपालाल बैद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी गोविंद अक्षय ने संचालन करते हुए गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ हिंदी सेवी श्रुतिकांत भारती, पूर्व पार्षद एम. वैकुंठम, श्रीराम व्यास विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित थे। रत्नकला मिश्र और रेखा देवी वर्मा ने महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में राष्ट्रवाद की भावनाओं और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर आधारित कविताओं का पाठ किया। कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों पर गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ कर समाँ बाँध दिया। कविता पाठ करने वाले कवियों में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, सत्यनारायण काकड़ा, सदानंद लाल गोगीकार, पुष्पा वर्मा, आर. दुर्गाराज पटून, सुधा ठाकुर, चंपालाल बैद, श्रीपूनम जोधपुरी, अनिल कुमार गुप्ता, रेखा देवी वर्मा, गोविंद मिश्रा, डॉ मुमताज सुल्ताना, राज कुमार यादव, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, जितेंद्र कुमार यादव आदि सम्मिलित थे। कार्यक्रम में सभी कवियों एवं अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

एनएमडीसी मुख्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय उच्चाधिकारियों के लिए एक दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें हिंदी कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी दी। सकांय सदस्य श्रीमती नीलिभा तिवारी, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का परिचय कराया।

श्रीमती नीलिभा तिवारी ने हिंदी पत्राचार एवं शब्दावली पर सत्र लिया तथा प्रतिभागियों को अभ्यास करवाया। तत्पश्चात राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने दैनिक कामकाज में राजभाषा प्रयोग विषय पर सत्र लिया। कार्यशाला का तृतीय सत्र रूद्र नाथ मिश्र ने लिया तथा उन्होंने राजभाषा हिंदी के संबंध में संविधान में किए गए प्रावधान, राजभाषा हिंदी की लिपि तथा इसकी उपयोगिता के संबंध में अपेक्षित जानकारी पर चर्चा की।

दैनिक कार्यालयीन कार्यों को निष्पादित करने में आने वाली कठिनाइयों के समाधान पर सत्र लिया। कार्यशाला का समन्वयन राजेश कुमार गोंड ने किया तथा सुश्री फौजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कानपुर में 6 रिकॉर्ड तोड़ने वाले हैं अश्विन

11 का जादुई आंकड़ा भी कर रहा है इंतजार, विराट के लिए सपना है ये चीज़

कानपुर, 25 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम भारत और बांग्लादेश की अगली रणभूमि है. टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला इसी मैदान पर होने वाला है.

टीम इंडिया पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में बढ़त बना चुकी है और कानपुर में जीत के साथ ही वो बांग्लादेश का क्लीन स्वीप भी कर देगी. वैसे कानपुर का मैदान आर अश्विन के लिए भी बेहद खास होने वाला है, वो इसलिए क्योंकि इस मैदान पर वो एक-दो नहीं बल्कि 6 बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं. साथ ही अश्विन के पास 11 के जादुई आंकड़े को छूने का भी मौका है. ये वो आंकड़ा है जिसे छूना विराट कोहली के लिए भी सपना सरीखा है. आइए आपको बताते हैं आखिर माजरा क्या है?

अश्विन छुएंगे 11 का जादुई आंकड़ा

आर अश्विन चेन्नई टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे. अब अगर कानपुर टेस्ट में भी वो प्लेयर ऑफ द मैच बन जाते हैं या फिर वो गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन कर देते हैं तो प्लेयर ऑफ द सीरीज के दावेदार होंगे. अब अगर अश्विन को प्लेयर ऑफ द सीरीज मिला तो ये उनके टेस्ट करियर में 11वीं बार होगा जब वो इस अवॉर्ड को हासिल करेंगे. अश्विन भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा 10 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी हैं. मौजूदा टीम में सिर्फ विराट कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जो टेस्ट में 3 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीते हैं. वैसे अश्विन के अलावा सचिन-सहवाग ने 5-5, द्रविड़-हरभजन, कुंबले, कपिल देव ने 4-4 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड अपने नाम किए हैं. अश्विन अगर 11वीं बार प्लेयर ऑफ द सीरीज बनते हैं तो ये खिलाड़ी मुथैया मुरलीधरन की बराबरी कर लेगा.

अश्विन तोड़ने वाले हैं ये 6 रिकॉर्ड

वैसे प्लेयर ऑफ द सीरीज के रिकॉर्ड के अलावा अश्विन 6 और बड़े रिकॉर्ड कानपुर में तोड़ सकते हैं.

अश्विन के पास चौथी पारी में 100 विकेट लेने वाला पहला भारतीय बनने का मौका है. उन्हें चौथी पारी में सिर्फ एक और विकेट की जरूरत है.

अश्विन के पास बांग्लादेश के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेना का मौका है. जहीर खान ने इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 31 विकेट हासिल किए हैं.

अश्विन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं. इस मामले में जॉश हेजलवुड 51 विकेट के साथ टॉप पर हैं.

अश्विन एक बार फिर पारी में पांच विकेट हासिल करते हैं तो वो शेन वॉर्न को पछाड़ देंगे. फिलहाल अश्विन के नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं.

अश्विन ने कानपुर टेस्ट में 9 विकेट हासिल किए तो वो नाथन लायन को पछाड़कर मौजूदा दौर के सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट हासिल करने वाले ऑफ स्पिनर बन जाएंगे.

दिल्ली की टीम में खेल सकते हैं विराट कोहली और ऋषभ पंत, सामने आई पूरी लिस्ट

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीमके दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और ऋषभ पंत दिल्ली के लिए एक बार फिर से खेलते हुए नजर आ सकते हैं। दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने इन दोनों खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी 2024-25 के लिए अपने संभावित खिलाड़ियों में रखा है। इससे पहले विराट कोहली को 2018 में रणजी की संभावित टीम में शामिल किया गया था। इस बार फिर से उन्हें रणजी की संभावित टीम में शामिल किया गया है।

12 साल पहले विराट कोहली ने खेली थी रणजी ट्रॉफी

विराट कोहली ने आखिरी बार रणजी ट्रॉफी 2012-13 के सीजन में खेली थी। उस सीजन में विराट कोहली ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ मैच खेला था।

इस बार भी दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने विराट कोहली और ऋषभ पंत को रणजी

ट्रॉफी की संभावित टीम में टॉप पर जगह दी है। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ियों के टीम में चुने जाने के बावजूद मैच खेलने की संभावना कम है क्योंकि रणजी ट्रॉफी के दौरान ही न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर आएगा। इसके बाद टीम इंडिया साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जिसमें विराट कोहली और ऋषभ पंत दोनों ही खिलाड़ियों के खेलने के आसार हैं। ऐसे में कोहली और ऋषभ पंत का रणजी ट्रॉफी के संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होना फैंस को चौंका रहा है।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के लिए दिल्ली की 84 सदस्यीय संभावित लिस्ट

विराट कोहली, ऋषभ पंत, हिम्मत सिंह, प्रांशु विजयन, अनिरुद्ध चौधरी, क्षितिज शर्मा, वैभव कांडपाल, सिद्धांत बंसल, समर्थ सेठ, जोंटी सिद्धु, सिद्धांत शर्मा, तिशांत डाबला, नवदीप सैनी, हर्ष त्यागी, सुमित माथुर, शिवांक वशिष्ठ, सलिल मल्होत्रा, आयुष बडोनी, गगन वत्स, राहुल एस डागर, रितिक शौकीन, मयंक रावत, सिमरजीत सिंह, शिवम कुमार त्रिपाठी, कुलदीप यादव, ललित यादव, प्रिंस चौधरी, शिवम किशोर कुमार, वैभव शर्मा, जितेश सिंह, रोहित यादव, सुमित कुमार, अनमोल शर्मा, केशव डाबा, सनत सांगवान, आर्यन चौधरी, आर्यन राणा , भगवान सिंह, सौरव डागर, मनी ग्रेवाल, कुँवर बिधूड़ी, निखिल सांगवान, पुनीत चहल, प्रियांश आर्य, यश ढुल, प्रिंस यादव, हर्षित राणा, मयंक यादव, सुयश शर्मा, अर्पित राणा, दिविज मेहरा, सुजल सिंह, हार्दिक शर्मा, हिमांशु चौहान, आयुष डोसेजा , अंकित राजेश कुमार, ध्रुव कौशिक, अंकुर कौशिक, कृष यादव, वंश बेदी, यश सहरावत, विकास सोलंकी, राजेश शर्मा, रौनक वाघेला, मनप्रीत सिंह, राहुल गहलोत, आर्यन सहरावत, शिवम शर्मा, सिद्धार्थ शर्मा, पर्व सिंगला, योगेश सिंह, दीपेश बालियान, सागर तंवर, ऋषभ राणा, अखिल चौधरी, दिग्वेश राठी, सार्थक रंजन और अजय गुलिया।

महिला टी20 विश्व कप 2024: पहली बार खेलेंगे ये 3 भारतीय

हरमनप्रीत कौर समेत इन 5 खिलाड़ियों का आखिरी हो सकता है टूर्नामेंट

मुंबई, 25 सितंबर (एजेंसियां)। 3 अक्टूबर से महिला टी20 वर्ल्ड कप जोर पकड़ता दिखेगा. यूएई की जमीन पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में इस बार कई महिला खिलाड़ी पहली बार खेलती दिखेंगी, तो वहीं कई खिलाड़ियों के लिए ये आखिरी टी20 वर्ल्ड कप हो सकता है. भारत ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी हैं, जिसमें से 12 के पास ही इस टूर्नामेंट को पहले भी खेलने का अनुभव है. यानी, 3 भारतीय खिलाड़ी इस बार के महिला टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलती दिखेंगी. उन 3 भारतीय खिलाड़ियों में श्रेयांका पाटिल, आशा शोभना और एस. सजाना का नाम है.

इन 3 भारतीयों का पहला महिला टी20 वर्ल्ड कप

जो 3 भारतीय खिलाड़ी पहली बार टी20 वर्ल्ड कप खेलने वाली हैं, उनके बारे में तो हमने जान लिया. अब जरा उन खिलाड़ियों के नाम भी जान लेते हैं, जिनके लिए इस बार का महिला टी20 वर्ल्ड कप आखिरी हो सकता है. हो सकता है कि ऐसे खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा भी हो लेकिन हम उन 5 खिलाड़ियों का जिक्र करेंगे, जो अपना आखिरी टी20 वर्ल्ड कप खेलते दिखें. उन 5 में से तो 3 ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक महिला टी20 वर्ल्ड कप के हरेक एडिशन खेले हैं.

हरमनप्रीत कौर (भारत)

जिन खिलाड़ियों के लिए इस बार महिला T20 वर्ल्ड कप आखिरी हो सकता है, उनमें पहला नाम भारतीय कप्तान का हरमनप्रीत कौर का है. 35 साल की हो चुकीं हरमनप्रीत कौर ने अब तक महिला टी20 वर्ल्ड कप के सभी एडिशन खेले हैं. हो सकता है इस बार हो रहा टूर्नामेंट 9वां एडिशन उनके लिए आखिरी हो.

स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज)

वेस्टइंडीज ने टेलर की ही कप्तानी में 2016 में महिला T20 वर्ल्ड कप जीता था. स्टेफनी टेलर व्हाइट बॉल क्रिकेट में वेस्टइंडीज महिला टीम का ना सिर्फ बड़ा चेहरा हैं बल्कि टी20 इंटरनेशनल तो ये सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में से एक भी हैं. लेकिन, हो सकता है कि इस बार टेलर अपना आखिरी टी20 वर्ल्ड कप खेलती दिखें.

सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड)

35 साल की सोफी डिवाइन भी उन खिलाड़ियों में हैं जो 2009 से लेकर अब तक सभी 9 एडिशन महिला T20 वर्ल्ड कप के खेलती दिखेंगी. वो न्यूजीलैंड की कप्तान होंगी. लेकिन, इस टूर्नामेंट के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है, जो कि इस बात का संकेत हैं कि हो सकता है कि ये उनका आखिरी टी20 वर्ल्ड कप हो.

सुजी बेट्स (न्यूजीलैंड)

T20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं सुजी बेट्स. अपने साथी सोफी डिवाइन की तरह इन्होंने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप के सभी 9 एडिशन खेले हैं. बेट्स अगले टी20 वर्ल्ड कप तक 39 साल की हो जाएंगी. और, ऐसे में उनके लिए टूर्नामेंट का मौजूदा एडिशन आखिरी हो सकता है.

एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया)

ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी की गिनती महिला क्रिकेटरों में बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर होती है. उनके नाम इस खेल से जुड़े हर खिताब हैं. 33 साल की पेरी के लिए बैटिंग तो कोई समस्या नहीं है लेकिन घुटने की इंजरी के चलते वो बॉलिंग के किनारा करती दिखी हैं. हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने एक भी ओवर नहीं डाला. एलिस पेरी के लिए इंजरी अगर रुकावट बनी तो हो सकता है कि वो भी अपना आखिरी टी20 वर्ल्ड कप ही खेलती दिखें.

भारत को चैंपियन बनाने वाले गुकेश बोले

ओलंपियाड को व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में लिया

नई दिल्ली, 25 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कहा कि उन्होंने हाल ही में संपन्न शतरंज ओलंपियाड को व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में लिया और नवंबर में होने वाली बहुप्रतीक्षित विश्व चैंपियनशिप से पहले अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर 18 वर्षीय गुकेश की भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका रही जिससे पुरुष टीम ने टूर्नामेंट में पहली बार स्वर्ण पदक जीता।

बुडापेस्ट से चेन्नई पहुंचे गुकेश ने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, 'ओलंपियाड को मैंने व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में लिया। मैं सिर्फ इस विशिष्ट टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। मैं अपने प्रदर्शन और टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।' गुकेश ने भारत के लिए शीर्ष बोर्ड पर शानदार प्रदर्शन किया और अपनी 10 बाजियों में नौ अंक हासिल

किए। उन्होंने आठ बाजी जीती जबकि दो ड्रॉ रहीं। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी जीता।

उन्होंने कहा, 'परिणाम इस बात का सबूत है कि हम कई चीजें सही कर रहे थे और हम सही भावना के साथ खेल रहे थे। बुडापेस्ट में जो कुछ भी हुआ उससे मैं बेहद खुश हूं।' अब गुकेश का ध्यान नवंबर-दिसंबर में गत चैंपियन चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिरेन के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण विश्व चैंपियनशिप मुकाबले पर है। भारतीय खिलाड़ी ने अप्रैल में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था और 17 साल की उम्र में विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। मई में वह 18 साल के हुए।

गुकेश और लिरेन 20 नवंबर से 15 दिसंबर तक सिंगापुर में प्रतिष्ठित खिताब और 25 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि के लिए भिड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'विश्व चैम्पियनशिप में जाने से पहले फॉर्म अच्छा है और अभी मैं काफी खुश हूं। अभी कुछ महीने बाकी हैं और मैं कड़ी मेहनत करूंगा और पूरी तरह से तैयार रहूंगा।' अगर यह किशोर सफल होता है तो वह दिग्गज विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाला पहला भारतीय बन जाएगा। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार विश्व खिताब जीता।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने शतक जमाकर रचा इतिहास

348 दिन बाद हारा ऑस्ट्रेलिया, वनडे सीरीज हुई रोमांचक

नॉटिंघम, 25 सितंबर (एजेंसियां)। जीत पर जीत, जीत पर जीत, 348 दिनों से वनडे क्रिकेट की पिच पर ऑस्ट्रेलिया को मानों जीत की लत सी लग गई थी. इस दौरान उसने एक के बाद एक 14 वनडे लगातार जीते. लेकिन 24 सितंबर 2024 को ऐसा नहीं हुआ. इस दिन मेंस वनडे में उसके लगातार जीत के सिलसिले पर विराम लग गया. और, ऐसा मुमकिन हुआ इसलिए क्योंकि इंग्लैंड के कार्यकारी कप्तान हैरी ब्रूक ने मैच में सिर्फ शतक नहीं लगाया बल्कि उसके साथ इतिहास भी बनाया. बारिश से प्रभावित मैच में इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस नियम से जीत दर्ज की, जिसके साथ ही वनडे सीरीज में अब रोमांच पैदा हो गया है.

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 वनडे की सीरीज का ये तीसरा मैच था. इससे पहले खेले दोनों वनडे ऑस्ट्रेलिया जीत चुका था और सीरीज में बढ़त बना चुका था. तीसरे वनडे में भी उसने इंग्लैंड के सामने बड़ा टारगेट सेट किया था. मुकाबले में पहले बल्लेबाजी ऑस्ट्रेलिया ने की और 50 ओवर में 7 विकेट पर 304 रन बनाए. ऑस्ट्रेलिया की ओर से एक बार फिर से एलेक्स कैरी ने सबसे ज्यादा रन बनाए. छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कैरी ने 65 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए. उनके अलावा टॉप ऑर्डर में स्टीव स्मिथ ने 60 रन की पारी खेली. ग्लेन मैक्सवेल ने 30 रन बनाए.

जबकि आरोन हार्डी ने 8वें नंबर पर उतरकर 44 रनों की पारी खेली. इंग्लैंड के सामने 305 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही. इंग्लैंड ने 2 विकेट सिर्फ 11 रन बना गंवा दिए. लेकिन उसके बाद विल जैक्स और हैरी ब्रूक ने कमान संभाल ली. दोनों ने मिलकर शतकीय साझेदारी की और टीम के स्कोर को 27.3 ओवर में 3 विकेट पर 167 रन तक पहुंचा दिया. विल जैक्स ने 82 गेंदों पर 84 रन बनाए.

विल जैक्स तो आउट हो गए. शतक से चूक भी गए. लेकिन हैरी ब्रूक ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर अपना दबदबा बनाए रखा. जेमी स्मिथ का तो उन्हें उतना साथ नहीं मिला. लेकिन, लायम लिविंग्सटन उनके साथ आकर जम गए. इसी बीच हैरी ब्रूक ने अपने वनडे करियर की पहली सेंचुरी जड़ी.

सीपीएल 2024 में जॉनसन चार्ल्स ने जमाए सबसे ज्यादा छक्के

फाफ डु प्लेसी के साथ तोड़ा पार्टनरशिप रिकॉर्ड, 40 गेंदों में कमाल कर टीम को जिताया

खेल डेस्क, 25 सितंबर (एजेंसियां)। सीपीएल 2024 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में क्विंटन डि कॉक अब पीछे छूट चुके हैं. जॉनसन चार्ल्स ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ खेली अपनी विस्फोटक पारी के बाद उन्हें पीछे छोड़ दिया है. चार्ल्स ने सेंट लुसिया किंग्स के लिए डु प्लेसी के साथ पार्टनरशिप का रिकॉर्ड भी बनाया.

सीपीएल 2024 की पिच पर 24 सितंबर की शाम छक्कों की बारिश देखने को मिली. 35 साल के एक बल्लेबाज ने इस मैच में इतने छक्के मारे कि सीपीएल के इस सीजन में वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाला बल्लेबाज बन गया. ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ सेंट लुसिया किंग्स की ओर से खेल रहे इस बल्लेबाज का नाम जॉनसन चार्ल्स था. 35 साल के चार्ल्स मिजाज से विस्फोटक बैटर हैं. और, इस मैच में उन्होंने खेला भी उसी अंदाज में. उन्होंने छक्कों की बारिश करने के अलावा अपने कप्तान फाफ डु प्लेसी के साथ इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स के लिए पार्टनरशिप का रिकॉर्ड भी तोड़ा.

सेंट लुसिया किंग्स ने पहले की बल्लेबाजी

मुकाबले में टॉस जीतकर ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने सेंट लुसिया किंग्स को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा. लेकिन, ये दांव उलटा पड़ गया क्योंकि ओपनिंग करने उतरे सेंट लुसिया किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसी और जॉनसन चार्ल्स विकेट पर आकर जम गए. विकेट के दोनों

छोर से रनों की बारिश होने लगी. और, जब ऐसा हुआ तो एक रिकॉर्ड पार्टनरशिप की स्क्रिप्ट लिखी गई.

डु प्लेसी और चार्ल्स के बीच रिकॉर्ड पार्टनरशिप

फाफ डु प्लेसी और जॉनसन चार्ल्स ने मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए हुआ सेंट लुसिया किंग्स का 139 रन का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. डु प्लेसी और चार्ल्स ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ ओपनिंग विकेट के लिए 145 रन जोड़े. ये जोड़ी तब टूटी जब जॉनसन चार्ल्स की 40 गेंदों वाली दमदार और कमाल की पारी पर ब्रेक लगा.

जॉनसन चार्ल्स ने 40 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ 89 रन बनाए. 222.50 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में जमाए 8 छक्कों के बाद जॉनसन चार्ल्स सीपीएल 2024 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उनके नाम अब 25 छक्के हो गए हैं. इसी के साथ चार्ल्स ने अब तक 24 छक्के लगाने वाले क्विंटन डिकॉक को पीछे छोड़ दिया है. फाफ डु प्लेसी ने भी अर्धशतक जड़ा और 43 गेंदों पर 59 रन बनाए. इन दोनों के अलावा टिम सिफर्ट ने 30 रन बनाए. इस तरह सेंट लुसिया किंग्स 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 218 रन बनाने में कामयाब रही.

जीत से 80 रन दूर रही त्रिनबागो नाइट राइडर्स

अब ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के सामने 219 रन का लक्ष्य था. लेकिन, टीम में पोलार्ड, रसेल, पूरन जैसे नाम वाले खिलाड़ी होने के बाद भी ये टीम टारगेट को चेज करने से 80 रन दूर रह गई. इसके अलावा त्रिनबागो की टीम 20 ओवर भी नहीं खेल सकी. पूरी टीम 17.5 ओवर में 138 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. सेंट लुसिया की ओर से नूर अहमद सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट लिए. जॉनसन चार्ल्स को उनकी शानदार इनिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

18 साल के द्रोण देसाई ने ठोके 498 रन

उड़ाए 93 चौके-छक्के, दूसरी टीम सिर्फ 40 पर ढेर

अहमदाबाद, 25 सितंबर (एजेंसियां)। प्रणव धनवड़े, पृथ्वी शॉ, अरमान जाफर जैसे कुछ बल्लेबाजों के बाद एक और युवा भारतीय बल्लेबाज ने स्कूल क्रिकेट में रनों का ऐसा पहाड़ खड़ा कर दिया, जिसने सामने वाली टीम को पूरी तरह धराशायी कर दिया. गुजरात के 18 साल के बल्लेबाज द्रोण देसाई ने एक स्थानीय टूर्नामेंट में अपनी स्कूल की ओर से अकेले दम पर करीब 500 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया. अहमदाबाद में हुए अंडर-19 टूर्नामेंट में सेंट जेवियर्स स्कूल के द्रोण देसाई ने जेएल इंग्लिश स्कूल के खिलाफ विस्फोटक और लंबी पारी खेलते हुए अकेले दम पर 498 रन जड़ दिए. वहीं दूसरी टीम अपनी दो पारियों में मिलाकर भी द्रोण के स्कोर के आस-पास नहीं पहुंच सकी. जानकारी के मुताबिक, 23 सितंबर से शुरू हुए इस मुकाबले में जेवियर्स ने अपनी पहली पारी में सिर्फ 15 रन पर पहला और 26 रन पर दूसरा विकेट गंवा दिया था. यहां से तीसरे नंबर पर आए द्रोण ने मोर्चा संभाल लिया और फिर क्या था, जेएल स्कूल के फील्डर गेंद को सिर्फ बाउंड्री की ओर जाता हुआ देख रहे थे. द्रोण ने पहले हेत देसाई के

साथ 350 रन की पार्टनरशिप की, फिर टीम के कप्तान विराट तलाटी के साथ भी 188 रन की पार्टनरशिप की. इन दोनों बल्लेबाजों ने भी शतक जमाए लेकिन हीरो तो द्रोण देसाई ही रहे.

दाएं हाथ के बल्लेबाज द्रोण ने एक ऐतिहासिक पारी खेली और सिर्फ 320 गेंदों में 498 रन जड़ दिए. यानि उन्होंने 155.62 के स्ट्राइक रेट से धुआंधार बैटिंग की. वो कुल 372 मिनट तक क्रीज पर डटे रहे. इस दौरान द्रोण ने अपनी पारी में कुल 93 चौके-छक्के जमाए, जिसमें 86 चौके और 7 छक्के शामिल थे. आखिरकार टीम के 775 रन के स्कोर पर द्रोण आउट हुए और 500 का आंकड़ा पार करने से चूक गए. उनकी इस पारी के दम पर जेवियर्स ने 844 रन बनाकर पारी घोषित कर दी.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इतनी बड़ी पारी खेलने के बाद भी द्रोण निराश थे. ये निराशा थी 500 रन का करिश्माई आंकड़े से चूकने की, जो उनसे सिर्फ 2 रन दूर रह गया. इसके बावजूद उनका स्कोर जेएल इंग्लिश की टीम के लिए बहुत बड़ा था, जो दो पारियों में मिलाकर भी उनके स्कोर के आस-पास भी नहीं पहुंच पाई. जेएल इंग्लिश की टीम सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही थी और इसलिए 9 विकेट गिरते ही उनकी पारी खत्म हो गई थी.

संन्यास वापस लेने के लिए तैयार बेन स्टोक्स

लंदन, 25 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स इन दिनों इंजरी के चलते टीम से बाहर चल रहे हैं। लंबे समय से स्टोक्स इंजरी से जूझ रहे हैं। जिसके चलते स्टोक्स ने आईपीएल 2024 भी नहीं खेला था। साल 2023 में भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था। इस विश्व कप में इंग्लैंड टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टूर्नामेंट में बेन स्टोक्स भी टीम का हिस्सा थे, लेकिन विश्व कप के बाद स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। इसके अलावा चोट के चलते स्टोक्स टी20 विश्व कप 2024 में भी नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब इस ऑलराउंडर ने चैंपियंस ट्रॉफी

2025 में खेलने की इच्छा जाहिर की है, जो वनडे फॉर्मेट में खेली जाएगी। खराब फिटनेस के चलते स्टोक्स लंबे समय से लगातार क्रिकेट नहीं खेल पा रहे हैं। इंजरी का असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा था। लेकिन अब स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से अपना संन्यास वापस लेने के साथ-साथ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का मन बना लिया है। हालांकि उनको एक खास शख्स की कॉल का इंतजार हो रहा है।

स्काई स्पोर्ट्स को स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले गए तीसरे वनडे मैच के बाद एक इंटरव्यू दिया। जिसमें स्टोक्स ने कहा कि मैनें इंग्लैंड के लिए काफी वनडे मैच खेले हैं। जो भी मैंने इस फॉर्मेट में हासिल किया है उससे मैं काफी खुश हूं। ऐसे में अगर मुझे किसी तरह टीम में शामिल करने की योजना बनती है और मुझे ब्रेंडन मैकुलम का फोन आता है कि आकर तुम्हें खेलना है तो मेरा जवाब हां होगा। बेन स्टोक्स ने इंग्लैंड के लिए 114 वनडे मैच खेले थे। जिसकी 99 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए स्टोक्स ने 3463 रन बनाए थे।

भट्टी लास वेगास में माइनएक्सपो में भाग लिया

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने यूएसए के लास वेगास में माइनएक्सपो में भाग लिया। माइनएक्सपो 2024 दुनिया का सबसे बड़ा खनन कार्यक्रम है, जो 24 से 26 सितंबर तक लास वेगास कन्वेंशन सेंटर में निर्धारित है, जिसमें नवीनतम खनन नवाचारों, प्रौद्योगिकियों और मशीनरी का प्रदर्शन किया गया है, जो 125 से अधिक देशों के 44,000 से अधिक लोगों को उद्योग के पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है। उपमुख्यमंत्री ने माइनएक्सपो में बैठकों की एक बहुत ही महत्वपूर्ण श्रृंखला की और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कोमात्सु के प्रबंधन से मुलाकात की और उनके नवीनतम उत्पादों - D475A-8 माइनिंग डोजर, GD955-7 मोटर ग्रेडर, ZT44 ब्लास्टहोल ड्रिल, HRX 1000 साइजर, 12HM26 निरंतर माइनर, WE2350-4 हाइब्रिड व्हील लोडर, और अन्य उत्पादों की जांच की।

भट्टी ने कैटरपिलर इंक के प्रबंधन से भी मुलाकात की और उनके नवीनतम उत्पाद पेशकशों की जांच की। बाद में, उपमुख्यमंत्री ने बीकेटी टायर के प्रबंधन के साथ-साथ विर्टजेन समूह के साथ बातचीत की और खनन उद्योग के लिए उनके नवीनतम उत्पाद पेशकशों की जांच की।

भट्टी ने अमेरिकी सरकार के विभिन्न शीर्ष-स्तरीय अधिकारियों से भी मुलाकात की। दोनों पक्षों ने अमेरिका के साथ बहुत ही उपयोगी आदान-प्रदान किया, जिसमें तेलंगाना में किसी भी संभावित निवेश को सुविधाजनक बनाने में गहरी रुचि व्यक्त की गई, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि हैदराबाद में अपने पिछले अनुभवों के कारण उन्हें इस पर पेशेवर विश्वास है।

उपमुख्यमंत्री ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के अपने समकक्ष (अरुण वेंकटरमन) के साथ कई पहलुओं पर चर्चा की - खनन और अन्य कार्यों में स्थिरता का महत्व।उन्होंने दुर्लभ पृथ्वी धातु खनन के बढ़ते महत्व, हैदराबाद में नए चौथे शहर की परिकल्पना और निर्माण के दौरान बनाई जा सकने वाली रणनीतिक साझेदारी पर भी चर्चा की। उन्होंने तेलंगाना की अर्थव्यवस्था के लिए विकास के इंजन के रूप में हैदराबाद के महत्व और कई सकारात्मक अनुभवों के बारे में बताया, जिन्होंने हैदराबाद में अमेरिकी कंपनियों के संदर्भ को सूचित किया है।

भट्टी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया, विशेष रूप से कुछ दिनों पहले दोनों संबंधित देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठकों को देखते हुए। उनका मानना था कि अगर दोनों पक्ष टिकाऊ तकनीकी हस्तक्षेप के लिए प्रतिबद्ध हों, तो भविष्य उज्ज्वल होगा, जिससे विकास को बढ़ावा मिलेगा। वेंकटरमण द्वारा भविष्य में नए सिरे से सहयोग की उम्मीद जताने के साथ बैठक सकारात्मक रूप से समाप्त हुई।

उत्पीड़न की शिकायत के बाद बीआरएस कार्यकर्ता लापता

नागरकुरनूल, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकुरनूल विधानसभा क्षेत्र के पेड्डा मुद्दुनूर गांव का एक युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक संदेश पोस्ट करने के बाद लापता हो गया है, जिसमें उसने स्थानीय कांग्रेस नेता रमना राव पर उसे और अन्य बीआरएस कार्यकर्ताओं पर परेशान करने का आरोप लगाया है।

बीआरएस कार्यकर्ता कुरुमूर्ति नामक युवक ने एक वीडियो संदेश में रमना राव पर स्थानीय विधायक और एमएलसी की मदद से उसे झूठे मामलों में फंसाने का आरोप लगाया। उसने दावा किया कि पुलिस ने विधायक और एमएलसी के निर्देश पर उसके खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज किया है। उसने एक्स पर पोस्ट किया कि आप मुझे परेशान कर सकते हैं, लेकिन आपकी अराजकता लंबे समय तक नहीं चलेगी। रमना राव की अराजकता सभी ग्रामीणों को पता है।

वीडियो में वह यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि यह उनका आखिरी संदेश होगा। यह वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया है और उनके परिवार के सदस्य कुरुमूर्ति के लापता होने के लिए रमना राव को दोषी ठहरा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो रमना राव जिम्मेदार होंगे।

सरकार अगले साल खेल विश्वविद्यालय अकादमी स्थापित करेगी : सीएम रेवंत

बीएफएसआई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया है कि राज्य सरकार अगले साल खेल विश्वविद्यालय और खेल अकादमी स्थापित करेगी, जिससे तेलंगाना देश के लिए एक रोल मॉडल के रूप में आगे बढ़ेगा। बुधवार को यहां मसाब टैंक में बीएफएसआई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद बैठक को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मिशन दुनिया को कुशल युवा प्रदान करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में पिछले दस वर्षों के दौरान बेरोजगारी में असामान्य वृद्धि देखी गई है और बेरोजगार युवा नौकरियों और रोजगार के अवसरों से वंचित हैं। तेलंगाना में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या को जनता की सरकार ने गंभीरता से लिया है। यही कारण है कि सत्ता में आने के तीन महीने के भीतर राज्य सरकार ने 30,000 लोगों को नियुक्ति आदेश दिए। विभिन्न सरकारी विभागों में 35,000 रिक्तियों को भरने के लिए पहले ही अधिसूचना जारी कर दी गई है।

सरकार ने अगले दो या तीन महीनों में 35,000 और रिक्तियों को भरने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा तेलंगाना में 2 लाख नौकरियां भरने के बाद भी बेरोजगारी की समस्या बनी रहेगी और प्रतिभाशाली युवाओं को कौशल के बिना नौकरी के अवसर नहीं मिलेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने समस्या के मूल कारण की पहचान करते हुए नौकरी के इच्छुक लोगों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम पेश करने की पहल की है। उन्होंने बताया, "तेलंगाना में हर साल तीन लाख छात्र स्नातक की पढ़ाई पूरी कर रहे हैं, लेकिन औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कौशल की कमी के कारण उन्हें नौकरी के अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए, राज्य सरकार ने उद्योगों को आवश्यक कुशल कार्यबल प्रदान करने के लिए बीएफएसआई के साथ बातचीत की और बीएफएसआई द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर एक कार्य योजना तैयार की। इसने प्रशिक्षण पूरा करने के तुरंत बाद नौकरी पाने के उद्देश्य से यह कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया है।" तेलंगाना में पिछले 10 वर्षों से नौकरियों की कमी के कारण कुछ युवाओं के गांजा और नशीले पदार्थों की लत में पड़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से बचाने के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन समय की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी। रेवंत रेड्डी ने कहा, "हैदराबाद को न केवल शिक्षा केंद्र में बदला जाएगा, बल्कि कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के लिए भी एक गंतव्य बनाया जाएगा। हमारा लक्ष्य हैदराबाद शहर को तकनीकी कौशल के लिए एक गंतव्य और विश्व मंच पर एक महानगरीय शहर के रूप में बढ़ावा देना है। इसके लिए राज्य सरकार सभी से सहयोग मांग रही है।"

एबिड्स ताज महल होटल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस

दाल में कीड़ा मिलने के साथ मिली कई कमियां

हैदराबाद, 25 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी अतिरिक्त आयुक्त स्वास्थ्य पंकजा ने कहा कि ताज महल होटल, एबिड्स (मैसर्स बी सुंदर राव होटल प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई) में जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने 24 सितंबर को होटल में निरीक्षण किया। निरीक्षण के हिस्से के रूप में, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने होटल में कई खामियां देखीं जैसे दालों में कीड़ा , उचित स्वच्छता प्रबंधन, खाद्य गुणवत्ता मानकों का अनुपालन न करना, खाद्य पदार्थों पर लेबल की कमी और भंडारण क्षेत्र में तिलचट्टे की उपस्थिति मिली। उन्होंने कहा कि इस मौके पर होटल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नकली खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनी दो महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी (स्वास्थ्य) अतिरिक्त आयुक्त पंकजा ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानवाधिकार अधिकारी होने का दावा करते हुए विभिन्न होटलों और रेस्तरां में ठगी करने वाली दो महिलाओं को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया गया।

उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के खाद्य सुरक्षा विभाग को हाल ही में शिकायत मिली थी कि बोगुला सुनीता और नीली विजयलक्ष्मी नाम की दो महिलाएं खाद्य सुरक्षा और मानवाधिकार अधिकारी होने का दावा करते हुए विभिन्न होटलों और रेस्तरांओं का निरीक्षण और लूटपाट कर रही थीं। जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि जानकारी मिलने के बाद कि दोनों संबंधित महिलाएं 23 सितंबर को अलवाल और कुतबुल्लापुर इलाकों में रेस्तरां का दौरा कर रही थीं, खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने तुरंत आसपास के रेस्तरां और होटलों को सतर्क कर दिया।

इस हद तक, सुचित्रा एक्स रोड स्थित मेसर्स जिस्मत जेल मंडी रेस्तरां के प्रबंधकों ने कहा कि उन्होंने संबंधित महिलाओं को पकड़ लिया था और उन्हें पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन को सौंप दिया था। पेटबशीराबाद पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान बोगुला सुनीता (50) और सिकंदराबाद की नीली विजयलक्ष्मी (58) के रूप में हुई। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

मौसमी बीमारियों की व्यापकता के बावजूद डॉक्टर जनता के लिए उपलब्ध -शशांक

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर शशांक ने डॉक्टरों से बेहतर चिकित्सा सेवाएं देने को कहा है। बुधवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर भवन के सभाकक्ष में प्रचलित मौसमी बीमारियों की पृष्ठभूमि में जिला कलक्टर शशांक ने उठाए जाने वाले कदमों को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियाँ अधिक होती हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जो डॉक्टर पंजीकृत हैं, जहां स्टाफ उपलब्ध है वहां लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकन पॉक्स, डेंगू और मलेरिया के मामले दर्ज किए गए हैं।

किसान को अपमानित करने पर हरीश ने की सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि ऋण की अदायगी में चूक करने वाले किसानों के साथ बैंकरों द्वारा किए जा रहे व्यवहार पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने बुधवार को तेलंगाना में किसानों की दुर्दशा के लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया।

राव की यह आलोचना मंचेरियल जिले के नेनेला मंडल के एक किसान गट्टी शिव लिंगैया से जुड़ी घटना के मद्देनजर आई है, जिसे कृषि ऋण चुकाने में विफल रहने के कारण गंभीर परिणाम भुगतने पड़े थे। लिंगैया ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से 1.5 लाख रुपए उधार लिए थे और उन्हें उम्मीद थी कि कांग्रेस सरकार के वादे के मुताबिक उनका कर्ज माफ हो जाएगा लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ और बैंक ने तीन किश्तें पहले ही जमा कर ली थीं और उनसे अपना खाता बंद करने को कहा। बैंक अधिकारियों ने कथित

तौर पर लिंगैया के घर के दरवाजे तोड़ दिए, जबकि वह अपने ऋण की किस्त चुकाने के लिए गांव में मदद मांगने वाले अन्य किसानों के दरवाजे खटखटा रहा था। इस घटना ने ऋण माफी योजना के अधूरे वादों के कारण बैंकों द्वारा किसानों के साथ किए जाने वाले कठोर व्यवहार को उजागर किया है। राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी 2 लाख रुपये के कर्ज माफी के नाम पर किसानों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं, जो उनके अनुसार पूरे समुदाय के लिए अभिशाप बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार द्वारा अपने वादों को पूरा न करने के कारण किसानों का गौरव और सम्मान दांव पर लगा है।

हाईकोर्ट से लेकर तालुका स्तर तक सभी स्तरों पर होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सभी प्रकार के सिविल मामलों और समझौता योग्य आपराधिक मामलों (प्री लिटिगेशन और लंबित मुकदमेबाजी मामले दोनों) के निपटारे के लिए 28 सितंबर को तेलंगाना में उच्च न्यायालय से लेकर तालुका स्तर तक सभी स्तरों पर राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस संबंध में, मुख्य न्यायाधीश और संरक्षक-इन-चीफ और कार्यकारी अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में, सभी सिविल और समझौता योग्य आपराधिक मामलों के निपटारे के लिए 28 सितंबर को पूरे तेलंगाना राज्य में सभी अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। लोक अदालत बिना किसी व्यय या शुल्क के सेवाएं प्रदान कर रही है। यदि लंबित मामलों में कोई न्यायालय शुल्क अदा किया गया है तो उसे वापस कर दिया जाएगा, यदि मामला लोक अदालत के माध्यम से निपटाया जाता है और लोक अदालत में पारित पुरस्कार के खिलाफ कोई अपील नहीं होती है। आम जनता अपने मामलों के निपटारे के लिए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में भौतिक और आभासी मोड में लोक अदालत तंत्र का लाभ उठा सकती है। सभी व्यक्ति, जो अपने लंबित मामलों या मुकदमेबाजी से पहले के मामलों को निपटाने के इच्छुक हैं, वे संबंधित जिलों के जिला न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/सचिव, न्याय सेवा सदन (या) निकटतम मंडल विधिक सेवा समिति/निकटतम न्यायालय से संपर्क कर सकते हैं ताकि उनके विवादों का समाधान 28 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से हो सके, यह जानकारी सीएच. पंचाक्षरी, सदस्य-सचिव (जिला एवं सत्र न्यायाधीश) ने दी।

जेएनएएफएयू को विश्वविद्यालय की 10 एकड़ जमीन आवंटित

सरकार के फैसले के खिलाफ बीआरएओयू में प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) परिसर में बुधवार को कांग्रेस सरकार द्वारा जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय (जेएनएएफएयू) को विश्वविद्यालय की 10 एकड़ जमीन आवंटित करने के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ।

बीआरएओयू की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी), जिसमें शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी संघ और तकनीकी कर्मचारी संघ शामिल हैं, ने भूमि आवंटन पर सरकार के निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की। जेएसी की अध्यक्ष प्रो. पल्लवी कबाड़े, संयोजक प्रो. वड्डनम श्रीनिवास और महासचिव डॉ. महेश्वर गौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय कई दशकों से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और वंचित छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पर्याप्त भवनों और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण कर्मचारी और छात्र दोनों पहले से ही चुनौतियों का सामना कर रहे थे और बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मल्टीमीडिया, ऑनलाइन शिक्षा सीखने और कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता थी। जेएसी के अनुसार, बीआरएओयू की स्थापना तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा जुबली हिल्स में 53 एकड़ भूमि पर की गई थी। हालांकि, पांच एकड़ भूमि टी-सैट को आवंटित की गई थी, अन्य 4 एकड़ भूमि का उपयोग केवल ब्रिज के निर्माण के लिए किया गया था, जबकि 5 एकड़ से अधिक भूमि दुर्गम चेरुवु में डूब गई थी।

विश्वविद्यालय, जो अब विभिन्न भवनों के साथ 35 एकड़ भूमि में है, पूरे राज्य में लाखों छात्रों को सेवाएं प्रदान कर रहा है।

जेएसी ने विश्वविद्यालय की जमीन को अन्य संस्थानों को आवंटित करने के सरकार के फैसले पर अपनी आशंकाएं और चिंताएं व्यक्त कीं, क्योंकि इससे परिसर के आगे विस्तार की कोई गुंजाइश नहीं होगी। जेएसी के सदस्यों ने सभी कर्मचारी संघों, दलित और कमजोर वर्गों के नेताओं के साथ मिलकर चेतावनी दी कि अगर जमीन आवंटित करने का फैसला वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

फार्मा सिटी पहल पर कांग्रेस सरकार से केटीआर ने पूछे सवाल

मुसी परियोजना को लेकर तीखा हमला बोला

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुसी नदी परियोजना और हैदराबाद फार्मा सिटी पहल को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बुधवार को मुसी नदी सफाई परियोजना की ज़रूरत पर सवाल उठाया, खासकर हैदराबाद में 94 प्रतिशत सीवेज उपचार हासिल करने के बाद। दरअसल बीआरएस शासन के दौरान 100 प्रतिशत उपचार हासिल करने का लक्ष्य रखा गया था।

पार्टी नेताओं की एक टीम का नेतृत्व करते हुए उन्होंने कांग्रेस सरकार के तहत काम की स्थिति का जायजा लेने के लिए कुकटपल्ली में फतेहनगर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का दौरा किया। उन्होंने परियोजना के लिए अलग-अलग और अत्यधिक लागतों का हवाला देने के लिए सरकार और मंत्रियों की आलोचना की, जो 50,000 करोड़ रुपये से लेकर 1.5 लाख करोड़ रुपये तक हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि असंगत लागत अनुमान और इतने ऊंचे आंकड़ों की घोषणा करने से पहले विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की कमी को देखते हुए यह परियोजना भ्रष्टाचार को छिपाने का एक तरीका हो सकता है।

राव ने इस बात पर जोर दिया कि फतेहनगर एसटीपी का दौरा सिर्फ़ शुरुआत थी, जिसमें निर्माणाधीन सभी एसटीपी का निरीक्षण करने की योजना है। इसका लक्ष्य हैदराबाद को 100% उपचारित अपशिष्ट जल वाला शहर बनाना था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूसी नदी में केवल शुद्ध पानी ही बहे। उन्होंने हैदराबाद में डबल बेडरूम वाले घर बनाने में असमर्थता के बारे में अपने बयानों के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की।

'ओग्गू कथा' पर दो दिवसीय कार्यशाला

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के लोक संस्कृति अध्ययन केंद्र में 'ओग्गू कथा: प्रदर्शन और प्रलेखन' विषय पर 'तेलंगाना लोककथा की प्रतिध्वनि' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तेलंगाना भाषा एवं संस्कृति विभाग के साथ समन्वय में केंद्र ने कोमुरवेली से ओग्गु कथा कलाकारों के एक समूह को छात्रों और शिक्षाविदों के लिए ओग्गु कथा प्रदर्शन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए एक साथ लाया।

कार्यशाला का उद्देश्य तेलंगाना की कहानी कहने की समृद्ध परंपरा ओग्गू कथा को प्रदर्शित करना तथा इसे युवाओं, उत्साही लोगों और शिक्षाविदों के लिए सुलभ बनाना था। यह कार्यशाला जातरा नामक मेले से आगे बढ़कर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्थल तक पहुंच गई है, जहां कुरुमा नामक पशुपालक समुदाय के कलाकार अपने देवता मल्लाना की लोक कथाओं का मंचन करते हैं। सिंगरापु राज कुमार के नेतृत्व में नौ सदस्यों की टीम ने पारंपरिक वेशभूषा में ओग्गू वाद्य यंत्र के साथ कथा का प्रदर्शन किया।

तीन भागों में विभाजित इस प्रदर्शन की शुरुआत प्रार्थना, गंगा प्रार्थना से हुई, जिसके बाद लोककल्याणम, मल्लना की मेदलम्मा और केथम्मा से शादी के संक्षिप्त प्रसंग प्रस्तुत किए गए। मंडली ने कुछ लोकगीत भी प्रस्तुत किए, जो समकालीनता से भरपूर थे और जिनका स्रोत ओग्गू कथा था।

'प्रोजेक्ट गरिमा' का हुआ शुभारंभ

आदिलाबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजर्षि शाह ने मंगलवार को आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के बंगारीगुडा गांव में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 'डिग्निटी हाइजीन सेनेटरी पैड मिशन' परियोजना का उद्घाटन किया। लर्निंग कर्व और भारत पेट्रोलियम केमिकल्स लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किए गए इस मिशन का उद्देश्य केजीबीवी की लड़कियों को पूरे साल मुफ्त में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराना है। शाह ने कहा कि पैड उपलब्ध कराने से लड़कियों में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केजीबीवी को पैड वाली एक मशीन मिलती है।

गलत तरीके से बेची जा रही दो दवाएं जब्त

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने दो दवाओं, पेडी जिंक सिरप और फेरस-एक्सटी टैबलेट को जब्त किया है, जिन्हें हैदराबाद में दो अलग-अलग कंपनियों द्वारा निर्मित किया जा रहा था और उन्हें खाद्य उत्पादों या न्यूट्रास्युटिकल्स के रूप में बेचा जा रहा था, जिनके चिकित्सीय लाभ होने का दावा किया गया था। डीसीए की टीमों ने सिरपुर, कुमारम भीम आसिफाबाद जिले में माइक्रो न्यूट्रिशन्स, एग्जीबिशन रोड, हैदराबाद द्वारा निर्मित पेडी जिंक सिरप (जिंक ग्लूकोनेट सिरप) के स्टॉक का पता लगाया। इस उत्पाद को स्वास्थ्य लाभ वाले खाद्य उत्पाद या न्यूट्रास्युटिकल के रूप में गलत तरीके से बेचा जा रहा था।

दूसरे छापे में, डीसीए की टीमों ने बाजार में फेरोरस-एक्सटी टैबलेट (फेरस एस्कॉर्बेट, फोलिक एसिड और जिंक टैबलेट) का पता लगाया। यह उत्पाद केनक्योर फार्मास्यूटिकल्स, एसएन पुरम, रोड नंबर-10, मेडचल-मलकजगिरी जिले द्वारा निर्मित पाया गया और साइरस फार्मा, शंकरा क्रांति अपार्टमेंट, कवाडीगुडा द्वारा खाद्य उत्पाद के रूप में बेचा गया।

23 तरह की अवैध दवाइयां जब्त

हैदराबाद, 25 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन ने फलकनुमा के नागुलबंदा में एक मेडिकल शॉप पर छापा मारा, जिसे मोहम्मद अयूब पाशा द्वारा बिना वैध ड्रग लाइसेंस के चलाया जा रहा था और 23 तरह की दवाइयां जब्त कीं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, एंटीहिस्टामाइन, एनाल्जेसिक, एंटीपायरेटिक्स आदि शामिल हैं, जिन्हें अवैध रूप से बिक्री के लिए रखा गया था। मेडिकल शॉप में दवा के नमूने, जिनके पास अनिवार्य ड्रग लाइसेंस नहीं था, एकत्र किए गए हैं और गुणवत्ता परीक्षण के लिए डीसीए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने थोक विक्रेताओं और व्यापारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि वे केवल उन व्यक्तियों या मेडिकल दुकानों को ही थोक मात्रा में दवाएं आपूर्ति करें जिनके पास वैध डीसीए औषधि लाइसेंस हो, जो औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत जारी किया जाता है।

तेलंगाना के डीसीए द्वारा की गई एक अलग छापेमारी में ड्रग इंस्पेक्टरों ने जनगांव जिले के बचन्नापेट मंडल के कोन्ने गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक से बड़ी मात्रा में दवाइयों का स्टॉक जब्त किया। डीसीए निरीक्षण दल ने कोन्ने गांव में बिना किसी योग्यता के एलोपैथी का अभ्यास कर रहे झोलाछाप डॉक्टर के लक्ष्मीनारायण के क्लीनिक पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान डीसीए की टीमों ने 20,000 रुपये मूल्य की 34 किस्म की दवाइयां जब्त कीं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड आदि शामिल हैं, जिन्हें बिना किसी ड्रग लाइसेंस के परिसर में रखा गया था। डीसीए ने बताया है कि छापेमारी के दौरान क्लीनिक से कई उच्च पीढ़ी की एंटीबायोटिक्स जब्त की गईं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.